आज का मौसम
29.0° अधिकतम तापमान
26.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.50
सूर्यास्त 06.35

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

भाद्रपद शुक्ल पक्ष अष्टमी 12:58 उपरांत नवमी विक्रम संवत 2082 | रविवार, 31 अगस्त 2025, वर्ष 6, अंक 281, पृष्ठ 14+4 | मूल्य 6 रुपये

मराठा आरक्षण को लेकर सरकार के साथ वार्ता विफल- 12

वाणिज्य मंत्रालय शुल्क से निपटने को तैयार - 12

सांसदों को ज्यादा भत्ता संसद भवन आग के हवाले - 13

गिल और रोहित का सीओई में बुमराह, जायसवाल सुंदर के साथ फिटनेस टेस्ट होगा - 14

अमृत विचार
लोक दर्पण
रविवार, 31 अगस्त 2025 www.amritvichar.com
सोशल मीडिया की उपयोगिता के साथ बढ़ती चुनौतियां
ऑनलाइन गेमिंग पर कानून का कड़ाई से अनुपालन आवश्यक
ऑनलाइन मनी गेमिंग का कुचक्र
साइबर क्राइम : एक ज्वलंत समस्या
सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव
सोशल मीडिया पर लुभावने विज्ञापन की भरमार
सोशल साइट्स पर विज्ञापनों की गिरफ्त
साइबर अपराध से बचाव

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, सोशल मीडिया की उपयोगिता के साथ बढ़ती चुनौतियां व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

प्रिय पाठकों, लोक दर्पण आज अंदर देखें। –संपादक

तियानजिन हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करते चीन के अधिकारी।

सात साल बाद चीन में मोदी, जिनपिंग से करेंगे वार्ता

- आर्थिक संबंध तथा सीमा विवाद पर बातचीत की संभावना
- एससीओ के दो दिवसीय शिखर सम्मेलन में भी करेंगे शिरकत

तियानजिन, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चीन की दो दिवसीय यात्रा पर शनिवार को तियानजिन पहुंचे। सात साल से अधिक समय के बाद चीन की उनकी यह पहली यात्रा है, जो ऐसे समय में हो रही है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति को लेकर भारत और अमेरिका के संबंधों में अचानक गिरावट आई है।

मोदी मुख्य रूप से शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के 31 अगस्त और एक सितंबर को आयोजित होने वाले वार्षिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए चीन में हैं। हालांकि, उनके रविवार को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक करने का भी कार्यक्रम है। मोदी और जिनपिंग की बैठक इसलिए अहम मानी जा रही है, क्योंकि भारत और चीन ट्रंप की टैरिफ नीति से वैश्विक व्यापार में उपजे तनाव के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर विचार कर रहे हैं। बैठक में मोदी और जिनपिंग के भारत-चीन आर्थिक संबंधों का जायजा लेने तथा पूर्वी लद्दाख में सीमा विवाद के बाद रिश्तों में बढ़ी तल्खी को दूर करने के उपायों पर विचार-विमर्श करने की संभावना है। मोदी अपनी दो देशों की यात्रा के दूसरे और अंतिम चरण के तहत जापान से चीन के तियानजिन पहुंचे। एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान मोदी के रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और कई अन्य नेताओं के साथ द्विपक्षीय वार्ता करने की भी संभावना है। तियानजिन की यात्रा से पहले मोदी ने कहा था कि वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में स्थिरता लाने के लिए भारत और चीन का मिलकर काम करना महत्वपूर्ण है।

जापानी अखबार द योमिउरी शिंबुन को शुक्रवार को दिए साक्षात्कार में प्रधानमंत्री ने कहा था कि भारत और चीन के बीच स्थिर, पूर्वानुमानित और मैत्रीपूर्ण संबंध क्षेत्रीय और वैश्विक शांति एवं समृद्धि पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं।

उन्होंने कहा था कि विश्व अर्थव्यवस्था में मौजूदा अस्थिरता को देखते हुए, भारत और चीन जैसी दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं का मिलकर काम करना आवश्यक है, ताकि वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में स्थिरता लाई जा सके।

युद्ध के समाधान को जेलेंस्की ने मोदी को किया फोन

तियानजिन। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से फोन पर बात की। इस दौरान, मोदी ने यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के भारत के दृढ़ एवं सतत रुख को दोहराया। प्रधानमंत्री ने जेलेंस्की से कहा कि भारत, यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने के सभी प्रयासों का समर्थन करता है। मोदी और जेलेंस्की के बीच यह बातचीत चीन के तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन से इतर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ प्रधानमंत्री की प्रस्तावित मुलाकात से दो दिन पहले हुई है। मोदी ने एक्स पर कहा कि राष्ट्रपति जेलेंस्की को आज फोन पर बात करने के लिए धन्यवाद। हमने यूक्रेन संघर्ष, शांति एवं स्थिरता बहाल करने के प्रयासों पर विचार–विमर्श किया।

ब्रीफ न्यूज

कालकाजी मंदिर के सेवादार की हत्या

नई दिल्ली। दक्षिण–पूर्वी दिल्ली के कालकाजी मंदिर में 35 वर्षीय एक सेवादार की कुछ लोगों के साथ झगड़े के बाद पीट–पीटकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने हमलावरों में से एक को पकड़ लिया है। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार रात करीब साढ़े नौ बजे मंदिर में दर्शन करने आए आरोपियों ने उत्तर प्रदेश के हरदोई निवासी सेवादार योगेंद्र सिंह से चुन्नी प्रसाद मांगा, जिसके बाद विवाद शुरू हुआ। समूह ने सिंह पर घूंसे बरसाए और लाठियों से पिटाई की। उन्हें एम्स के ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान मौत हो गई।

पूर्व मुख्य सचिव शंभूनाथ का निधन

लखनऊ। यूपी कैडर के 1970 बैच के आईएएस अधिकारी शंभूनाथ का शनिवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। उत्तर प्रदेश शासन के विभिन्न पदों से होते हुए वह मुख्य सचिव की कुर्सी तक पहुंचे और वर्ष 2007 में सेवानिवृत्त हुए। सेवानिवृत्ति के बाद वह साहित्य में पूरी तरह से रम गए थे। वह अच्छे लेखक व वक्ता भी थे। मनोरमा श्रीवास्तव के उपन्यास व्यथा कौन्तेय की के लोकार्पण समारोह में वह बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए थे। निराला सभागार में कर्ण की व्यथा, समाज में व्याप्त जातिवादी ताने–बाने से उपजती त्रासदी पर वह बोल रहे थे। अचानक सिर टेबल पर रख दिया, उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

यूपी निभा रहा अग्रणी भूमिका

शस्त्र व शास्त्र के समन्वय से ही राष्ट्र बनेगा शक्तिशाली : योगी

मुख्यमंत्री ने कहा-ऑपरेशन सिंदूर ने दुनिया को भारत की सामर्थ्य का एहसास कराया

- गौतम बुद्ध नगर में रक्षा उपकरण और ड्रोन निर्माण इकाई का किया गया लोकार्पण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि शस्त्र और शास्त्र के समन्वय से ही राष्ट्र शक्तिशाली बनेगा। गौतमबुद्ध नगर में नोएडा के सेक्टर 80 में राफे एमफ्रिब प्राइवेट लिमिटेड के रक्षा उपकरण इंजन परीक्षण केंद्र के उद्घाटन के मौके पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने दुनिया को भारत के सामर्थ्य का एहसास कराया। इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रक्षा उपकरण व ड्रोन निर्माण इकाई, एयरक्राफ्ट इंजन और डिफेंस एयरोस्पेस टेस्ट फेसिलिटी का लोकार्पण किया।

गौतम बुद्ध नगर के नोएडा में रक्षा उपकरण और इंजन परीक्षण केंद्र के उद्घाटन के मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व अन्य।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश रक्षा उत्पादन में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। यह नोएडा को डिफेंस हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा, जो राष्ट्रीय सुरक्षा को नई ऊंचाई देगा। आज की बढ़ती हुई चुनौतियों को देखते हुए रक्षा क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर का सामना करने के लिए अत्याधुनिक ड्रोन निर्माण के साथ एयरक्राफ्ट इंजन एंड डिफेंस एयरोस्पेस टेस्ट फेसिलिटी विकसित की गई है। पहले हमें दुनिया पर निर्भर रहना पड़ता था, डाटा कैप्चर कर दुश्मन हमें पंगु बनाने की कोशिश करता था। अब ऐसा नहीं होगा। योगी ने यह भी कहा कि वर्ष 1947 से भारत विभिन्न युद्धों का सामना करता रहा है। प्रत्येक युद्ध का पैटर्न बदलता रहा है। 'ऑपरेशन सिंदूर' ने युद्ध के एक नए दौर में प्रवेश किया, जिसने भारत के सामर्थ्य का एहसास दुनिया को कराया। पर इसने हमें भविष्य की चुनौतियों से जूझने की प्रेरणा भी दी।

रक्षा विनिर्माण इकाइयों के लिए 12,500 एकड़ भूमि

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में स्थापित किए जा रहे दो रक्षा औद्योगिक गलियारों में से एक उत्तर प्रदेश में विकसित किया जा रहा है। राज्य सरकार ने इसमें रक्षा विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने के लिए 12,500 एकड़ भूमि आवंटित की है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में गलियारे को अलीगढ़, कानपुर, आगरा और चित्रकूट समेत छह जिलों में विकसित किया जा रहा है। अत्याधुनिक ड्रोन और इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम का प्रदर्शन किया गया। रक्षा मंत्री व मुख्यमंत्री ने ड्रोन प्रदर्शनी का दौरा किया, जहां विभिन्न प्रकार के ड्रोन के मॉडल और उनकी क्षमताओं का प्रदर्शन किया गया। सीडीएस जनरल अनिल चौहान, रक्षा सचिव राजेश कुमार, रक्षा उत्पादन सचिव संजीव कुमार, सांसद महेश शर्मा समेत कई जनप्रतिनिधि व रक्षा विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

अमेरिका-चीन डिटेक्ट नहीं कर पाएंगे भारतीय ड्रोन

नोएडा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को गौतमबुद्ध नगर में राफे एमफाइबर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित देश के सबसे बड़े एयरो इंजन परीक्षण केंद्र को राष्ट्र को समर्पित किया। संस्थान के संस्थापकों विशाल और विवेक मिश्रा की उपलब्धि को भारत की नई तकनीकी क्रांति का प्रतीक बताते हुए कहा कि आज युवा सिर्फ एक कंपनी ही नहीं बना रहे बल्कि रक्षा क्षेत्र को नई सोच और दिशा दे रहे हैं। कहा कि यहां से बने भारतीय ड्रोन उड़ान भरेंगे, तो न तो अमेरिका और न ही चीन उन्हें पकड़ पाएगा। यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। रक्षा मंत्री ने देश की युद्ध नीति में ड्रोन को शामिल करने की आवश्यकता पर जोर दिया और उन्हें आधुनिक युद्ध रणनीति के लिए महत्वपूर्ण बताया। कहा कि आज के बदलते दौर में ड्रोन इस क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण शक्ति के रूप में उभरे हैं। ड्रोन अब उन क्षेत्रों में भी तैनात किए जा रहे हैं, जहां बड़े उपकरण नहीं पहुंच सकते।

हरियाणा की शराब पीने से दो किसानों की मौत, तीसरा गंभीर

कार्यालय संवाददाता, बरेली/अलीगंज

रामवीर

सूरजपाल

- अलीगंज क्षेत्र के तिगाई दत्तनगर का मामला, जांच में जुटी पुलिस
- शराब पीने के तीन घंटे बाद तीनों की बिगड़ी तबीयत, दो की हुई मौत

अमृत विचार : अलीगंज थाना क्षेत्र के गांव तिगाई दत्तनगर में शुक्रवार की देर रात हरियाणा से लाई गई शराब पीने से दो किसानों की मौत हो गई, जबकि एक की हालत गंभीर है। पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम कराया लेकिन रिपोर्ट में मौत के कारणों का पता नहीं चल सका जिससे विसरा सुरक्षित किया गया है।

थाना क्षेत्र के गांव तिगाई दत्तनगर निवासी भगवान दास हरियाणा के फरीदाबाद जिले की एक कंपनी में नौकरी करता है। वह दो दिन पहले घर लौटा था। साथ में हरियाणा में तैयार शराब भी लेकर आया था। भगवान दास ने शुक्रवार सुबह करीब नौ बजे कोल्ड डिंक्स की बोतल में हरियाणा से लाई गई शराब भर कर गांव के ही सूरजपाल उर्फ सज्जू (45) और रामवीर कश्यप (35) को बुलाया। इसके बाद तीनों ने गांव के ही बृजपाल के ट्यूबवेल पर पहुंचकर शराब पीनी शुरू कर दी। शराब पीने के कुछ देर बाद करीब 12 बजे रामवीर की तबीयत खराब होने लगी। कुछ ही देर में सज्जू और भगवान दास की भी तबीयत बिगड़ गई। जानकारी होने पर परिजनों ने तीनों को अस्पताल में भर्ती कराया। इलाज के दौरान शुक्रवार की रात रामवीर की मौत हो गई। ग्राम प्रधान ने रात करीब नौ बजे अलीगंज पुलिस को सूचना दी। शनिवार की सुबह सज्जू की भी मौत हो गई। भगवान दास की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस पूरे प्रकरण की जांच कर रही है। जानकारी मिलने पर आबकारी उपायुक्त एसपी सिंह स्टाफ के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने पांच किलोमीटर के दायरे में आने वाली सभी शराब दुकानों से सैंपल भरवाए। साथ ही चार विशेष टीमें गठित कर क्षेत्र की निगरानी के निर्देश दिए हैं।

4 मेडिकल कालेजों में नीट से हुए दाखिले रद्द

विधि संवाददाता, लखनऊ

- हाईकोर्ट ने निरस्त किया आरक्षण शासनादेश, कहा- 50 प्रतिशत की आरक्षण सीमा को नहीं लांघ सकते

अमृत विचार : हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने अंबेडकर नगर, कन्नौज, जालौन व सहारनपुर के सरकारी मेडिकल कॉलेजों के संबंध में पारित शासनादेशों को रद्द कर दिया है। कोर्ट ने पाया कि उक्त शासनादेशों के जरिए आरक्षित वर्ग के लिए 79 प्रतिशत से अधिक सीटें सुरक्षित की गई हैं। राज्य सरकार की ओर से अनुरोध किया गया कि उक्त मेडिकल कॉलेजों में सीटें वर्तमान फार्मूले के अनुसार भरी जा चुकी हैं। कोर्ट इससे संतुष्ट नहीं हुई और आदेश दिया है कि उक्त कॉलेजों में आरक्षण अधिनियम, 2006 का अनुपालन करते हुए नए सिरे से सीटें भारी जाएं।

उक्त निर्णय न्यायमूर्ति पंकज भाटिया की एकल पीठ ने नीट अभ्यर्थी साबरा अहमद की याचिका पर पारित किया है। याची के अधिवक्ता मोतीलाल यादव ने दलील दी कि याची ने नीट-2025 की परीक्षा दी है जिसमें उसे 523 मार्क्स मिले तथा उसकी ऑल इंडिया रैंक 29061 रही। कहा गया कि शासनादेशों दिनांक 20 जनवरी 2010, 21 फरवरी 2011, 13 जुलाई 2011, 19 जुलाई 2012, 17 जुलाई 2013 व 13 जून 2015 के द्वारा उक्त मेडिकल कॉलेजों में आरक्षण की सीमा बढ़ाकर 79 प्रतिशत से ज्यादा कर दी गई। जो 50 प्रतिशत की सीमा से अधिक आरक्षण न होने संबंधी सिद्धांत के विपरीत है। उक्त मेडिकल कॉलेजों में राज्य सरकार के कोटे की कुल 85-85 सीटें हैं। जबकि सिर्फ 7-7 सीटें अनारक्षित श्रेणी के लिए हैं।

भूस्खलन और बादल फटने से11 की मौत

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के रियासी और रामबन जिलों में बादल फटने और भूस्खलन की दो घटनाओं में एक ही परिवार के सात सदस्यों सहित 11 लोगों की मौत हो गई। रियासी जिले के एक सुदूरवर्ती गांव में शनिवार तड़के भूस्खलन से एक मकान के ढह जाने के कारण एक ही परिवार के सात सदस्यों की मौत हो गई। माहोरे के बद्दर गांव में भूस्खलन की वजह से एक मकान ढह गया। रामबन जिले के एक सुदूर गांव में बादल फटने से दो भाइयों समेत चार लोगों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य महिला लापता है। बादल फटने के कारण अचानक आई बाढ़ में दो मकान और एक विद्यालय बह गए।

ऑपरेशन सिंदूर | वायुसेना उप प्रमुख एयर मार्शल तिवारी बोले–भारतीय वायुसेना के लिए यह महत्वपूर्ण उपलब्धि

दागे 50 से भी कम अस्त्र...और घुटनों पर आ गया पाकिस्तान

नई दिल्ली, एजेंसी

- हमने पाकिस्तानी हमले का दिया माकूल जवाब, चौतरफा निशाना साधकर दिया सही संदेश

वायुसेना उपप्रमुख एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी ने शनिवार को कहा कि भारतीय वायुसेना द्वारा पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों पर 50 से भी कम अस्त्र दागे गए और इसी में 10 मई की दोपहर तक इस्लामाबाद को संघर्ष रोकने का अनुरोध करना पड़ा। वायुसेना उप प्रमुख ने मिशन का जिक्र करते हुए कहा कि नौ और दस मई की मध्य रात्रि पाकिस्तान के हमले के बाद किए गए हमलों के साथ भारतीय वायुसेना पाकिस्तानी सेना पर पूर्ण प्रभुत्व हासिल करने में सक्षम रही। तिवारी ने राजधानी में आयोजित एक डिफेंस समिट में कहा कि यह हमारे लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि थी कि 50 से भी कम अस्त्रों में हम पूर्ण प्रभुत्व हासिल करने में सक्षम रहे। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ।

ऑपरेशन सिंदूर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले वरिष्ठ वायुसेना अधिकारी ने कहा कि मिशन के दौरान जिन पाकिस्तानी ठिकानों को नष्ट किया गया, उनमें से कुछ ऐसे थे जो 1971 के युद्ध के दौरान भी नष्ट नहीं हुए थे। हमने हर अस्त्र का इस्तेमाल किया और इससे हमारे योजनाकारों तथा मिशन को अंजाम देने वाले लोगों की क्षमता का पता चलता है। भारत ने पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में सात मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था, जिसके तहत पाकिस्तान के नियंत्रण वाले क्षेत्रों में आतंकवादी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया था। दोनों देशों के बीच चार दिन तक भीषण झड़पें हुईं, जो 10 मई को सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति के साथ समाप्त हुईं। वायुसेना उप प्रमुख ने ऑपरेशन सिंदूर से संबंधित घटनाक्रम पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले पर भारत की प्रतिक्रिया का भी ब्योरा दिया। एयर मार्शल ने कहा कि भारत सात मई को तड़के पाकिस्तानी आतंकी ढांचे पर हमला करने के बाद स्थिति को और बिगाड़ने का इच्छुक नहीं था। हमें जवाब की उम्मीद थी और हमने उसे संतुलित रखा और हमने सिर्फ़ सैन्य ठिकानों पर ही हमला किया। लेकिन जब 9-10 मई की रात को मुख्य हमला हुआ, तो हमने तय किया कि हमें सही संदेश देना होगा। हमने उन्हें चौतरफा निशाना बनाया।

1971 के युद्ध के अछूते ठिकानों को भी किया नष्ट

वायुसेना अधिकारी ने कहा कि ऐसे लक्ष्य नष्ट किए गए, जिन्हें 1971 के युद्ध के दौरान भी नष्ट नहीं किया जा सका था। उन्होंने कहा कि इस हमले के पीछे का उद्देश्य पाकिस्तान की क्षमता को खत्म करना और सही संदेश भेजना था। एयर मार्शल ने कहा कि दुश्मन के लक्ष्यों पर प्रहार करने के लिए लंबी दूरी तक निशाना लगाना जोखिम भरा होता है, लेकिन वायुसेना ने मिशन को पूर्णता के साथ अंजाम दिया। कहा कि इस रेंज से सटीक निशाना लगाना आवश्यक होता है, क्योंकि दूरी जितनी लंबी होगी, नुकसान की संभावना उतनी ही अधिक है।

ट्रंप को बड़ा झटका, कोर्ट ने टैरिफ को बताया मनमाना

वाशिंगटन, एजेंसी

- अमेरिका की संघीय अदालत ने कहा- राष्ट्रपति ने किया अधिकारों का उल्लंघन
- ट्रंप ने लगाया है भारत और ब्राजील सहित कई देशों पर भारी आयात शुल्क

अमेरिका के आर्थिक आपातकाल संबंधी कानूनी प्रावधानों का इस्तेमाल कर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शासकीय आदेशों से तमाम देशों के माल पर लगाए गए तरह-तरह के आयात शुल्क को अमेरिका की एक संघीय अपीलीय अदालत ने अधिकारों का उल्लंघन करार देते हुए शुक्रवार को उन्हें गैरकानूनी करार दिया।

ट्रंप ने अधिकतर शुल्क अंतर्राष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक अधिकार अधिनियम के अंतर्गत लगाए थे। विभाजित निर्णय में न्यायालय के सात न्यायाधीशों ने राष्ट्रपति आदेशों के विरुद्ध और चार ने पक्ष में निर्णय दिया। न्यायालय ने इस्पात और एल्युमीनियम पर लगे शुल्कों को छोड़ कर ट्रंप द्वारा लगाए गए अन्य शुल्कों के बारे में कहा कि देश में कोई ऐसी आपदा नहीं है कि इन शुल्कों को उचित करार दिया जाए, जिनसे अरबों डॉलर का आयात प्रभावित हो रहा है। अदालत ने आयात शुल्क को कानून के विपरीत होने के कारण अमान्य घोषित किया है।

अदालत ने हालांकि आयात शुल्क को अस्थायी रूप से लागू रहने दिया, जिससे प्रशासन को इस फैसले के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में अपील करने का समय मिल गया है। कैलीफोर्निया राज्य के गर्वनर गेविन न्यूसम ने इस फैसले का स्वागत करते हुए ट्रंप को अमेरिका का परम पराजित बताया है। कैलीफोर्निया राज्य ने इन शुल्कों के खिलाफ अदालत में मुकदमा दायर किया है।

निर्णय के खिलाफ करेंगे अपील : ट्रंप ने इस निर्णय के विरुद्ध अपील करने की घोषणा की है। ट्रंप ने शुल्कों को अपनी कूट नीति का हथियार बना रखा है। उन्होंने भारत और ब्राजील पर सबसे अधिक 50 प्रतिशत का कर लगाया है। अदालत ने कहा है कि राष्ट्रपति ने बहुत से शुल्कों के मामले में अपने अधिकारों का उल्लंघन किया है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर चेतावनी देते हुए लिखा कि सभी आयात शुल्क अब भी लागू हैं! उन्होंने अपीलीय न्यायालय को अत्यधिक पक्षपातपूर्ण बताया और कहा कि उसने गलत तरीके से इन शुल्कों को हटाने को कहा है। उन्होंने कहा कि अंत में अमेरिका की ही जीत होगी। अगर ये शुल्क कभी हटा दिए गए तो यह देश के लिए विनाशकारी होगा। यह हमें आर्थिक रूप से कमज़ोर बना देगा ।

अब भारत नहीं आएंगे अमेरिकी राष्ट्रपति

न्यूयॉर्क। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस साल के अंत में क्वाड शिखर सम्मेलन के लिए भारत आने की अब कोई योजना नहीं है। द न्यूयॉर्क टाइम्स ने शनिवार को यह दावा किया। अखबार ने अपनी खबर में सिलसिलेवार बताया है कि कैसे पिछले कुछ महीनों में अमेरिकी नेता और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच संबंध बिगड़े हैं। अखबार ने नोबेल पुरस्कार और एक कठिन फोन कॉल : ट्रंप–मोदी संबंध कैसे बिगड़े शीर्षक से प्रकाशित खबर में ट्रंप के कार्यक्रम से परिचित लोगों का हवाला देते हुए कहा कि मोदी को यह बताने के बाद कि वह इस वर्ष के अंत में क्वाड शिखर सम्मेलन के लिए भारत की यात्रा करेंगे, ट्रंप की अब शरद ऋतु में भारत जाने की कोई योजना नहीं है। न्यूयॉर्क टाइम्स के दावे पर अमेरिका या भारत की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

न्यूज ब्रीफ

कुरीतियों के खिलाफ आगे आएं छात्राएं : राज्यपाल

अमृत विचार, लखनऊ : गोरखपुर स्थित सरस्वती बालिका विद्यालय की

12 मेधावी छात्राओं व शिक्षिकाओं ने शनिवार को राजभवन में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से मुलाकात की। इस मौके पर राज्यपाल ने दहेज प्रथा, बाल विवाह व सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ छात्राओं को आगे आने का आह्वान किया।

घुमंतू जातियों को लेकर विजन प्रस्तुत करेंगे योगी

अमृत विचार, लखनऊ : योगी सरकार के प्रयासों से समाज के सबसे निचले पायदान पर स्थित विमुक्त व घुमंतू जातियों तक न केवल मूलभूत सुविधाएं पहुंच रहीं हैं, बल्कि उनके आर्थिक व सामाजिक उन्नयन के अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। रविवार को 'विमुक्त जाति दिवस' के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में योगी प्रदेश में विमुक्त व घुमंतू जातियों के उत्थान के लिए किए गए कार्यों का उल्लेख करेंगे।

विभाग को मिले 22 नए एक्स-रे टेक्नीशियन

अमृत विचार, लखनऊ : स्वास्थ्य विभाग को 22 नए एक्स-रे टेक्नीशियन मिल गए हैं। उप्र. लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित टेक्नीशियनों का वेतनमान 35400 से 112400 है। स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ.रतन पाल सिंह सुमन ने बताया कि इन्हें एक माह के अंदर ज्वाइनिंग देनी हैं।

बाढ़ प्रभावितों को न हो असुविधा

मुख्यमंत्री ने गाजीपुर में बाढ़ का हवाई सर्वे कर दिए निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

गाजीपुर के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वे करते मुख्यमंत्री योगी।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को वाराणसी प्रवास के बाद गाजीपुर में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हेलीकॉप्टर से हवाई सर्वेक्षण किया। उन्होंने हेलीकॉप्टर से बाढ़ की स्थिति का जायजा लेने के बाद जिला व मंडल स्तर के अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिये।

उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित लोगों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए हर संभव प्रयास किए जाएं। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि प्रशासनिक अमला सतत निगरानी में रहे। शरणालयों में रहने वाले लोगों को भोजन, पानी और स्वास्थ्य सेवाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि प्रदेश सरकार हर नागरिक के साथ खड़ी है और आपदा की इस घड़ी में किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने मवेशियों के चारे, पीने के पानी की शुद्धता और स्वास्थ्य सेवाओं पर विशेष ध्यान देने पर जोर दिया। साथ ही, उन्होंने बाढ़ग्रस्त गांवों में दवाओं, एंटी स्नेक वैनम और एंटी रैबिज टीकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

योगी ने वाराणसी में सुनीं लोगों की समस्याएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

वाराणसी में आयोजित जनता दर्शन में फरियादियों की समस्या सुनते मुख्यमंत्री योगी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वाराणसी प्रवास के दौरान शनिवार को जनता दर्शन में 100 से अधिक लोगों की फरियाद सुनीं। उन्होंने तत्काल समस्याओं के निस्तारण के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने आयुक्त, पुलिस आयुक्त, जिलाधिकारी समेत अन्य अधिकारियों को समस्या का त्वरित निस्तारण कराने व पीड़ितों से 'फीडबैक' लेने का निर्देश दिया।

जनता दर्शन में पहुंचे एक दिव्यांग फरियादी ने नेत्रहीनों के लिए डिजिटल लाइब्रेरी व एक कलाकार ने प्रदर्शनी लगाने के लिए उचित दर पर हॉल की मांग की। सीवर कनेक्शन, कच्ची सड़कों के पक्का करने, जमीन व चक रोड से सम्बंधित मामले भी आए। राजस्व से संबंधित शिकायतें भी पहुंचीं। चंदौली से आए फरियादी ने मुआवजा न मिलने की शिकायत की। पुलिस से जुड़ीं शिकायतें भी लेकर लोग यहां पहुंचे। मुख्यमंत्री पीड़ितों के साथ आए बच्चों से भी मिले। उन्होंने बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करने व उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

कानपुर के पुलिस आयुक्त को तत्काल करें कार्यमुक्त

लखनऊ, अमृत विचार : केंद्र सरकार ने राज्य सरकार को पत्र भेजकर कानपुर के पुलिस आयुक्त अखिल कुमार को तत्काल कार्यमुक्त करने का निर्देश दिया है। केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय की ओर से मुख्य सचिव को पत्र लिखा गया है।

पिछले दिनों 1994 बैच के आईपीएस अधिकारी अखिल कुमार का स्थानांतरण किया गया था। बीती 25 अगस्त की रात को अखिल कुमार का स्थानांतरण केंद्र सरकार के सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन में प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के पद पर किया गया। यह नियुक्ति अतिरिक्त सचिव के रैंक में है। अखिल कुमार कानपुर में 'ऑपरेशन महाकाल' के तहत अखिलेश दुबे जैसे प्रभावशाली व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के लिए चर्चित हैं।

मंदिर को बाबर ने मस्जिद में बदला

संभल मुददे पर न्यायिक जांच आयोग की रिपोर्ट को कैबिनेट में ले जाएंगे : ब्रजेश पाठक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि संभल मुददे पर न्यायिक जांच आयोग ने रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंप दी है। जांच रिपोर्ट अभी सार्वजनिक नहीं हुई है। हम इसे कैबिनेट में ले जाएंगे, इसके उपरांत कार्रवाई के लिए उसे आगे भेजेंगे। उप मुख्यमंत्री ने साफ तौर पर कहा कि आज की बातचीत न जांच रिपोर्ट से प्रेरित है और न ही उसका संदर्भ लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आजादी के पहले और 2024 से लेकर कई बार संभल की चर्चा आई है।

लोकभवन में पत्रकारों को जानकारी देते उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक।

उप मुख्यमंत्री शनिवार को लोकभवन में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संभल में डेमोग्राफी बदलने के बारे में समय-समय पर मीडिया रिपोर्ट आती रहती है। डेमोग्राफी बदलने के लिए कुछ गिरोह विदेशी ताकतों के इशारे पर करते हैं। हम किसी भी स्थिति में डेमोग्राफी बदलने नहीं देंगे और पूर्ववर्ती स्थिति मेंटेन करेंगे। उन्होंने कहा कि 1924 में संभल में दंगा हुआ था। कई हिंदू परिवारों को मौत के घाट उतारा गया था। उस समय महात्मा गांधी ने जवाहर लाल नेहरू से कहा था कि आप वहां का दौरा कीजिए। नेहरू ने 8-10 सितंबर 1924 को दौरा किया और 12 सितंबर को 13 पन्नों की रिपोर्ट महात्मा गांधी को सौंपी थी।

नेहरू की रिपोर्ट में भी था संभल में हिंदुओं का उत्पीड़न

ब्रजेश पाठक ने नेहरू की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि रिपोर्ट में स्पष्ट है कि संभल में हिंदू सदा पीड़ित रहे। तुष्टिकरण और समाज को बांटने वाली सरकारों ने जनसंख्या संतुलन को बिगड़ने दिया। इतना ही नहीं, रिपोर्ट में नेहरू ने कहा था कि हरिहर मंदिर महाराज पृथ्वीराज चौहान ने बनवाया था। बाबर ने इसे मस्जिद में बदलने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि सनातन ग्रंथों में जानकारी मिलती है कि संभल में भगवान कल्कि का अवतार होने वाला है, इसलिए हर भारतवासी के मन में संभल के प्रति अटूट आस्था रही है।

शिक्षित व्यक्ति के नाम एटीएम कार्ड जारी कराने के बाद खाते से रुपये निकाले

भदोही, एजेंसी : भदोही में जालसाजी का एक अनोखा मामला सामने आया है जिसमें एक अशिक्षित ग्रामीण व्यक्ति के बैंक से एटीएम कार्ड जारी कराने के बाद आरोपियों ने उसके खाते से दो लाख रुपये निकाल लिए। पुलिस ने बताया कि इस मामले में शुक्रवार को सुरवाया थाने में पीड़ित हरिहर चौहान की शिकायत पर आरोपियों चित्रांश चौरसिया और दीपक सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई।

प्रभारी निरीक्षक अजीत कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि चौहान का यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में बचत खाता है, जिसमें उसने दो लाख रुपये जमा कर रखे थे। श्रीवास्तव ने कहा कि पढ़ा लिखा नहीं होने के कारण हरिहर ने कभी एटीएम कार्ड के लिए आवेदन नहीं किया। उन्होंने बताया कि हरिहर के खाते से 8 मई, 2025 से 11 मई, 2025 के बीच 15 बार में 1,98,400 रुपये निकाले गए।

कार्यालय मुख्य कर निर्धारण अधिकारी, नगर निगम- बरेली

पत्रांक: 172/एस.टी./मु.क.नि.अधि./2025-26 दिनाक: 30.08.2025

प्रेस विज्ञप्ति

सितम्बर- 2025: हाउस टैक्स सामाधान कैम्प कैलेण्डर

जोन-1

क्र.	दिनांक एवं समय	कैम्प का स्थान	वार्ड संख्या/मा.पार्षद
1	03.09.2025/10:00 से 2:00 बजे तक	अशर्फी बारात घर बानखाना	वार्ड सं.-52 मा. पार्षद-श्री शमीम अहमद
2.	06.09.2025/10:00 से 02:00 बजे तक	प्रिया बैंकट हॉल	वार्ड सं.- 42 मा. पार्षद- श्री चन्द्र प्रकाश
3.	10.09.2025/10:00 से 02:00 बजे तक	प्राथमिक विद्यालय जौहरपुर	वार्ड सं.- 36 मा. पार्षद- श्रीमती सुदामा देवी
4.	15.09.2025/10:00 से 02:00 बजे तक	अग्रवाल धर्मशाला	वार्ड सं.- 63 मा. पार्षद- श्री प्रांजल गर्ग
5.	24.09.2025/10:00 से 02:00 बजे तक	दूल्हे मियां की कोठी	वार्ड सं.- 76 मा. पार्षद- मोहम्मद नासिर
6.	27.09.2025/10:00 से 02:00 बजे तक	आवास पार्षद जी	वार्ड सं.- 74 मा. पार्षद- श्री सलीम अहमद
7.	29.09.2025/10:00 से 02:00 बजे तक	प्राथमिक विद्यालय महेशपुर अटरिया	वार्ड सं.- 45 मा. पार्षद- श्री इकबाल अहमद अंसारी

जोन-2

क्र.	दिनांक एवं समय	कैम्प का स्थान	वार्ड संख्या/मा.पार्षद
1	08.09.2025/10:00 से 2:00 बजे तक	ईटों वाली धर्मशाला	वार्ड सं.-72 मा. पार्षद-श्री मुकेश सिंघल
2.	17.09.2025/10:00 से 02:00 बजे तक	एल.ए. होटल	वार्ड सं.- 09 मा. पार्षद- श्रीमती माधवी दास
3.	20.09.2025/10:00 से 02:00 बजे तक	कुंवरतनय धर्मशाला	वार्ड सं.- 77 मा. पार्षद- श्री संजीव रस्तोगी
4.	22.09.2025/10:00 से 02:00 बजे तक	दुर्गाबाड़ी रामपुर बाग	वार्ड सं.- 35 मा. पार्षद- श्री राजेश कुमार
5.	30.09.2025/10:00 से 02:00 बजे तक	महफिल बारात घर	वार्ड सं.- 66 मा. पार्षद- श्री संजय राय

जोन-3

क्र.	दिनांक एवं समय	कैम्प का स्थान	वार्ड संख्या/मा.पार्षद
1	03.09.2025/10:00 से 2:00 बजे तक	खुशी बैंकट हाल, जगतपुर चौराहा	वार्ड सं.-71 मा. पार्षद-श्रीमती महशर जहां
2.	10.09.2025/10:00 से 02:00 बजे तक	पार्षद कार्यालय तुलाशेरपुर	वार्ड सं.- 03 मा. पार्षद- श्रीमती संजू देवी
3.	12.09.2025/10:00 से 02:00 बजे तक	बदरिया निगम स्वास्थ्य विभाग ऑफिस	वार्ड सं.- 39 मा. पार्षद- सनी मिर्जा
4.	17.09.2025/10:00 से 02:00 बजे तक	वैशाली बैंकट हॉल निकट सतीपुर चौराहा के पास	वार्ड सं.- 43 मा. पार्षद- श्रीमती पूनम राठौर
5.	24.09.2025/10:00 से 02:00 बजे तक	ग्रेटर ग्रीन पार्क (पानी टंकी वाला पार्क) में हरूनगला	वार्ड सं.- 17 मा. पार्षद- श्रीमती गौरी पटेल
6.	26.09.2025/10:00 से 02:00 बजे तक	पार्षद जी के कैम्प कार्यालय बनखण्डी नाथ	वार्ड सं.- 65 मा. पार्षद- श्रीमती शारदा गुप्ता

जोन-4

क्र.	दिनांक एवं समय	कैम्प का स्थान	वार्ड संख्या/मा.पार्षद
1	08.09.2025/10:00 से 2:00 बजे तक	डी.एस. होटल कृष्णा नगर निकट नैनीताल रोड, बरेली	वार्ड 18 मा. पार्षद-श्रीमती सुधा सक्सेना
2.	15.09.2025/10:00 से 02:00 बजे तक	रेशमा हॉस्पिटल के सामने निकट मिनी बाईपास मोहल्ला बसन्त बिहार	वार्ड सं.- 29 मा. पार्षद- श्रीमती पूनम
3.	22.09.2025/10:00 से 02:00 बजे तक	तिकोना पार्क में परतापुर चौधरी	वार्ड सं.- 34 मा. पार्षद- श्री तामिल हुसैन
4.	29.09.2025/10:00 से 02:00 बजे तक	शास्त्री नगर गेट हरी शंकर धर्मकांटा पार्षद कार्यालय	वार्ड सं.- 49 मा. पार्षद- श्री गौरव सक्सेना

नगर निगम बरेली द्वारा सम्पत्ति कर (गृहकर, जलकर, सीवर कर) के भुगतान हेतु भवन स्वामियों के बिलों में नाम, पता एवं अन्य त्रुटियों के सुधार एवं सुविधा हेतु माह सितम्बर 2025 में नगर निगम सीमान्तर्गत कुल 22 कैम्प लगाए जाने का कार्यक्रम तैयार किया गया है।

मुख्य कर निर्धारण अधिकारी
नगर निगम, बरेली

भाजपा का 'जुगाड़ आयोग' बन गया चुनाव आयोग

- बिहार में इंडिया गठबंधन की वोटर अधिकार यात्रा में शामिल हुए सपा प्रमुख

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

बिहार में वोटर अधिकार यात्रा के दौरान आयोजित सभा के दौरान जनसमूह को संबोधित करते सपा प्रमुख अखिलेश यादव।

अमृत विचार: सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि देश की जनता को उम्मीद रहती है कि चुनाव आयोग निष्पक्ष कार्य करेगा। संविधान में दिए गये वोट के अधिकार को बचाएगा, लेकिन आयोग भाजपा से मिलकर कार्य कर रहा है। भाजपा ने चुनाव आयोग को अपना जुगाड़ आयोग बना लिया है। चुनाव आयोग भाजपा का जुगाड़ आयोग बन गया है।

सपा प्रमुख शनिवार को बिहार के सिवान-छपरा-आरा में वोटर अधिकार यात्रा को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बिहार में जो एसआईआर हो रहा है, उससे सिरफिरा कोई दूसरा फैसला नहीं हो सकता है। यह सिरफिरा फैसला भाजपा के इशारे पर हुआ है। बिहार की जनता से वोट के अधिकार को छीना जा रहा है। जनता चुनाव में भाजपा को इसका जवाब देगी। बिहार की जनता तेजस्वी यादव के नेतृत्व में भाजपा सरकार को उखाड़ फेकेंगी। इस बार भाजपा का पलायन होगा। इंडिया गठबंधन भाजपा, चुनाव आयोग और अधिकारियों के तीन तिगाड़ा को तोड़ने का काम करेगा। अखिलेश यादव ने कहा, इसी बिहार ने पहले भी भाजपा का रथ रोका था।

कांग्रेस नेताओं ने काली पट्टी बांध किया विरोध

अमृत विचार, लखनऊ : बिहार में सदाकत आश्रम पर भाजपा कार्यकर्ताओं के हमले के विरोध में कांग्रेस नेताओं ने शनिवार को काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के निर्देश पर प्रदेश कार्यालय, लखनऊ में कांग्रेस नेताओं-कार्यकर्ताओं ने अपने हाथों पर काली पट्टी बांधकर रामधुन गाकर अपना विरोध जताया। प्रदर्शन में पूर्व सांसद पीएल पुनिया, पूर्व विधायक सतीश अजमानी, राष्ट्रीय प्रवक्ता पूर्व विधायक अखिलेश प्रताप सिंह, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रूद्र दमन सिंह बब्लू, शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव त्यागी, डॉ. शहजाद आलम, डॉ. जियाराम वर्मा आदि शामिल रहे।

मेडिकल कॉलेजों में शुल्क वृद्धि से रोष

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के निजी मेडिकल कॉलेजों में अध्ययनरत एमबीबीएस व पीजी छात्रों के लिए शुल्क को लेकर समस्या खड़ी हो गयी है। इस साल मेडिकल कॉलेजों द्वारा शुल्क बढ़ा दिया गया था, जिसके बाद छात्रों के अभिभावकों ने मनमाने तरीके से फीस वसूलने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से पूर्व में निर्धारित शुल्क बहाल करने की गुहार लगाई है। कई मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने न्यायालय की शरण ली और बीच में फीस बढ़ा दी गई। अब कॉलेजों ने साफ कह दिया है कि बढ़ी हुई फीस जमा नहीं करने वाले छात्रों को परीक्षा में नहीं बैठने दिया जाएगा। अभिभावकों ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर बीच सत्र में ही अतिरिक्त फीस वसूली रोकने की मांग की है।

वाहन की फिटनेस जांचने को लखनऊ समेत चार जिलों में दूसरा एटीएस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- ऑटोमेटिक टेस्ट स्टेशन के जरिए और पारदर्शी होगी प्रक्रिया
- आगरा, कानपुर नगर व मिर्जापुर में हो गए दो-दो एटीएस

अमृत विचार : वाहनों का फिटनेस प्रमाण पत्र जारी करने के लिए राजधानी समेत प्रदेश में चार नए स्वचालित परीक्षण स्टेशन (एटीएस) स्थापित हुए हैं, जिसके बाद प्रदेश में कुल एटीएस की संख्या 14 हो गई है। नए एटीएस उन्हीं जिलों में दिए गए हैं, जहां वाहनों की संख्या अधिक है और प्रमाण पत्र जारी होने में देर हो रही है। इस संबन्ध में परिवहन आयुक्त द्वारा आदेश जारी कर दिया गया है।

परिवहन आयुक्त ब्रजेश नारायण सिंह ने शनिवार को बताया कि राजधानी में एकेआरएस एटीएस प्राइवेट लि., आगरा में शार्प-एन-इंडिया विद ट्रिपलिया टेक इंटीग्रेटर, कानपुर में मेसर्स एयर सेल्स कार्पोरेशन और मिर्जापुर में मेसर्स ममता हाइजीन प्रोडक्ट्स प्राइवेट लि. को एटीएस की स्वीकृति दी गयी है। अब इन जिलों में वाहनों का फिटनेस परीक्षण के लिए दो एटीएस उपलब्ध हो चुके हैं। इसके अलावा प्रदेश में फिरोजाबाद, बिजनौर, झांसी, मुरादाबाद, कानपुर देहात, वाराणसी, बरेली, मुरादाबाद (द्वितीय), फतेहपुर और रामपुर में एटीएस कार्यरत हैं। ब्रजेश नारायण सिंह ने बताया कि किसी भी जिले में अधिकतम तीन एटीएस स्थापित किए जा सकते हैं। यह पहले आओ, पहले पाओ के सिद्धांत पर पात्र आवेदनों को प्राथमिकता दी जाती है। इसके लिए वाहन जांच के लिए प्रत्येक लेन के लिए निर्धारित भूमि, बतौर आवेदन शुल्क 50 हजार रुपये ऑनलाइन जमा करना होता है, पांच लाख रुपये की बैंक गारंटी देनी होती है। आवेदन पोर्टल के माध्यम से किया जाता है।

कानपुर देहात में जहरीली गैस से तीन मजदूरों की मौत

कानपुर देहात, अमृत विचार : अकबरपुर के कन्हैया नगर में निर्माणाधीन मकान के सीवर टैंक की शटरिंग खोलने के लिए उतरे ठेकेदार और तीन मजदूर जहरीली गैस की चपेट में आकर बेहोश हो गए। पुलिस ने फायर ब्रिगेड की टीम की मदद से चारों को टैंक से बहार निकालकर जिला अस्पताल भेजा, जहां ईएमओ ने परीक्षण के बाद तीन को मृत घोषित कर दिया, जबकि चौथे की हालत नाजुक बनी हुई है। एसपी और एएसपी ने घटनास्थल के साथ जिला अस्पताल पहुंचकर छानबीन की।

अकबरपुर के कन्हैया नगर मोहल्ले में रामनारायण का नया मकान निर्माणाधीन है। मकान में करीब एक माह पहले सीवर टैंक की ढलाई हुई थी। शनिवार को शटरिंग हटाने के लिए सबसे पहले ठेकेदार अमन टैंक में उतरा, लेकिन जहरीली गैस की चपेट में आने से वह बाहर नहीं निकल पाया। उसे बचाने के लिए उसके साथी मजदूर इसरार, मोबिन और सर्वेश भी टैंक में उतर गए, लेकिन ये तीनों भी बेहोश होकर गिर पड़े।

आयोजन | भोजपुरी, अवधी, बुंदेली और थारू जैसी लोक परंपराओं का होगा प्रदर्शन

सांस्कृतिक रंगों से सराबोर होगा यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025 सांस्कृतिक रंगों से सराबोर होगा। यह सिर्फ व्यापार ही नहीं, कला-संस्कृति का भी संगम बनेगा। इस मेगा आयोजन की हर शाम रंगारंग प्रस्तुतियों से सराबोर होगी। भोजपुरी, अवधी, बुंदेली और थारू जैसी लोक परंपराओं का प्रदर्शन होगा। सूफी गायन, कथक नृत्य और सुगम संगीत तक का संगम देखने को मिलेगा। 'निरहुआ' से लेकर पद्मश्री मालिनी अवस्थी अपनी-अपनी प्रस्तुतियां देंगी।

पहला दिन : भोजपुरी और कथक का संगम

25 सितंबर की शाम की शुरुआत भोजपुरी सुपर स्टार दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' की गायकी से होगा। इसी दिन वाराणसी की सोनी सेठ 'राम रामेति रामायाः' शीर्षक कथक नृत्य नाटिका प्रस्तुत करेंगी। इसके साथ ही संस्कृति गाथा गर्ल्स बैंड की मोहिनी, सोनल और अनन्या लोकधुनों की मधुरता बिखेरेंगी, जबकि मेरठ के पवन धानक अपनी शहनाई की प्रस्तुति देंगे।

दूसरा दिन : सूफी और रसिया की जुगलबंदी

26 सितंबर को सूफी और ब्रज संस्कृति के नाम मंच होगा। रीवा की गायिका प्रतिभा सिंह बघेल अपने सूफी गायन से समां बांधेंगी, वहीं मथुरा के मुरारी लाल शर्मा चरकुला नृत्य के जरिए ब्रज की अनूठी परंपरा दिखाएंगे। गजेन्द्र सिंह रसिया गायन और नोएडा की नीलाक्षी राय सूफी नृत्य नाटिका प्रस्तुत करेंगी।

तीसरा दिन : अवधी लोकगायन और थारू नृत्य

27 सितंबर की शाम लखनऊ की पद्मश्री मालिनी अवस्थी के अवधी लोकगायन से सराबोर होगी। साथ ही महाराजगंज के अमित अंजन लोक गायन प्रस्तुत करेंगे। अयोध्या की संगम लता बधावा नृत्य से दर्शकों को लुभाएंगी, जबकि पीलीभीत की रिंकू देवी थारू नृत्य के जरिए आदिवासी परंपरा का जादू बिखेरेंगी।

चौथा दिन : बुंदेली और राई-सैरा की झलक

28 सितंबर को मंच पर बुंदेलखंड और उसकी सांस्कृतिक धरोहर आएंगे। बस्ती के ब्रजेश शाण्डिल्य भजन गायन से भक्तिभाव का माहौल बनाएंगे। अंबेडकरनगर की मानसी सिंह रघुवंशी लोकगायन करेंगी। ललितपुर के जितेन्द्र कुमार बुंदेली गायन से मन मोह लेंगे और मोहिनी राई-सैरा लोकनृत्य प्रस्तुत करेंगी।

पांचवा दिन : सुगम संगीत और कबीर गायन से समापन

29 सितंबर की अंतिम शाम को आधुनिक और आध्यात्मिक संगीत का संगम देखने को मिलेगा। लखनऊ की लोकप्रिय जोड़ी सचेत-परम्परा सुगम संगीत से समां बांधेंगे। सोनभद्र के संतोष मादल सिंहा नृत्य से लोकजीवन की ऊर्जा दिखाएंगे। प्रयागराज के जलज श्रीवास्तव कबीर गायन से संत परंपरा को जीवंत करेंगे और नोएडा की अनुराधा शर्मा कथक नृत्य से कार्यक्रम का भव्य समापन करेंगी।

न्यूज ब्रीफ

मत्स्य पालकों के बनाएं क्रेडिट कार्ड : डॉ. संजय

लखनऊ, अमृत विचार : मत्स्य विकास विभाग के कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद ने निर्देश दिए कि मत्स्य पालकों को किसान क्रेडिट कार्ड से आच्छादित किया जाए, इसके लिए बैंकों से संपर्क कर स्वीकृति कराई जाए। साथ ही मछुआ दुर्घटना बीमा योजना का प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक मत्स्य पालकों-मछुआरों को लाभान्वित कराया जा सके।

रूफटॉप सोलर पर मिलेगी छूट

लखनऊ, अमृत विचार : पीएम सूर्यघर योजना में अधिक से अधिक सोलर पैनल स्थापित करने के लिए प्रदेश में 10 किलोवाट बिजली भार तक के रूफटॉप सोलर उपभोक्ताओं को छूट मिलेगी। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन ने शनिवार को इस सिलसिले में आदेश जारी किया। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत नियामक आयोग ने हाल ही में एक आदेश जारी कर राज्य में नए रूफटॉप सौर ऊर्जा उपभोक्ताओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कुछ छूटों को मंजूरी दी है। यह आदेश उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी (यूपीएनईडीए) की एक याचिका के बाद आया है।

काम्पिल्य के पर्यटन विकास को मंजूरी

अमृत विचार, लखनऊ : केंद्र सरकार ने महाभारत सर्किट के अंतर्गत फर्रूखाबाद के पौराणिक स्थल काम्पिल्य (कम्पिल) के पर्यटन विकास योजना को मंजूरी दे दी है। इसके लिए राज्य सरकार ने चार करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि महाभारत काल में काम्पिल्य, पांचाल की राजधानी रही है। मान्यता है कि यहीं द्रौपदी का जन्म और बाद में स्वयंवर हुआ था।

पोल्ट्री उत्पाद से भरी डीसीएम टीम ने पकड़ी

पीलीभीत, अमृत विचार : आयात पर प्रतिबंध के बावजूद गैर जनपद से पोल्ट्री उत्पाद लेकर आ रही डीसीएम पुलिस के सहयोग से पशुपालन विभाग ने पकड़ी है। बताते हैं कि इससे पूर्व डीसीएम चालक ने न्यूरिया कस्बे के एक पोल्ट्री फार्म पर करीब एक हजार पोल्ट्री उत्पाद की बिक्री भी की थी। सुरक्षा की दृष्टि सभी पोल्ट्री उत्पाद को न्यूरिया के पोल्ट्री फार्म में संचालक की सुपुर्दगी में रखे हैं।

विदेश भेजने के नाम ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः आदर्श कॉलोनी पुलिस ने पिछले चार माह से फरार चल रहे ठगी के अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

जानकारी के अनुसार शादी नगर हजीरा स्वार मिलक खानम रामपुर यूपी निवासी अनिल शर्मा ने मार्च माह में मुकदमा दर्ज कराया था कि वह अपने बेटे दिव्यांश शर्मा को उच्च शिक्षा कराने विदेश भेजने का मन बनाया और स्टडी वीजा बनाने के लिए टोटल इमीग्रेशन से संपर्क किया। एक सितंबर 2023 को मुलाकात के बाद इमिग्रेशन संचालक इंद्रजीत सिंह बैंस उर्फ विक बैस ने स्टडी वीजा बनाने की एवज में बीस लाख रुपये की डिमांड की और उसकी पत्नी का कनाडा पीआर में अच्छी पकड़ होने की बात कही। जिस पर तत्काल अभियुक्त को 17.61 लाख रुपये का भुगतान कर दिया।

कुछ दिन बाद अभियुक्त ने वीजा बनाकर दिया और जब वीजा की पड़ताल की तो पता चला कि स्टडी वीजा फर्जी है। पैसा वापस करने का दबाव बनाया तो अभियुक्त ने धमकाया शुरू कर दिया और जान से मारने की धमकी भी दी। प्रकरण का संज्ञान लेते हुए एसएसपी ने कार्रवाई का आदेश दिया। आदर्श कॉलोनी चौकी प्रभारी होशियार सिंह ने मिली सूचना के बाद अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया।

भाजपा के तीन दिवसीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण कार्यशाला में बोले प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी

भाजपा की स्थापना का आधार सेवा, संगठन और राष्ट्रहित

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : आचार्य नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय में भाजपा की तीन दिवसीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण कार्यशाला का शुक्रवार देर शाम आयोजन हुआ। इसमें जिले के प्रभारी व कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही के विधानसभा क्षेत्र पथरदेवा देवरिया के पदाधिकारियों को बूथ प्रबंधन का मंत्र दिया गया। कार्यक्रम की प्रस्तावना कृषि मंत्री ने रखी।

कृषि विवि में भाजपा की कार्यशाला में डिप्टी सीएम बृजेश पाठक को स्मृति चिन्ह भेट करते कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ● अमृत विचार

पहले दिन मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा केवल सत्ता प्राप्त करने का साधन नहीं, बल्कि विचारधारा और संगठन के बल पर खड़ी हुई पार्टी है। भाजपा की स्थापना का आधार सेवा, संगठन और राष्ट्रहित रहा है। हर कार्यकर्ता को यह समझना होगा कि पार्टी का मूल मंत्र 'सबका साथ, सबका विकास' है और इसी आधार पर हम समाज के अंतिम पायदान तक विकास पहुंचा रहे हैं।

कार्यशाला के दूसरे दिन शनिवार को उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने पार्टी की उपलब्धियों पर विस्तृत चर्चा की। कहा कि 11 वर्षों में भाजपा ने देश और प्रदेश की राजनीति की दिशा बदल दी है। केंद्र और प्रदेश की सरकार ने गरीबों, किसानों, महिलाओं और युवाओं के लिए ऐतिहासिक योजनाएं लागू की हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भारत विश्व पटल पर नई ऊंचाइयों को छू रहा है। कहा कि भाजपा सरकार ने स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क, बिजली, कानून-व्यवस्था सहित हर क्षेत्र में ठोस काम किया है। कार्यकर्ताओं का दायित्व है कि वे इन उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाएं। कार्यशाला के दूसरे दिन जिलाध्यक्ष देवरिया भूपेंद्र सिंह, जिलाध्यक्ष अयोध्या संजीव सिंह, विधायक चंद्रभानु पासवान, महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव, विधानसभा पथरदेवा के मंडल पदाधिकारी तथा शक्ति केंद्र संयोजक मौजूद रहे।

प्रथम दिन क्षेत्रीय अध्यक्ष गोरखपुर सहजानंद राय ने एकात्म मानववाद विषय पर कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। दूसरे दिन प्रदेश कार्यसमिति सदस्य विजय बहादुर दूबे, प्रदेश महामंत्री अनूप गुप्ता, आईटी प्रदेश संयोजक अंकित सिंह चंदेल, प्रदेश महामंत्री संजय राय ने संबोधन दिया। आज रविवार को कार्यशाला का समापन होगा।

गैस प्लांट लगाने के नाम पर पूर्व सैनिक से 15.65 लाख की ठगी

रुपये वापस मांगने पर प्रबंध निदेशक ने दी जान से मारने की धमकी

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचारः नैचुरल सिटी गैस प्लांट लगाने के नाम पर एक भूतपूर्व सैनिक से लाखों रुपये हड़पने का मामला सामने आया है। आरोपी कंपनी का प्रबंध निदेशक बताया जा रहा है, जिसने पूर्व सैनिक से विभिन्न किस्तों में 15 लाख 65 हजार रुपये वसूल लिए और जब पीड़ित ने रुपये वापस मांगे तो उसे जान से मारने की धमकी दी।

पीड़ित की तहरीर पर चौक कोतवाली पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। चौक कोतवाली क्षेत्र के आवास विकास कॉलोनी, बरेली मोड़ निवासी रमेश कुमार भूतपूर्व सैनिक हैं। रमेश ने बताया कि उनकी पुश्तैनी जमीन गांव नगल हाजी में है।

मई 2024 के प्रथम सप्ताह में नैचुरल सिटी गैस के प्रबंध निदेशक अपूर्व मिश्रा निवासी गौतमबुद्ध नगर उनके घर आए थे। उन्होंने कहा कि उनकी जमीन

धमकी देकर चुप कराने का आरोप

रमेश कुमार के अनुसार, 11 मई 2025 को दोपहर लगभग तीन बजे आरोपी अपूर्व मिश्रा दो अन्य लोगों के साथ उनके घर पर आया। जब उन्होंने प्लांट शुरू करने और रुपये लौटाने की मांग की तो आरोपी ने न सिर्फ गाली-गलौज की, बल्कि जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित का आरोप है कि आरोपी ने सुनियोजित तरीके से उनसे लाखों रुपये हड़प लिए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए पूर्व सैनिक रमेश कुमार ने चौक कोतवाली में तहरीर दी।

पीड़ित ने लगाई गुहार

पूर्व सैनिक रमेश कुमार का कहना है कि उनकी जीवन भर की पूंजी इस गैस प्लांट लगाने के नाम पर हड़प ली गई है। अब वे ठगी के शिकार होकर आर्थिक और मानसिक दोनों तरह से परेशान हैं। उन्होंने प्रशासन से निष्पक्ष जांच और आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए ताकि इस तरह की घटनाओं पर विराम लगाया जा सके।

- गैस कंपनी के नाम पर आरोपी ने दिखाया सुनहरा सपना

पर गैस प्लांट लगाया जाएगा और वह खुद इसका संचालन कर सकेंगे।

सेना से रिटायरमेंट के बाद कोई कार्य न होने की वजह से रमेश ने यह प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। आरोप है कि इसके बाद आरोपी प्रबंध निदेशक ने औपचारिकताओं के नाम पर विभिन्न तिथियों में 15 लाख 65 हजार रुपये अपने और कंपनी के खाते में जमा करा लिए। इसके अलावा, भूमि पूजन व कार्यालय नोएडा में चक्कर काटने में करीब 2 लाख रुपये और खर्च हो गए। रमेश कुमार का कहना है कि रकम देने के बावजूद गैस प्लांट शुरू नहीं हुआ और न ही कोई औपचारिक कार्यवाही की गई।

हल्द्वानी में फर्जी आर्किटेक्ट ने ठगे 3.85 लाख

हल्द्वानी, अमृत विचार : आर्किटेक्ट बनकर नक्शा पास कराने का झांसा देकर ठग ने एक व्यक्ति से 3.85 लाख रुपये हड़प लिए। जब व्यक्ति का दो साल तक नक्शा पास नहीं हुआ तो इस ठगी का खुलासा हुआ। पीड़ित ने जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण के सचिव से शिकायत की है।

जीतपुर नेगी निवासी हरेंद्र सिंह नेगी ने बताया कि दुकानों के निर्माण के इस बाबत उन्हें एक व्यक्ति मिला। उसने खुद को आर्किटेक्ट बताया। नेगी ने नक्शा पास करने के लिए 30 अप्रैल 2023 को जरूरी दस्तावेज 1.56 लाख रुपये दिए।

पांच मई को 70 हजार, 10 मई को 55 हजार, 15 मई को 25 हजार, 25 मई को 10 हजार, 28 मई को 10 हजार, 21 जून को 10 हजार व 27 जून को 20 हजार, 28 जून को 10 हजार एवं ताला खोलने के नाम पर 10 हजार रुपये लिए। आरोपी ने एक नक्शा बनाकर भी दिया। दो साल 29 अगस्त को उन्हें पता चला कि उनके प्रकरण में 30 अगस्त को सुनवाई है व नक्शा स्वीकृत नहीं हुआ है।

शाहजहांपुदर में सूदखोर शैंकी से पूछताछ में कई राज उजागर

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- पुलिस को मिले अहम सुराग, सीडीआर से छह लोगों के नाम आए सामने
- आरोपी शैंकी ने सचिन को दो लाख और अन्य से दिलाए थे तीन लाख रुपये

अमृत विचारः रोजा थाना क्षेत्र के दुर्गा इन्कलेव में मासूम बेटे को जहर पिलाकर आत्महत्या करने वाले दंपती प्रकरण में पुलिस की जांच ने नया मोड़ ले लिया है। पुलिस हिरासत में लिए गए मुख्य आरोपी सूदखोर शैंकी आनंद ने पूछताछ में कई अहम खुलासे किए हैं। शैंकी ने स्वीकार किया है कि उसने सचिन ग्रोवर को स्वयं दो लाख रुपये दिए थे, जबकि अन्य लोगों से तीन लाख रुपये ब्याज पर दिलाए थे। वह लगातार सचिन से रुपयों की वसूली के लिए दबाव बना रहा था।

पुलिस सूत्रों के अनुसार शैंकी ने पूछताछ में यह भी बताया कि सचिन किन-किन लोगों के संपर्क में था। इन नामों पर पुलिस ने गहनता से जांच शुरू कर दी है। घटना की कड़ियों को जोड़ने में पुलिस को कई अहम सुराग मिले हैं। पुलिस ने मृतक सचिन और उसकी पत्नी शिवांगी के मोबाइल कब्जे में लेकर उनकी कॉल डिटेल रिपोर्ट (सीडीआर) खंगाली है। इसमें कटरा के एक आढ़ती समेत छह लोगों के नाम प्रकाश में आए हैं। इन सभी से पुलिस ने पूछताछ की है और उनके संभावित रोल की जांच की जा रही है। मुख्य आरोपी शैंकी आनंद को पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया था । जबकि आरोपी विक्की बग्गा और देवांग खन्ना फरार हैं। बताया जाता है कि दोनों किसी राजनीतिक संरक्षण में लखनऊ में छिपे हैं। पुलिस ने शनिवार शाम विक्की बग्गा के घर दबिश दी और उसकी मां व बहन से पूछताछ की, लेकिन कोई ठोस जानकारी हाथ नहीं लगी।

मृतका शिवांगी के मायके पर शनिवार को भाजपा महानगर अध्यक्ष शिल्पी गुप्ता और पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अजय यादव पहुंचे। उन्होंने परिजनों से घटना की जानकारी ली और आश्वासन दिया कि निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी। एसपी राजेश द्विवेदी ने बताया कि फरार आरोपियों की तलाश तेज कर दी गई है और रविवार को मामले का खुलासा होने की संभावना है।

थारू जनजाति के 371 समूह गठित मिलेगा फंड

लखनऊ, अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कहना है कि समाज के हर वर्ग को मुख्यधारा से जोड़ा जाएगा, चाहे वह वनवासी हों, वंचित वर्ग हो या विशेष जनजातियां, सभी को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आजीविका से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

थारू जनजाति को एक मॉडल के रूप में विकसित किया जाएगा। भविष्य में अन्य विशेष जनजातियों और वनवासी समुदायों को भी इसी पैटर्न पर सशक्त बनाया जाएगा। उक्त क्रम में ही, शासकीय अधिकारी ने शनिवार को बताया कि तीन जिलों में थारू जनजाति के कुल 371 समूह गठित किए गए हैं। प्रत्येक समूह को 30 हजार रुपये का रिवॉल्विंग फंड और 1.5 लाख रुपये का कम्युनिटी इंवेस्टमेंट फंड (सीआईएफ) दिया गया है। उन्होंने बताया कि थारू समुदाय को राष्ट्रीय एवं वैश्विक मंच देने के लिए लखीमपुर खीरी के पलिया ब्लॉक में थारू हस्तशिल्प कंपनी की स्थापना की गई है। यह कंपनी एफडीआरवीसी के सहयोग से स्थापित हुई है।

अखिलेश दुबे व भू-माफिया के मददगार चार इंस्पेक्टर और दो दरोगा सस्पेंड

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- फजलगंज व नवाबगंज थाने में तैनाती के दौरान इंस्पेक्टर आशीष कुमार पर साठ-गांठ का आरोप

अमृत विचारः ऑपरेशन महाकाल के तहत पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार ने पुलिस विभाग में बड़ी कार्रवाई की है। जेल भेजे गए भूमाफिया अधिवक्ता अखिलेश दुबे और उसके गैंग के मददगार चार इंस्पेक्टर और दो दरोगा को निलंबित कर दिया गया है। अखिलेश दुबे और उनके सिंडिकेट से जुड़े अन्य पुलिस कर्मियों के खिलाफ विभागीय जांच भी चालू है। पुलिस अधिकारियों से इसके भी संकेत मिले हैं कि जांच पूरी होने पर जल्द ही उनके खिलाफ भी कार्रवाई होगी।

ऑपरेशन महाकाल के दूसरे चरण में शिकायतों की जांच के बाद यह कार्रवाई की गई है। पनकी थाने से दो दिन पहले हटाए गए इंस्पेक्टर मानवेंद्र सिंह के खिलाफ शिकायत हुई थी कि थाने में तैनाती के दौरान उन्होंने भूमि विवाद मामलों में कार्रवाई नहीं की। अखिलेश दुबे और सहयोगियों से साठगांठ कर आरोपियों को लाभ पहुंचाया। साक्ष्य छिपाकर उच्च अधिकारियों को भी नहीं बताया गया। जांच में मानवेंद्र सिंह की भूमिका संदिग्ध मिलने पर कार्रवाई हुई है। दूसरी कार्रवाई फजलगंज व नवाबगंज थाने में तैनात रहे चर्चित इंस्पेक्टर आशीष कुमार द्विवेदी के खिलाफ हुई।

उन पर दोनों थानों में तैनाती के दौरान भू माफिया और अखिलेश दुबे, उसके गैंग से साठगांठ का आरोप है। अखिलेश के कारनामों में आशीष द्विवेदी की भूमिका पाई गई है। इसके अलावा ग्वालटोली थाना प्रभारी अमान पर भी अखिलेश दुबे व उसके साथियों को लाभ पहुंचने का आरोप लगा।

शिकायत के अनुसार अमान ने अखिलेश के करीबी लवी मिश्रा, लकी मिश्रा, सौरभ द्विवेदी, प्रशांत व 2-3 अन्य के खिलाफ दर्ज केस में लाभ पहुंचाया और अधिकारियों को बिना सूचना दिए बेल कमेंट कोर्ट में भेज दी। जिसे जानकर लापरवाही व अनुशासनहीनता माना गया। चौथी कार्रवाई बर्रा के तत्कालीन थानाध्यक्ष नीरज ओझा के खिलाफ हुई। तैनाती के दौरान नीरज की भूमाफिया और अपराधी अखिलेश दुबे से साठगांठ व पीड़ित रवि सतीजा पर दुष्कर्म का आरोप लगाने वाली महिला को उनकी पुत्रवधू बताकर झूठे साक्ष्य दिए गए। इसी क्रम में पांचवीं कार्रवाई दरोगा आदेश कुमार यादव के खिलाफ हुई। नौबस्ता के आवास विकास चौकी में तैनात रहे दरोगा ने चौकी क्षेत्र में कई कारनामे किए। जनता के साथ पुलिस से भी खराब व्यवहार रहा।

जिससे पुलिस की छवि धूमिल हुई। वहीं ग्वालटोली में तैनाती के दौरान दरोगा सनोज पटेल ने विवेचना के दौरान अखिलेश दुबे के सिंडिकेट को लाभ पहुंचाने के लिए लवी मिश्रा, लकी मिश्रा, सौरभ द्विवेदी, प्रशांत आदि के खिलाफ दर्ज मामले में लाभ पहुंचाया। जांच में यह बात सामने आने पर कार्रवाई हुई।

संभल हिंसा के जिम्मेदार सपा बसपा व कांग्रेसः राजभर

संवाददाता, सुलतानपुर

- राजभर ने सपा मुखिया अखिलेश यादव और पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव पर भी निशाना साधा

अमृत विचारः जिले के प्रभारी मंत्री/पंचायती राजमंत्री ओम प्रकाश राजभर शुक्रवार रात लोक निर्माण विभाग के गेस्ट हाउस में अधिकारियों के साथ जिले की कानून-व्यवस्था और विकास परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की।

उन्होंने ने डॉ. संजय निषाद के एनडीए गठबंधन से अलग होने वाले बयान पर प्रतिक्रिया दी। राजभर ने कहा कि संजय निषाद ने यह बयान सिर्फ टीवी के लिए दिया है और वह सरकार के समर्थन में हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि गठबंधन में कहीं कोई दिक्कत नहीं है और आल इज वेल है। संजय निषाद ने 27 अगस्त को गोरखपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि अगर बीजेपी को उनसे फायदा नहीं दिखता तो गठबंधन तोड़ा जा सकता है। इसके अलावा उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी अपने स्थानीय नेताओं से सहयोगी दलों पर हमले कराती है, जिससे रिश्ते बनाए रखना मुश्किल हो जाता है।

राजभर ने सपा मुखिया अखिलेश यादव और पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पहले वे कांग्रेस पर हमलावर थे, लेकिन अब उसी के साथ खड़े हैं। पीएम की मां पर की गई टिप्पणी और ईवीएम विवादों पर भी उन्होंने निंदा की।

संभल हिंसा की रिपोर्ट पर उन्होंने कहा कि हिंदुओं के पलायन के लिए सपा, बसपा और कांग्रेस जिम्मेदार हैं। वहीं योगी आदित्यनाथ सरकार की तारीफ करते हुए राजभर ने कहा कि आठ साल से ज्यादा के शासन में कहीं कोई दंगा नहीं हुआ।

संभल जा रहे विश्व हिंदू रक्षा परिषद के काफिले को पुलिस ने लखनऊ में रोका

लखनऊ में शनिवार को गोपाल राय के नेतृत्व में संभल बचाओ यात्रा निकालते विश्व हिंदू रक्षा परिषद के सदस्य। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- परिषद ने निकाली संभल बचाओ यात्रा

अमृत विचारः विश्व हिंदू रक्षा परिषद ने शनिवार को संभल बचाओ यात्रा निकाली, जिसमें 40 कारों का काफिला शामिल था।

यात्रा की शुरुआत शंखनाद से की गई और पदाधिकारियों को चंदन लगाकर भगवा गमछे पहनाए गए। यात्रा के दौरान पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर काफिले को रोक दिया। इससे पहले पुलिस ने विश्व हिंदू परिषद के मुख्यालय पर नोटिस चस्पा किया था, जिसमें कहा गया था कि त्योहारों के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखना आवश्यक है और सभी प्रस्तावित कार्यक्रमों को निरस्त किया जाए अन्यथा कानूनी कार्रवाई की जाएगी। परिषद के अध्यक्ष गोपाल राय ने इस नोटिस को नकारते हुए कहा कि कोई उन्हें संभल जाने से नहीं रोक सकता। उन्होंने बताया कि संभल हिंसा पर आई न्यायिक आयोग की रिपोर्ट के बाद हिंदू संगठनों में आक्रोश है। रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ कि संभल में आतंकी संगठनों का नेटवर्क लंबे समय से सक्रिय था और हिंदुओं को लगातार निशाना बनाया गया। पुलिस द्वारा यात्रा को रोके जाने के बाद गोपाल राय ने कहा कि जब माहौल शांत होगा, तब वे पीड़ितों से मिलने जाएंगे। उन्होंने पुलिस की सलाह का पालन करते हुए स्थिति को सही होने तक यात्रा को स्थगित करने की बात कही।

आठ मंदिरों में एक साथ फहराया जाएगा धर्म ध्वज

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : प्राण प्रतिष्ठा के तर्ज पर राम मंदिर में भव्य आयोजन की तैयारी है। इसमें राम मंदिर के 201 फीट ऊंचे शिखर पर लगे ध्वज दंड में धर्म ध्वज फहराया जाएगा। शेषावतार मंदिर और परकोटा के छह अन्य मंदिर के शिखर पर भी एक साथ ध्वज स्थापित होंगे। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार कर ली है।

तीन दिवसीय आयोजन के तहत प्रदेश के 24 से अधिक जिलों से अतिथियों की सूची तैयार की गई है। अक्टूबर माह में दीपोत्सव का आयोजन संपन्न होने के बाद अतिथियों को आमंत्रण पत्र भेजा जाएगा। राम मंदिर में 23 नवंबर से तीन दिवसीय ध्वज पूजन का कार्यक्रम प्रारंभ होगा। अयोध्या और काशी के वैदिक आचार्यों को इस आयोजन को संपन्न कराने की जिम्मेदारी होगी। मुख्य आयोजन 25 नवंबर को संपन्न किया जाएगा। इस दौरान राम रक्षा स्त्रोत सहित अन्य वैदिक मंत्रों का पारायण किया जाएगा। सभी मंदिरों पर वैदिक आचार्य की उपस्थिति में दोपहर 11:45 से 12:15 के बीच लगभग 30 मिनट के शुभ मुहूर्त पर धर्म ध्वज फहराया जाएगा।

आयोजन में शामिल होने के लिए ट्रस्ट के द्वारा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, संघ प्रमुख मोहन भागवत, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को आमंत्रित किया जाएगा।

सतर्कता | मुख्यमंत्री धामी ने की आपदा राहत एवं बचाव कार्यों की उच्चस्तरीय समीक्षा

किसी भी स्थिति से निपटने को मुस्तैद रहे आपदा प्रबंधन तंत्र

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य में अगले कुछ दिनों के लिए मौसम विभाग के अलर्ट को देखते हुए विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश देते हुए कहा है कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन तंत्र तैयार रहे।

प्रदेश के आपदा प्रभावित क्षेत्रों में चलाए जा रहे राहत व बचाव कार्यों की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने आपदा की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों एवं खतरे की संभावना वाले क्षेत्रों में जान-माल की सुरक्षा के लिए सभी एहतियाती कदम उठाने और आपदा प्रभावितों को तत्परता से हरसंभव मदद उपलब्ध कराने के निर्देश आला अधिकारियों को दिए। बैठक में उत्तराखंड आपदा परिचालन केंद्र से जुड़े शासन के उच्चाधिकारियों और सभी जिलों के जिलाधिकारियों से आपदा प्रभावित इलाकों की विस्तृत जानकारी लेते हुए उन्होंने कहा कि आपदा पर किसी का जोर नहीं है, लेकिन प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव टीमें तुरंत ग्राउंड जीरो पर पहुंच कर सराहनीय कार्य कर रही हैं।

शासन से बेझिझक सहयोग की मांग करें

मुख्यमंत्री ने राज्य के विभिन्न क्षेत्रों ने विगत दिनों में घटित आपदा में क्षति की जानकारी ली। उन्होंने जिलाधिकारियों को स्पष्ट कहा कि राहत व बचाव कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए शासन स्तर से अपेक्षित किसी भी प्रकार के सहयोग की बेझिझक मांग करें। सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास को निर्देश दिए कि आपदा राहत एवं बचाव कार्यों के लिए जनपदों से की जाने वाली मांग पर तुरंत कार्रवाई करते हुए आवश्यक धनराशि जारी कर दें।

सभी विभाग निरंतर इसी तरह की तत्परता एवं बेहतर समन्वय के साथ प्रभावितों की मदद में जुटे रहें। उत्तरकाशी के स्यानाचट्टी क्षेत्र की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मलबे (आरबीएम) के कारण वहां नदी के जलस्तर में वृद्धि हुई है। नदी के प्रवाह को बनाए रखने के लिए निकाले गए मलबे को नदी किनारे से हटाकर अन्यत्र कहीं सुरक्षित स्थान में डंप किया जाए ताकि बारिश होने पर यह मलबा पुनः नदी में जाकर अवरोध न पैदा कर सके। सीएम ने कहा कि बारिश कम होने के बाद चारधाम यात्रियों की संख्या बढ़ेगी। त्योहारों के मौसम को देखते हुए सड़कों के सुधार एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने पर विशेष ध्यान दें।

उत्तराखंड के बागेश्वर जिले के पौसारी गांव में बादल फटने के बाद प्रभावित क्षेत्र में बचाव अभियान में जुटे एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के जवान।

ऊर्जा निगमों में आठ कार्मिक सेवानिवृत्त पेंशन पत्र सौंपे गए

लखनऊ, अमृत विचारः उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन व उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन में शनिवार को आठ कार्मिक सेवानिवृत्त हो गए। शक्ति भवन में आयोजित कार्यक्रम में पावर कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक पंकज कुमार ने इन कर्मियों को पेंशन प्रपत्र सौंपे।

सेवानिवृत होने वाले कार्मिकों में दो मुख्य अभियंता जमुना प्रसाद विमल व विकास गुप्ता, अधीक्षण अभियंता मुनेंद्र कुमार, अनुभाग अधिकारी राम बहादुर यादव, लेखाकार पूनम कपूर व प्रतिलिपिकर गिरीश चंद्र जोशी, अनुसेवक मन्नालाल वाल्मीकि व राम मनोहर शामिल हैं। कार्यक्रम में कॉरपोरेशन के निदेशक कार्मिक प्रबंधन एवं प्रशासन डॉ जान मथाई समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

न्यूज ब्रीफ

एसडीएम ने नदी किनारे अतिक्रमण हटवाया

नवाबगंज, अमृत विचार : कस्बे से निकली पनधैली नदी पर किए जा रहे अतिक्रमण को एसडीएम उदित पवार ने मौके पर पहुंचकर ढहाने के निर्देश दिये। इसके बाद जेसीबी से शनिवार को तहसील प्रशासन ने नदी के बहाव को बदले जाने के लिए किए गए अतिक्रमण को ढहा दिया है।

युवक की हत्या में तीन को आजीवन कारावास

बरेली, अमृत विचार : बिशारतगंज में दो वर्ष पूर्व हुए नन्हे हत्याकांड में आरोपी गब्बर उर्फ वीरेंद्र, शिवकुमार और वीरेंद्र को स्पेशल जज फास्ट ट्रैक कोर्ट राघवेंद्र मणि ने सश्रम आजीवन कारावास व प्रत्येक पर 32-32 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनायी।

भाजपा नेता पर किया फायर, दी धमकी

नवाबगंज अमृत विचार : थाना हाफिजगंज के एक दबंग ने क्षेत्र के गांव सतुइया कला के भाजपा बूथ अध्यक्ष रंजीत सिंह पर तमंचे से फायर झोंक दिया, जिसमें वह बाल बाल बच गया। दबंग ने फोन कर समझौता न लिखने पर जान से मारने की धमकी दी है। रंजीत ने पुलिस को तहरीर दी है।

बीच बाजार पत्नी पर चाकू से किया हमला, हालत गंभीर, आरोपी फरार

मारपीट कर घर से निकाल दिया था, डेढ़ साल से मायके में रह रही थी पत्नी

संवाददाता, फरीदपुर

अमृत विचारः चाची के साथ बाजार से खरीदारी करने गई महिला को उसके पति ने बीच बाजार चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले के बाद जान बचाने को चीखती हुई भाग रही महिला को मरणासन्न अवस्था में पति छोड़कर भाग गया। बीच बाजार में इस वारदात के बाद भगदड़ मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल महिला को सीएचसी भेजा वहां से उसे बरेली रेफर कर दिया गया है। महिला की हालत गंभीर बनी है।

घायल सायरीन

मोहल्ला फर्रखपुर तकिया निवासी आबिद ने बताया कि उनकी भतीजी सायरीन की शादी तीन साल पहले मोहल्ला फर्रखपुर के नूरी मस्जिद के पास रहने वाले राजा के साथ की थी। राजा मीट का कारोबार करता है। राजा आए दिन सायरीन से मारपीट करता था। लेकिन वह सहती रही। सास अकीला ने भी दोपहर में कई बाद पीटा और एक दिन घर से निकलवा दिया। लगभग डेढ़ साल से सायरीन मायके में रह रही थी।

शनिवार को सायरीन दोपहर 3 बजे अपनी चाची के साथ बाजार खरीदारी करके वापस लौट रही थी। तभी कानून गोयान चौराहे पर आते ही उसका पति राजा अपनी दुकान से (कसाई) छुरी लाया और सायरीन पर ताबड़तोड़ कई वार कर दिए चीखती चिल्लाती जान बचाकर भाग रही सायरीन पर राजा ने सर और गर्दन के अलावा शरीर पर कई वार किये, जिससे वह खून से लथपथ होकर सड़क पर ही गिर गई। बाजार में सभी लोग यह दृश्य देखते रहे। इस दौरान सायरीन को मरणासन्न अवस्था में छोड़कर पति भाग गया।

घटना के बाद जानकारी देते महिला के चाचा आबिद। ● अमृत विचार

● बाजार से लौटते समय कानून गोयान के पास किया हमला

परिजनों ने बताया उसका पति दहेज व मोटरसाइकिल की मांग करने को लेकर मारता पिता था जिससे परेशान होकर उनकी भतीजी अपने मायके रहने लगी थी। शनिवार को पति ने घटना में जानलेवा हमला करते हुए घटना को अंजाम दिया है। आबिद की तहरीर पर राजा व उसकी मां के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर राजा की तलाश शुरू कर दी है।

नाबालिगों ने बनाया चुटिया गैंग, तलाश

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : इलाके के चार किशोरों ने अवैध असलाह हाथ में लेकर फोटो खींचकर चुटिया गैंग बताकर सोशल मीडिया पर पोस्ट वायरल की है। इस बाबत पुलिस जांच कर रही है। इलाके के एक गांव के चार किशोरों ने फिल्मी अंदाज में अवैध असलाह लेकर डाकुओं वाली वेशभूषा बनाकर दहशत फैलाने के लिए सोशल मीडिया पर फोटो वायरल किए है। उन्होंने अपने गैंग को चुटिया गैंग का नाम दिया है। कुछ ग्रामीणों ने बताया इनका आतंक है। खेतों पर रखवाली करने वाले लोगों को सताते भी है।

मीरगंज में कैंसर से मौत

मीरगंज फिरोजपुर में कैंसर से 25 सालों में अब तक 38 ग्रामीणों की मौत हो चुकी है। शनिवार को कैंसर से फिरोजपुर के करीम सलमानी (42) की मौत हो गई। उन्हें लीवर कैंसर था। करीम का बरेली से दिल्ली तक इलाज कराया लेकिन कैंसर से जिंदगी की जंग हार गया। गांव में सरकारी हैंडपंप हैं। मुस्तफा हुसैन ने बताया कि प्रशासन पानी की जांच नहीं करा रहा है।

बहाने से किशोरी को कैफे ले गया युवक, मुकदमा

कैफे के पास मौजूद लोगों की भीड़। ● अमृत विचार

संवाददाता, बहेड़ी

अमृत विचर : तहसील क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली किशोरी को उसके ही गांव का रहने वाला एक मुस्लिम युवक घर छोड़ने के बहाने रास्ते में नशीला पदार्थ खिलाकर कैफे पर ले गया, जहां किशोरी ने खुद को अस्त-व्यस्त पाया। किशोरी के भाई की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

शिकायती पत्र के अनुसार किशोरी दिनांक 29 अगस्त को दोपहर में नगर के महादेवपुरम में कोचिंग पढ़ने आई थी। वापसी में वह सवारी के इंतजार में खड़ी थी, तभी गांव निवासी शादाब ने किशोरी को घर छोड़ने की बात कही। गांव निवासी पर विश्वास करना उसे भारी पड़ गया। रास्ते में पिलाई कोल्डड्रिंक से वह बेहोश हो गई। युवक उसे कैफे ले गया। जब होश आया तो उसने अपने आप को अस्त-व्यस्त अवस्था में कैफे पर पाया। किशोरी ने परिजन को सूचना दी। वह भी मौके पर पहुंचे।

जानकारी मिलने पर हिंदू संगठनों के देवेंद्र भास्कर ,रविंद्र प्रताप सिंह,रजत पंडित, शानू गंगवार,भूपेन्द्र गंगवार उर्फ अंशु, राजकमल सिंह भी थाने पहुंच कर कैफे बंद करने की मांग की, कोतवाल संजय तोमर के नेतृत्व में पुलिस कैफे संचालक को थाने ले आई, और उक्त विपक्षी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है ।

ध्यान नहीं दिया तो बढ़ सकते मलेरिया के मरीज

संवाददाता, बिशारतगंज

अमृत विचार : ब्लॉक क्षेत्र के नोहरा हसनपुर गांव में मलेरिया के रोगी मिलने की सूचना पर मुख्य विकास अधिकारी देवयानी और मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. विश्राम सिंह ने गांव में साफ सफाई का निरीक्षण एवं मच्छरदानी वितरण की। शनिवार को गांव पहुंची सीडीओ ने सीडीपीओ मुकुद मिश्रा को निर्देशित किया कि वह आशा और आंगनबाड़ी से घर-घर जाकर संपर्क कराएं और किसी को मलेरिया की शिकायत पर इलाज मुहैया कराएं।

सीडीओ ने ग्रामीणों को गांव में साफ सफाई रखना बुखार आने पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मझगवां जाकर जांच कराकर दवा लेने की सलाह दी और गांव में घूम कर साफ सफाई का जायजा लेने के बाद ग्रामीणों से आसपास साफ-सफाई रखने की बात कही। इस दौरान हर परिवार को एक एक मच्छरदानी वितरित की। सीडीओ ने कहा की

गांव में सफाई कार्य का जायजा लेते विधायक डा. राघवेन्द्र शर्मा, सीडीओ देवयानी।

● मलेरियाग्रस्त क्षेत्र में सीडीओ सीएमओ ने किया दौरा मच्छरदानी वितरित की

नोहरा हसनपुर गांव में पिछले आठ माह में करीब 50 केस मिले हैं यदि ध्यान नहीं दिया गया तो 15 सितंबर तक केस बढ़ सकते हैं इसलिए मच्छरदानी वितरण कार्यक्रम रखा गया है। सीडीओ ने गांव में 500 मीटर के रास्ते को बनवाने के लिए बीडीओ को निर्देश दिए।

बिथरी विधायक डॉ राघवेंद्र शर्मा ने कहा कि किसी प्रकार की बीमारी होने पर अस्पताल जाएं झोलाछाप का सहारा न लें क्योंकि वह बिना जांच के दवा देते हैं।

ब्लॉक प्रमुख यशवंत सिंह ने कहा कि ज्यादा से ज्यादा सरकारी सेवाओं का लाभ लें जांच कराकर दवा लें। कार्यक्रम के दौरान प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सुशील कुमार गुप्ता, ग्राम प्रधान पुष्प लता वर्मा, नीरज वर्मा, लक्ष्मण प्रसाद, सर्वेश लोधी, बृजपाल सागर, राम बहादुर सहित ब्लाक के अफसर मौजूद रहे।

दोस्ती तोड़ी तो प्रशिक्षु ने महिला डॉक्टर को पीटा

संवाददाता, भोजीपुरा

अमृत विचारः महिला प्रशिक्षु डाक्टर ने पुरुष प्रशिक्षु डाक्टर से दोस्ती क्या तोड़ी वह जान का दुश्मन बन गया। गाजियाबाद मेडिकल कालेज से आकर प्रशिक्षु महिला डाक्टर को पीटा और मोबाइल भी छीनकर ले गया। पीड़िता की तहरीर भोजीपुरा पुलिस ने आरोपी प्रशिक्षु डाक्टर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

भोजीपुरा में कॉलेज से पीजी कर रही प्रशिक्षु महिला डाक्टर ने तहरीर में बताया है कि गाजियाबाद से एमबीबीएस करने के दौरान उसकी एक वर्ष सीनियर प्रशिक्षु डाक्टर कोमल शर्मा से उसकी दोस्ती हो गई। एमबीबीएस करने के बाद वह भोजीपुरा मेडिकल कॉलेज में गायनी में पीजी कर रही है और प्रशिक्षु डाक्टर गाजियाबाद में सर्जरी में पीजी कर रहा है। प्रशिक्षु डाक्टर से विचारों में मतभेद के कारण महिला डाक्टर ने दोस्ती का रिश्ता तोड़ लिया लेकिन वह फोन करके बार बार मिलने की जिद करता था। उसका नंबर ब्लाक कर दिया तो वह 19 जुलाई को बरेली आया। यहां महिला प्रशिक्षु डाक्टर ने संबध रखने से इंकार कर दिया तो वह बौखला गया और महिला डाक्टर की पिटाई कर दी।

महिला डाक्टर का आरोप है कि डा. कोमल शर्मा उन्हें जान से मारने की धमकी दे रहा और निजी जानकारी को सार्वजनिक करने की धमकी दे रहा। दिल्ली स्थित उसके आवास जाकर भाई को जान से मारने की धमकी दी है। इससे पढ़ाई में मन नहीं लग रहा है और उसे और उनके परिवार को जान माल का खतरा बना है। प्रभारी निरीक्षक प्रवीन सोलंकी ने बताया कि प्रशिक्षु महिला डाक्टर की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

सांसद आए तो अध्यक्ष, ईओ नदारद

संवाददाता, फरीदपुर

अमृत विचार : नगर पालिका परिषद फरीदपुर में 13 माह बाद बुलाई गई बोर्ड की बैठक में सपा सांसद नीरज मौर्य पहुंच गये लेकिन नगर पालिका परिषद अध्यक्ष ,अधिशासी अधिकारी एवं सफाई निरीक्षक अनुपस्थित रहे। काफी देर इंतजार के बाद बैठक को अग्रिम आदेश तक स्थगित कर दिया गया है।

सपा सांसद नीरज मौर्य ने प्रेस वार्ता में बताया उनको जानकारी मिली की बोर्ड की बैठक 13 माह बाद बुलाई गई है उसके बावजूद भी पालिका के सभी जिम्मेदार अपनी सीट से गायब मिले और सभी ने कोई ना कोई बहाना बनाते हुए खुद को बचाते हुए किनारा कर लिया। 20 में से मात्र 15 सभासद बैठक में शामिल होने पहुंचे। सांसद का कहना था यदि तय तिथि पर किन्ही कारण से पालिका अधिकारी उपस्थित नहीं थे तो इसकी जानकारी पहले दी जानी थी।

बोर्ड बैठक में सपा सांसद और सभासद की रही मौजूदगी। ● अमृत विचार

● 13 माह बाद बुलाई गई थी बोर्ड की बैठक, स्थगित

उन्होंने कहा कि पालिका अफसरों का यह रवैया क्षेत्र के विकास के प्रति उदासीन सोच को प्रदर्शित करने वाला प्रतीत हुआ है।

पालिका अध्यक्ष के सपा का होने के बाद भी सपा सांसद की मौजूदगी में बैठक में नहीं होने के उत्तर में बताया कि हो सकता है कि सपा के होने के बाद भी वह किसी की गोद में बैठ गये हो। यदि ऐसा नहीं करेंगे तो सत्ता का टारगेट बने रहेंगे। बोर्ड की बैठक में शामिल होने सभासद सदस्य देवेंद्र सिंह टोनी, रानी यादव राजेश कुमार मामा मोहम्मद ताज फरहत ने दुर्विजय सिंह मोहम्मद अजीज मियां अमरपाल रणजीत सिंह चौहान तबस्सुम संजीव यादव गुलनाज बेगम आदि मौजूद रहे।

सर्राफ से लूट का 25 हजार का इनामी गिरफ्तार

संवाददाता, देवरनियां

अमृत विचारः डेढ़ माह पूर्व हुई सर्राफा से लूट कांड में फरार चल रहे 25 हजार के इनामी बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा है। इस मामले में एनकांउटर में दो बदमाशों को पुलिस पहले ही जेल भेज चुकी है।

गिरफ्तार अशोक

देवरनियां थाना प्रभारी आशुतोष द्विवेदी ने बताया कि गत 15जुलाई को धौराटांडा निवासी सर्राफा विनोद कुमार रस्तोगी से बाइक सवार लुटेरों द्वारा एक मोबाइल तथा बैग में रखे पुरानी चांदी व पुराना सोना तथा करीब 35 हजार रुपये लूटे गये थे, इस घटना की रिपोर्ट देवरनियां कोतवाली में दर्ज हुई थी। इस लूटकांड में एक आरोपी करन कोर्ट हाजिर होकर जेल जा चुका है। फरार चल रहे चौथे लुटेरा हाल निवासी धौरेरा माफी आशुतोषसिटी थाना इज्जतनगर निवासी अशोक को भी देवरनियां पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बदमाश की निशानदेही पर सर्राफा से लूटा गया मोबाइल भी बरामद कर लिया है। गिरफ्तार करने वाली टीम में थाना प्रभारी के अलावा एसएसआई नवदीप कुमार, एसआई विजय तेवतिया, कांस्टेबल विट्टू सिंह, राजन शामिल रहे।

● डेढ माह पूर्व हुई थी सर्राफ से लूट,दो को जेल भेज चुकी है पुलिस

ट्रक चालक की मौत पर परिजनों ने किया हंगामा

संवाददाता, बरेली/सीबीगंज

अमृत विचार : बिलासपुर-रामपुर रोड पर भोट थाना क्षेत्र में ट्रक और डंपर में हुई टक्कर में ट्रक चालक की मौत के बाद परिजनों ने ग्रामीणों के साथ शव लेकर सीबीगंज थाना क्षेत्र के परसाखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र स्थित कोकाकोला फैक्ट्री पहुंचे। वहां गेट पर शव रखकर जमकर हंगामा काटा। परिजन मृतक के एक बच्चे को नौकरी और आर्थिक मदद देने की मांग पर अड़े रहे। करीब तीन घंटे तक चले हंगामे के बाद फैक्ट्री प्रबंधन ने कंपनी के नियमों के मुताबिक हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। इसके बाद मृतक के परिवार वाले शव लेकर अंतिम संस्कार को गए।

मृतक अमित

हरदोई के शाहबाद के थाना क्षेत्र के पचदेवर के गांव अनुआ के मूल रूप से निवासी अमित कुमार शर्मा (33) पिछले बीस वर्षों से सीबीगंज के गांव नदोसी में किराए के मकान में रह रहे थे। पिछले आठ वर्षों से परसाखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र के रोड नंबर चार स्थित वृंदावन बेवरेज फैक्ट्री (कोकाकोला) में चालक के पद पर कार्यरत थे। वह शुक्रवार की रात में फैक्ट्री के किच्छा डिपो से माल लोडकर मुरादाबाद जा रहे थे। रात में करीब डेढ़ बजे रामपुर बिलासपुर रोड भोट थाने के पास डंपर ने ट्रक में टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौत हो गई। शव का पोस्टमार्टम होने के बाद परिजन शव लेकर परसाखेड़ा स्थित फैक्ट्री पहुंचे। वहां पर जमकर हंगामा काटा।

फैक्ट्री के बाहर हंगामा करते परिजन। ● अमृत विचार

मृतक की पत्नी पूजा शर्मा के मुताबिक फैक्ट्री प्रबंधन उनके पति से तीन दिन से लगातार रात दिन ट्रक चलवा रहा था। इसके चलते यह घटना हुई है। पत्नी ने

> कंपनी मृतक ड्राइवर के परिवार को हुई क्षति के प्रति गहरी संवेदनाएं रखती है। इस दुख की घड़ी में उसके परिवार के साथ कंपनी पूरी तरह से खड़ी है। कंपनी से जितने विधिक उपचार और सहायता का वह हकदार है, उसे कंपनी पूरा करेगी।
> **अम्बरीष द्विवेदी**, मैनेजर, कोका कोला (वृंदावन बेवरेज)

कहा उनकी दो बेटी गुनगुन (5) और ख़ुशी (3) हैं। उन्होंने एक बेटी के नौकरी और परिवार के पालन पोषण के लिए 15 लाख रुपये की आर्थिक मदद की मांग की। हंगामे की सूचना पर सीबीगंज थाना पुलिस फोर्स के साथ पहुंची। आक्रोशित लोगों को समझा बुझाकर शांत करने की कोशिश की। बाद में फैक्टी प्रबंधन व मृतक के परिजनों के बीच वार्ता कराई। प्रबंधन ने फैक्ट्री के नियमों के मुताबिक हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। इसके बाद लोग शांत हो गए और धरना प्रदर्शन समाप्त कर दिया।

बिजली गिरने से बाल-बाल बचा परिवार

भुता, अमृत विचार : दो दिन लगातार हो रही बारिश से शनिवार सुबह जोरदार धमाके के साथ आकाशीय बिजली गिरने से दो मकानो के लोग बाल बाल बच गये। मकान का छज्जा क्षतिग्रस्त हो गया। दीवारों में दरारें पड़ गईं तथा बिजली के उपकरण फुंक गये।

पीड़ित किसान भूपराम गंगवार के बेटे बृजेश गंगवार ने बताया कि सुबह बारिश के चलते परिवार के सभी सदस्य घर में बैठे थे कि अचानक एक जोरदार धमाका होने के साथ आकाशीय बिजली गिरने से मकान का एक तरफ का छज्जा टूट कर गिर गया और दीवारों में चटकन आ गई। इनवर्टर और बैटरा फट गया। पड़ोस में गोकरन गंगवार के मकान में भी धमाके से दीवारों में चटकन तथा बिजली के सभी उपकरण फुंक गये है। परिवार के लोग बाल बाल बच गये।

रोड चौड़ीकरण को हटेगा अतिक्रमण

संवाददाता, देवरनियां

अमृत विचार : रिछा रेलवे क्रासिंग पर लगने वाले जाम से निजात के लिए रेलवे, पीडब्ल्यूडी और उपसा की संयुक्त टीम ने सर्वे किया और प्रस्ताव तैयार कर लिया है। सर्वे रिपोर्ट में ओवरब्रिज और रोड चौड़ीकरण के लिए दो प्रस्ताव तैयार किए गये हैं। टीम ने सर्वे रिपोर्ट में कहा है कि सड़क चौड़ीकरण में अवैध कब्जों को हटाना पड़ेगा। ओवरब्रिज निर्माण में 25 करोड़ की लागत आने की बात अफसरों ने बताई है।

संयुक्त टीम ने अंडरपास बनाने की संभावना को पूरी तरह खारिज कर दिया है। इसकी वजह पानी भरना बताई गई है। पीडब्ल्यूडी ने जाम की समस्या के निजात के लिए क्रासिंग की चौड़ाई को बढ़ाने का सुझाव दिया है। टीम द्वारा ओवरब्रिज का लेआउट भी तैयार किया गया है। इसके अलावा संबंधित विभाग द्वारा अवैध क़ब्ज़ा हटाने को भी रिपोर्ट में शामिल किया गया है। रेलवे फाटक चौड़ीकरण की भी संभावना जताई गई है। इसके लिए टीम ने बताया कि क्रांसिग चौड़ीकरण का प्रस्ताव आगे बढ़ता है तो अवैध क़ब्ज़ा हटाकर रोड चौड़ा किया जाएगा और बीच में स्थाई बैरिकेड भी बनवाए जाएंगे। इसके साथ ही सिंगल बैरियर को डबल बैरियर किया जाएगा।

ओवरब्रिज और रोड चौड़ीकरण के लिए सर्वे करती संयुक्त टीम। ● अमृत विचार

बरेली-नैनीताल हाइवे से सटी रिछा रेलवे क्रासिंग पर जाम की समस्या को लेकर समय- समय पर रिछा राइस मिलर इसी क्रम में शनिवार को रेलवे, पीडब्ल्यूडी, उपसा की टीम ने सर्वे किया। टीम में एनईआर के जेपी भारती, अमित जौहरी, मौजूद रहे।

हर्षोल्लास से मनाई राधाष्टमी

नवाबगंज। नगर में शनिवार को राधाष्टमी की धूम रही और गणेश चतुर्थी महोत्सव का आयोजन भी हुआ।

नगर के राधा -कृष्ण मन्दिर मन्दिर में विशेष सजावट कर राधा - रानी को छप्पन भोग लगाया गया। देर रात तक भजन संध्या में भजन गायिका रेनू अग्रवाल, गुरु पाण्डेय व पारुल द्विवेदी द्वारा मनोहारी भजन प्रस्तुत किए गए ।

जिला पंचायत बारात घर मे चल रहे गणेश चतुर्थी महोत्सव में भी गजानन पूजन व छप्पन भोग के बाद गणेश जी की महा आरती हुई। आयोजन में पूर्व सभासद गोविन्द मिश्रा , प्रिन्स गुप्ता, अंकित गुप्ता, निखिल , रजत, अर्जुन, आलोक , शोभित राजीव राठौर आदि रहे।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा मकान स्थित ग्राम डोहरिया बरेली क्षेत्रफल 230 वर्ग गज जिसका दस्तावेज 136 दिनांक 7.01.2005 है। जिसका मूल दस्तावेज कहीं खो गया है। काफी तलाशने के बाद अभी तक नहीं मिला। **दुर्गेश कुमारी (दुर्वेश) पत्नी सत्यदेव सिंह निवासी ग्राम डोहरिया जिला बरेली (उ.प्र.)**

सूचना

मैने अपनी पुत्री नीलम देवी को उसके दुर्व्यवहार एवं गलत आचरण के कारण उन्हें अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य कोई सरोकार नहीं होगा। **ईश्वरवाती पत्नी स्व, राम किशन निवासी दिलावरपुर थाना घुंघचाई तहसील पूरनपुर पीलीभीत**

सूचना

हमारा बैनामा दिनांक 23.12.2003 जिसका जिल्द नं. 3218 पेज नं. 47 से 60 सीरियल नं. 8920 जोकि मय फोटोकॉपी के वास्ते 28.08.2025 को कचहरी जाते समय कहीं रास्ते में गिर गया। जिसका प्रयोग अवैध होगा। किसी को प्राप्त हुआ हो तो नीचे दिए गए नम्बर पर सम्पर्क करें। उचित ईनाम दिया जायेगा। **कुसुम गुप्ता पत्नी सुक्खनलाल गुप्ता पता:- ए1 प्रताप इन्क्लेव कालोनी विसरात रोड, शाहजहांपुर मो. 9453483894**

सूचना

मैं दिव्या रजनी पुत्री श्री परषोत्तम कुमार रजनी निवासी 87, सिंधु नगर जिला बरेली। मेरे पासपोर्टस सं0- H2372332 में मेरा नाम DIVYA RAJWANI व जन्मतिथि 08.01.1998 दर्ज है जो गलत है व मेरे हाईस्कूल अंकतालिका व आधार कार्ड सं0 3844 7200 3680 में मेरा नाम DIVYA RAJANI व जन्मतिथि 08.01.1995 दर्ज है जो सही है। मेरा सही नाम DIVYA RAJANI व जन्मतिथि 08.01.1995 है जिसे संसोधित किया जाये। मेरे पासपोर्ट में भी मेरे पिता का नाम PARSOTTAM KUMAR RAJWANI व माता का नाम MADHU RAJWANI दर्ज है जो गलत है, मेरे पिता का सही नाम PARSHOTTAM KUMAR RAJANI व माता का नाम MADHU RAJANI जिसे संसोधित करने की कृपा करें।

सूचना

मुझे दिनांक 30.08.2025 से पहले सन्तोष सिंह Santosh Singh पुत्र श्री मंगल सिंह Mangal Singh के नाम से जाना जाता था। लेकिन 30.08.2025 के बाद से मुझे सन्तोख सिंह Santokh Singh पुत्र श्री मंगल सिंह Mangal Singh जो कि मेरे आधार कार्ड नं. 402344685710 में अंकित है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **सन्तोख सिंह पुत्र श्री मंगल सिंह नि. ग्राम केसरपुर तह. अमरिया, पीलीभीत**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

सोशल मीडिया की उपयोगिता के साथ बढ़ती चुनौतियां

बहुत पुरानी बात नहीं है, लगभग ढाई-तीन दशक पहले डाक के माध्यम से संदेश पहुंचाने का चलन था। हालांकि, सुख-दुख, जन्म-मृत्यु जैसी तात्कालिक सूचनाएं पहुंचाने के लिए डाक विभाग में तार यानी टेलीग्राम की व्यवस्था तो थी, पर जनसाधारण के लिए किफ़ायती नहीं थी। समय बदला, 80 के दशक में मोबाइल फोन की लोकप्रियता ने संदेश संप्रेषण में क्रांति ला दी। जहां बहन-बेटियों के कुशल क्षेम जानने के लिए पत्र एकमात्र विकल्प था, आज माता-पिता अपनी बेटियों से देश ही नहीं विश्व के किसी भी कोने से संचार माध्यमों से न केवल बातें करने में सक्षम हैं, बल्कि वीडियो कॉलिंग के जरिए रू-ब-रू संपर्क में भी रहते हैं। आज इंटरनेट, कंप्यूटर, स्मार्टफोन तथा संचार प्रौद्योगिकी से जुड़े तरह-तरह के गैजेट्स हमारे रोजमर्रा जीवन का हिस्सा बन गए हैं। गूगल, ई-मेल, व्हाट्सऐप, ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम, जैसे तमाम संचार माध्यम हमारे दैनिक जीवन का एक हिस्सा हो गए हैं। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में क्रांतिकारी परिवर्तनों के चलते न केवल स्वजनों से नियमित संपर्क बना रहता है, बल्कि देश-विदेश की ताज़ा खबरें, नए उत्पादों की जानकारी, स्वास्थ्य समस्याओं के निदान एवं उपचार, नवीन प्रौद्योगिकियों के आविष्कार, व्यापारिक हलचल, मौसम की संभावित करवट, प्राकृतिक आपदाओं के पूर्वानुमान, जैसे विविध विषयों पर नित नई जानकारी उंगली के मात्र स्पर्श से पलक झपकते उपलब्ध है।

डॉ. कृष्णा नंद पांडेय
वरिष्ठ विज्ञान लेखक

आज औसत परिवार के लगभग सभी वयस्क सदस्यों के पास मोबाइल फ़ोन का निजी हैंडसेट है। मोबाइल फ़ोन का शायद ही कोई उपभोक्ता व्हाट्सऐप, फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर, यूट्यूब, टिकटॉक, स्नैपचैट, जैसे किसी न किसी एक सोशल मीडिया नेटवर्क से जुड़ा नहीं हो। वांछित विषयों पर जागरूकता फैलाने में सोशल मीडिया की उपयोगिता से इंकार नहीं किया जा सकता, परंतु वर्तमान दौर में विश्व की एक बहुत बड़ी आबादी द्वारा सोशल मीडिया नेटवर्क का उपयोग एक व्यसन की हद तक हावी हो गया है। क्या बच्चे, किशोर, वयस्क, क्या प्रौढ़, वृद्ध, सभी आयु वर्ग की महिलाओं और पुरुषों द्वारा सोशल मीडिया नेटवर्क का इस हद तक उपयोग स्वास्थ्य, सामाजिक एवं आर्थिक दृष्टिकोण से एक गंभीर चिंता का विषय बन गया है। अपने आसपास एक वर्ष की आयु के शिशु द्वारा मोबाइल फ़ोन देख कर दूध पीने अथवा आहार ग्रहण करने के अनेक उदाहरण मिल जाएंगे। एक से 10-12 वर्षीय बच्चे मोबाइल फ़ोन के बिना खाना नहीं खाते, यहां तक कि दैनिक निवृत्ति कर्म भी उसकी अनुपस्थिति में पूरा नहीं होता। यह स्थिति कमोवेश सभी आय वर्ग के परिवारों में व्याप्त हो गई है।

ऑनलाइन मनी गेमिंग का कुचक्र

ऑनलाइन गेमिंग और मनी गेमिंग की लत से युवाओं खास कर विद्यार्थियों की पढ़ाई और उनके कैरियर पर गंभीर प्रभाव देखने को मिलने लग गए हैं। इसके मकड़जाल से केवल युवा वर्ग ही नहीं प्रौढ़ और बुज़ुर्ग लोग भी नहीं बच पाए हैं। मनोरंजन और कौशल विकास वाले गेम जहां लाभदायक होते हैं, वहीं पैसा लगाकर जुआ स्वरूप ऑनलाइन गेम्स न केवल आर्थिक बल्कि शारीरिक एवं मानसिक समस्याओं का कारण बन गए हैं। एक अनुमान के मुताबिक भारत में वर्ष 2023 में ऑनलाइन गेमिंग के माध्यम से 23 हजार करोड़ रुपए का वारा-न्यारा हुआ था। सरकार द्वारा ऑनलाइन मनी गेमिंग पर कानून नहीं बनाया जाता तो अनुमानतः वर्ष 2027 तक यह आंकड़ा 27 हजार करोड़ रुपए को पार कर जाता। हालांकि, ऑनलाइन गेमिंग से भारत सरकार को जीएसटी के रूप में एक अच्छी खासी कमाई हो रही थी, परंतु युवाओं के आर्थिक और मानसिक कल्याण के हित में भारत सरकार के इस प्रशंसनीय कदम के दूरगामी लाभकारी परिणाम मिलेंगे। भारतीय नागरिकों खासकर बेरोज़गार युवकों और विद्यार्थियों को ऑनलाइन गेमिंग की लत से बचाने के लिए बिल पारित करने से पहले ही काफी नुकसान हो चुका है। आज भारत में लगभग 1900 गेमिंग कंपनियां हैं, जिनमें बड़ी संख्या में गेम विकसित करने वाले तथा उसे आउटसोर्स करने वाले, स्टूडियो में कार्यरत उच्च शिक्षित नौजवान सम्मिलित हैं। अनुमानतः 2 लाख से अधिक लोग ऑनलाइन गेमिंग प्रणाली से सीधे जुड़े हुए हैं। उनमें गेमिंग ऐप्स के लेखक, डिज़ाइनर, एनिमेटर और निर्माण कार्य से जुड़े लोग शामिल हैं। फेडरेशन ऑफ़ इंडियन चैंबर्स ऑफ़ कॉमर्स ऐंड इंडस्ट्री यानी फिक्की के अनुसार वर्ष 2024 में 155 मिलियन से अधिक भारतीयों ने पैसा लगाकर गेम खेलने यानी ऑनलाइन मनी गेमिंग ऐप्स की लॉगिंग की थी। जिनमें 110 मिलियन लोग तो प्रतिदिन पैसा लगाकर ऑनलाइन गेम खेलते थे। एक दावे के अनुसार केवल ड्रीम11 गेमिंग ऐप के 220 मिलियन सब्सक्राइबर्स हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार भारतीय लोग ऑनलाइन मनी गेमिंग से प्रतिवर्ष कुल मिलाकर 20 हजार करोड़ रुपए गंवाते हैं। इस गेमिंग से आर्थिक नुकसान ही नहीं होता बल्कि बड़ी संख्या में लोग आत्महत्या करने को विवश हो जाते हैं। इस लत के दुखद परिणाम आने लग गए हैं। जहां विगत पांच वर्षों में इसकी लत के चलते बाहरी तमिलनाडु के 47 व्यक्तियों ने आत्महत्या की, वहीं विगत दो वर्षों में कर्नाटक से 32 लोगों ने ऑनलाइन गेमिंग से हुई आर्थिक हानि के कारण आत्महत्या करने को मजबूर हुए।

ऑनलाइन गेमिंग पर कानून का कड़ाई से अनुपालन आवश्यक

भारत सरकार द्वारा इस कानून के माध्यम से सिर्फ ऑनलाइन मनी गेमिंग पर प्रतिबंध ही नहीं लगाया गया, बल्कि चोरी छुपे इस कृत्य पर कड़ी निगरानी रखने पर भी जोर दिया गया है। इस कानून से जहां सुरक्षित और पारदर्शी गेमिंग प्रक्रिया को प्रोत्साहन मिलेगा वहीं हानिकारक और जुए रूपी ऑनलाइन मनी गेमिंग पर रोक लगाना एक भविष्यप्रभावी कदम साबित होगा। परंतु इस कानून का कड़ाई से अनुपालन हो, उस पर निगरानी रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। वरना बेल्जियम और चीन जैसे देशों जैसा हस्र सामने आएगा, जहां ऑनलाइन गेमिंग प्रक्रिया को प्रतिबंधित करने से वांछित परिणाम नहीं मिले हैं।

साइबर क्राइम : एक ज्वलंत समस्या

साइबर अपराधी सोशल नेटवर्किंग साइट, ईमेल, नकली सॉफ्टवेयर, जैसे प्लेटफॉर्म को तैयार कर सामान्य लोगों को ठगी का शिकार बनाते हैं। आधुनिक टेक्नोलॉजी में नवीन प्रगति के परिणामस्वरूप आज के साइबर अपराधी सशक्त और साइबर अपराध जटिल होते जा रहे हैं। साइबर अपराधी संदिग्ध ईमेल, दोषपूर्ण फाइल, एप्लीकेशन के माध्यम से अपना शिकार तलाशते तथा साइबर इंजीनियरिंग का सहारा लेकर व्यक्ति की पसंदीदा गतिविधियों से संबंधित जानकारी हासिल करते हैं। किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर वित्तीय कर्ज लेना, नौकरी से संबंधित जालसाजी करना साइबर अपराध का ही हिस्सा हैं। साइबर ग्रूमिंग के अंतर्गत अपराधी यौन उत्पीड़न अथवा शोषण करने के लिए बच्चों का विश्वास प्राप्त करने के उद्देश्य से सोशल मीडिया अथवा मैसेजिंग के माध्यम से बच्चों के साथ भावनात्मक संबंध स्थापित करता है। वह साइबर अपराधी जाली अकाउंट के माध्यम से अपने चिन्हित शिकार जैसा ही व्यवहार करता है अथवा उसके जैसे ही शौक की अभिव्यक्ति कर गेमिंग वेबसाइट, सोशल मीडिया, ईमेल, चैट रूम, इंस्टेंट मैसेजिंग, इत्यादि का प्रयोग कर सकता है। सोशल मीडिया में क्रांति के इस दौर में विशेषतया बुजुर्गों और छोटे-बड़े व्यापारियों को वित्तीय साइबर क्राइम की गिरफ्त.में आने का खतरा बहुत अधिक बढ़ गया है। साइबर अपराधियों द्वारा डिजिटल अरेस्ट के माध्यम से पीड़ित व्यक्ति के खाते से एक-एक पैसा निकाल लेने की घटनाएं आए दिन देखने को मिलती हैं। वित्तीय साइबर क्राइम और हनी ट्रैप का शिकार होने से बचने के लिए जनसामान्य में जागरूकता अभियान को फैलाने की आवश्यकता है। हालांकि, भारत सरकार की विभिन्न एजेंसियों द्वारा इसके विरुद्ध अनेक जागरूकता कार्यक्रमों का संचालन किया जाता है, पर इसकी चपेट में आने वाले व्यक्तियों द्वारा इसका अनुपालन नहीं करना एक मुख्य कारण होता है। किसी भी वेबसाइट के एग्जीक्यूटिव के भी प्रकार की जानकारी अथवा करना अपने पैर पर स्वयं कुल्हाड़ी अनजान व्यक्ति अथवा संदिग्ध साथ अपने खाते से संबंधित किसी छल से पूछे गए ओटीपी को साझा मारने जैसा होता है। साइबर क्राइम का शिकार होने पर भारत सरकार के नेशनल साइबर क्राईम रिर्पोटिंग पोर्टल तथा समीप स्थित पुलिस स्टेशन पर तत्काल शिकायत दर्ज कराना सहायक हो सकता है।

सोशल मीडिया पर लुभावने विज्ञापन की भरमार

आज सोशल मीडिया पर नीम हकीम, अशिक्षित और कम पढ़े लिखे लोगों द्वारा भ्रामक विज्ञापनों की भरमार है। त्वचा निखार के भ्रामक एवं लुभावने विज्ञापनों के अनुसरण में बड़ी संख्या में महिलाएं ठगी का शिकार बन रही हैं। जर्नल ऑफ स्किन ऐंड स्टेम सेल के मार्च, 2024 अंक में त्वचा निखार के संबंध में सोशल मीडिया के प्रभावों पर एक रिपोर्ट प्रकाशित की गई है। जो गूगल स्कॉलर, साइंस डायरेक्ट, पब मेड और स्कोपस जैसे सर्च इंजन में वासउपलब्ध समीक्षा साहित्य के विश्लेषण पर आधारित है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर त्वचा सौंदर्य हेतु प्रयुक्त उत्पादों यानी कॉस्मेटिक्स पर उपलब्ध दावों का विश्लेषण किया गया। आमतौर पर इस प्रकार की भ्रामक सिफारिशें करने वाले व्यक्ति प्रमाणित चिकित्सक अथवा विशेषज्ञों नहीं थे। परंतु सोशल मीडिया पर त्वचा संबंधी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए अपने लाखों फॉलोअर्स को प्रभावित करते पाए गए। इसके अतिरिक्त वे बहुधा आर्थिक लाभ के लिए गैर प्रमाणित निम्न स्तर के उद्योगों द्वारा निर्मित कॉस्मेटिक्स की सिफ़ारिश करते हैं। इस आचरण से किशोरवय आबादी पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है। उनके द्वारा स्किन केयर के लिए सप्लीमेंट्स के सेवन करने, त्वचा संबंधी विकारों का स्वयं इलाज करने, आहार में अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों को शामिल करने जैसे तमाम उपायों को अपनाने की सिफ़ारिश की जाती है, जो सर्वथा भ्रामक और गैर प्रमाणित होती हैं। सोशल मीडिया पर परोसी जाने वाली गलत सूचना का विभिन्न स्वास्थ्य सुविधाओं एवं त्वचा रोग विशेषज्ञों की आय पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। लोगों को भ्रामक विज्ञापनों की सत्यता से रू-ब-रू कराने के लिए त्वचाविज्ञान अथवा कॉस्मेटिक्स क्षेत्रों के विशेषज्ञों को सामने आना पड़ेगा। इसी तरह सभी क्षेत्रों में ऐसी कार्रवाई अपेक्षित है।

EY इंडिया (ब्रिटेन की कंपनी 'अन्स्र्ट ऐण्ड यंग ग्लोबल लिमिटेड' नामक एक कंपनी) की एक ताज़ा (28 मार्च 2025) रिपोर्ट के अनुसार भारत में लगभग 1.2 बिलियन लोग स्मार्टफ़ोन तथा 950 मिलियन लोग इंटरनेट का प्रयोग करते हैं। किफ़ायती स्मार्टफ़ोन और इंटरनेट की उपलब्धता से देश में स्मार्टफ़ोन की लत में बेतहाशा वृद्धि हुई है। इस ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार भारतीय हर रोज़ औसतन 5 घंटा सोशल मीडिया, गेमिंग और वीडियो देखने में बिताते हैं। किफ़ायती इंटरनेट और स्मार्टफोन की उपलब्धता में भारत का मीडिया और मनोरंजन उद्योग टेलीविजन से कहीं आगे बढ़ गया है। एक भारतीय अपने फ़ोन प्रयोग करने की दैनिक औसतन 5 घंटे की अवधि का लगभग 70 प्रतिशत समय सोशल मीडिया, वीडियो और गेमिंग प्लेटफॉर्म पर बिताता है। इस रिपोर्ट के अनुसार मोबाइल स्क्रीन देखने की दैनिक अवधि विश्व में इंडोनेशिया और ब्राज़ील के बाद भारत तीसरे नंबर पर खड़ा हो गया है। एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन, बस अड्डा, अस्पताल, मेट्रो रेल जैसे सार्वजनिक स्थानों पर नज़र डालने पर 10 में लगभग 8 व्यक्ति की नज़रें मोबाइल पर टिकी दिखाई देती हैं। यह स्थिति मोबाइल की लत लगना प्रदर्शित करती है। आय और बाज़ार में हिस्सेदारी के संदर्भ में डिजिटल मीडिया के मौजूदा उपयोग के सामने टेलीविज़न, प्रिंट और रेडियो जैसे पारंपरिक मीडिया का उपयोग बहुत पीछे हो गया है। मोबाइल फ़ोन पर सोशल मीडिया के किसी भी प्लेटफार्म पर विज्ञापनों का दायरा निरंतर बढ़ता जा रहा है। या यूं कहें विज्ञापनों के क्षेत्र में इतनी प्रभावी क्रांति अतीत के किसी भी मीडिया के प्रयोग के दौरान देखने को नहीं मिली थी। सोशल मीडिया के किसी भी कंटेंट के बीच विभिन्न एजेंसियों के विज्ञापनों को न चाहते हुए भी देखना ही पड़ेगा।

सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव

शारीरिक प्रभाव

- नींद नहीं आना।
- गर्दन और स्पाइन में पीड़ा।
- शारीरिक निष्क्रियता से हृदय रोग, मधुमेह, हाई ब्लड प्रेशर, कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों का खतरा बढ़ता।
- प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर होना।
- आउटडोर गतिविधियों में भाग लेने से कटना।

मानसिक प्रभाव

- तनाव और अवसाद।
- स्मृति ह्रास यानी भूलने की आदत।
- एकाग्रता में गिरावट।
- आत्म सम्मान में कमी।
- अकेलेपन अथवा समाज से बहिष्कृत होने का एहसास होना।
- वास्तविक जीवन की तुलना में ऑनलाइन जीवन को श्रेष्ठ मानना।
- एक्सट्रीम स्थिति में आत्मघाती विचार की गिरफ्त में आना।

सामाजिक प्रभाव

- समुदाय के लोगों के साथ आक्रामक आचरण।
- विद्यार्थियों को साइबर बुलीइंग से पीड़ित होने का खतरा।
- सामाजिक प्रतिष्ठा की प्रबल इच्छा।
- किसी व्यक्ति, धर्म, समूह की आलोचना के पश्चात उपेक्षित होना।
- भ्रामक, अश्लील कंटेंट पोस्ट करने के पश्चात पारिवारिक प्रतिष्ठा धूमिल होना अथवा कानूनी गिरफ्त में आना।
- मनी गेमिंग की लत में परिवार, मित्रों संबंधियों से झूठ बोलकर पैसा लेना अथवा उनके यहां चोरी करना क्या नहीं आया नहीं।
- सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक अनुष्ठानों में भाग नहीं लेना
- दूसरों की प्रगति से ईर्ष्या करना।
- प्रभावित व्यक्ति की उत्पादकता में गिरावट।

सोशल साइट्स पर विज्ञापनों की गिरफ्त

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर ऐसे कई जाने-माने गेमिंग ऐप्स उपलब्ध हैं जिनका प्रचार-प्रसार भारत के जाने-माने अभिनेताओं और राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के विख्यात खिलाड़ियों द्वारा किया जाता है। क्योंकि अधिकांश किशोरवय इन तथाकथित महापुरुषों को अपना आदर्श मानते हैं, जिनके अनुसरण में उनका ऐसे गेमिंग ऐप्स से बच पाना लगभग नामुमकिन हो गया है। बच्चे ही नहीं, भारत के करोड़ों वयस्क इन गेमिंग ऐप्स की लत से न केवल भारी संपत्ति से हाथ धो बैठे हैं, बल्कि आत्महत्या करने को भी विवश हो गए हैं। घर-परिवार और समाज में बदनामी के अलावा देश की उत्पादकता पर भी प्रतिकूल प्रभाव देखने को मिलते हैं। भारत में बड़ी संख्या में लोग ऑनलाइन मनी गेमिंग की लत का शिकार हो चुके हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार लगभग 45 करोड़ लोग इस लत के दुष्परिणामों से पीड़ित हैं, जो लगभग 20 हजार करोड़ रुपए की आर्थिक क्षति का बोझ उठाते हैं। दिनांक 21 अगस्त, 2025 को भारतीय संसद में मनी गेमिंग ऐप्स प्रयोग के विरुद्ध बिल पारित होने के बाद कानून बन गया है, इसके अंतर्गत ऑनलाइन मनी गेमिंग की पेशकश करने पर 3 साल की कैद या एक करोड़ रुपए तक का जुर्माना लगेगा। इसके सफल कार्यान्वयन से भविष्य में वांछित परिणाम अवश्य मिलेंगे। इस कानून के अनुपालन में भारत में ई-स्पोर्ट्स और ऑनलाइन सोशल गेमिंग को बढ़ावा मिलेगा। वर्तमान में ऑस्ट्रेलिया में बच्चों द्वारा सोशल मीडिया का प्रयोग कानूनन प्रतिबंधित है। इस कानून के अंतर्गत 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे-फेसबुक, इंस्टाग्राम, टिकटॉक और स्नैपचैट, आदि का इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं है। ऑस्ट्रेलिया सरकार ने यह फैसला बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया है। इसका उद्देश्य सोशल मीडिया के नकारात्मक प्रभाव से बच्चों को बचाना है। इस कानून के तहत सोशल मीडिया कंपनियों को एडवांस्ड टेक्नोलॉजी के माध्यम से आयु वेरिफिकेशन करना होगा, इसका उल्लंघन करने पर उनके खिलाफ कड़ी कार्यवाही का प्रावधान है। भारत सरकार द्वारा गेमिंग ऐप्स को प्रतिबंधित करने का निर्णय स्वागत योग्य है, परंतु बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए ऑस्ट्रेलिया जैसा कदम उठाने की भी आवश्यकता है।

गूगल समाचार की अविश्वसनीयता

गूगल समाचार पर गौर करें तो नित नए भ्रामक कंटेंट्स पोस्ट किए जाते हैं। आठवें वेतन आयोग के संबंध में ताज़ा उदाहरण है। वेतन आयोग और भारत सरकार के नाम से नए वेतन ढांचे, फिटमेंट फैक्टर, ग्रेड पे आदि से संबंधित जानकारियां उपलब्ध हैं। जबकि वास्तविकता है कि अभी तक आठवें वेतन आयोग से संबंधित अध्यक्ष एवं संबद्ध कर्मचारियों की नियुक्ति तक नहीं हुई है। कई बार फिल्मों से जुड़े सुप्रसिद्ध अभिनेताओं की मृत्यु का झूठा समाचार उनके शवों के चित्र के साथ दिया जाता है। इस तरह ऐसे भ्रामक समाचारों की उपलब्धता गूगल समाचारों की विश्वसनीयता पर एक बड़ा प्रश्न चिन्ह लगना स्वाभाविक है। गूगल पर कंटेंट पोस्ट करने से पहले तथ्यों की न केवल प्रमाणिकता स्थापित की जानी चाहिए बल्कि संलिप्त व्यक्तियों पर विधिक कार्यवाही की जानी चाहिए।

साइबर अपराध से बचाव

साइबर अपराधियों के चंगुल में आने से बचने के लिए खासकर बुज़ुर्गों और बच्चों को अनजान व्यक्तियों की फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार नहीं करना चाहिए। बच्चों खासकर टीनएजर्स को ऐसे अनजान लोगों से बात नहीं करने के प्रति सजग बनाने की ज़रूरत है जो उनसे अश्लील फोटो, वीडियो, शारीरिक और यौन अनुभवों को साझा करने का प्रयास करें। माता-पिता द्वारा अपने बच्चों में आत्मविश्वास को सुदृढ़ करने को प्रेरित करना चाहिए जिससे वे साइबर ग्रूमिंग के संदिग्ध अपराधी के संबंध में जानकारी साझा करने में संकोच नहीं करें। किसी भी साइबर अपराधी द्वारा ऑनलाइन गेमिंग के लिए प्रेषित लिंक को क्लिक नहीं किया जाए और न ही ऑनलाइन मनी गेमिंग वेबसाइट से किसी गेम को इंस्टाल नहीं किया जाए। स्मार्टफोन में ईमेल हैक होने की स्थिति में अपने सभी कॉन्टैक्ट्स को सूचित किया जाना चाहिए, तथा ईमेल सेवा प्रदान करने वाली संस्था से तत्काल संपर्क कर अपने ईमेल को अस्थाई रूप से ब्लॉक करने का अनुरोध किया जाए। आमतौर पर हमारा मोबाइल नंबर हमारे बैंक अकाउंट से जुड़ा होता है। साइबर अपराधी बैंक कर्मी बन कोई लिंक भेजकर अकाउंट अपडेट करने के दौरान ओटीपी मांग कर आपके अकाउंट का एक-एक पैसा निकाल सकता है। इसी तरह का फ्रॉड मोबाइल का सिम अपडेट करने के नाम से भी किया जाता है। किसी भी हालत में बैंक अथवा क्रेडिट/डेबिट कार्ड का ब्यौरा जैसे कि अकाउंट पासवर्ड, कार्ड नंबर, सीवीवी, वैधता समाप्ति की तारीख, पिन, ओटीपी, इत्यादि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ साझा नहीं किया जाए। साइबर अपराधी आपके सोशल मीडिया अथवा ईमेल का फेक अकाउंट बनाकर किसी भी व्यक्ति अथवा शासन-प्रशासन को अवांछित, अशोभनीय जानकारी भेज सकते हैं। सोशल मीडिया और ईमेल अकाउंट के मुश्किल पासवर्ड को समय-समय पर बदलते रहना चाहिए। जाली और संदिग्ध संदेशों को भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट से फॉरवर्ड करने से बचना चाहिए। सोशल मीडिया हमारे जीवन को सुगम और सहज बनाने का एक उत्कृष्ट साधन है, पर असावधानी में शारीरिक एवं मानसिक पीड़ादायक के साथ-साथ जानलेवा भी साबित हो सकता है।

सरकार द्वारा मोबाइल फ़ोन पर पैसे लगाकर गेम खेलने की प्रक्रिया को कानूनन प्रतिबंधित करने का बिल स्वागत योग्य है। ऑनलाइन मनी गेमिंग को प्रतिबंधित करने पर सरकार के इस कानून से स्पष्ट संकेत मिलता है कि भविष्य में भारत में तकनीक के उपयोग में निरंतर वृद्धि तो होगी परंतु युवाओं के स्वास्थ्य, उनकी शिक्षा, तथा समाज के हित पर किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जा सकता। अब समाज के नागरिकों खासकर युवा वर्ग को अपने शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए दिन-ब-दिन बढ़ते स्क्रीन टाइम पर अंकुश लगाने का कड़ा निर्णय लेना होगा। डिजिटल डिटॉक्स के लिए व्यक्ति को स्वनिर्मित कानून का कड़ाई से पालन करना होगा।

बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता आवश्यक

स्कूल में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान करना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि पांच में से एक बच्चे में निदान योग्य भावनात्मक, व्यवहारिक या मानसिक स्वास्थ्य विकार है और 10 में से एक युवा में मानसिक स्वास्थ्य चुनौती पाई जाती हैं। 10-15 वर्ष के 10 में से एक से अधिक बच्चों का कहना है कि उनके पास बात करने के लिए कोई नहीं है या अगर वे चिंतित या उदास महसूस करते हैं तो स्कूल में किसी से बात नहीं कर पाते हैं। शोध से पता चलता है कि 50 प्रतिशत मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं 14 वर्ष की आयु तक तथा 75 प्रतिशत मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं 24 वर्ष की आयु तक शुरू हो जाती हैं। भारत में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान (निम्हांस) के एक अध्ययन में पाया गया है कि भारत में 23 प्रतिशत स्कूली बच्चे मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से ग्रस्त हैं, जिनमें से अधिकांश बच्चों को मानसिक विकारों के लिए उचित इलाज नहीं मिल पाता।

स्कूली शिक्षा का उम्र 6 से 14 वर्ष होता है, जो विकास के दृष्टिकोण से भी अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। इस अवस्था में बच्चों का शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, सांवेगिक, संज्ञानात्मक व शैक्षिक विकास तेजी से होता है। इस उम्र के विकास में शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है, यदि बच्चा शारीरिक या मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं होता तो उसका अन्य क्षेत्रों का विकास भी सही गति, समय और मात्रा में नहीं होता है क्योंकि विकास के सभी आयाम (शारीरिक, मानसिक, सांवेगिक, सामाजिक, शैक्षिक, व्यवसायिक, पारिवारिक, आर्थिक, भाषा, राजनैतिक, धार्मिक, आध्यात्मिक एवं अन्य) एक दूसरे से जुड़े होते हैं, एक आयाम का विकास अच्छा होगा तो यह अन्य आयामों के विकास को बढ़ावा देता है और यदि एक आयाम का विकास किसी भी कारण से बाधित होता है तो यह अन्य आयामों के विकास में भी रुकावट डालता है। इसे एक उदाहरण से आसानी से समझा जा सकता है जैसे-एक बच्चे का शारीरिक विकास ठीक से नहीं होने पर वह शारीरिक रूप से कमजोर होगा और वह हमउम्र बच्चों के साथ खेलने नहीं जाता है या कम जाता है या जाने पर हार जाता है या और बच्चों से पीछे रह जाता है तो वह हमउम्र बच्चों के बीच जाना बंद कर देता है, इससे उसका भाषा विकास ठीक से नहीं हो पाता क्योंकि भाषा एक अर्जित गुण है जिसमें हमउम्र लोगों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। वह हमेशा पीछे रह जाने/हार जाने के कारण दुखी होगा, उसका आत्मविश्वास निम्न स्तर का होगा अर्थात उसका सांवेगिक विकास अच्छा नहीं होगा। ऐसे बच्चे स्कूल में अनुपस्थित अधिक होते हैं और जब स्कूल जाते भी हैं तो नकारात्मक संवेग के कारण वे ठीक से सीखने में सक्षम नहीं होते। शिक्षा का संचालन भाषा में होता है और इन बच्चों का भाषा विकास निम्न स्तर का होने के कारण तथ्यों को इन्हें समझने में कठिनाई होती है, इसलिए उनका शैक्षिक विकास भी ठीक से नहीं हो पाता है, शैक्षिक विकास ठीक से ना होने से व्यक्ति को अच्छी नौकरी भी नहीं मिलती या अच्छा व्यवसाय भी स्थापित करने में कठिनाई होती है। अच्छी शिक्षा व व्यवसाय न होने पर उसके उसे अच्छे जीवनसाथी मिलने की संभावना कम होती है जिससे उसका पारिवारिक विकास भी ठीक से नहीं होता। अच्छी नौकरी या व्यवसाय न होने से व्यक्ति का आर्थिक विकास अच्छा नहीं होता तथा व्यक्ति सामाजिक गतिविधियों में भी सहभागिता ठीक से नहीं कर पाता जिससे उसका सामाजिक विकास भी प्रभावित होता है।

डॉ मनोज कुमार तिवारी
बीएचयू, वाराणसी

समस्याओं को व्यक्त करने में सक्षम

स्कूल जाने की उम्र में बच्चे शारीरिक समस्याओं को अभिव्यक्त करने में तो सक्षम होते हैं किंतु अपने मानसिक व मनोवैज्ञानिक समस्याओं को समझने व उसे दूसरों को समझाने में कठिनाई महसूस करते हैं। इस उम्र के बच्चों में चिंता, उदासी, निराशा, कुंठा, अलग होने का भय, असफल होने का अत्यधिक भय, परीक्षा का अधिक तनाव, दूसरों से प्रशंसा पाने की तीव्र इच्छा, परीक्षा में असफल होने की दुश्चिंता, सोशल मीडिया के प्रति अत्यधिक लगाव, इलेक्ट्रॉनिक सुविधाओं (स्मार्टफोन, लैपटॉप, टेलीविजन...) की अधिक चाहत जैसे व्यावहारिक, मनोवैज्ञानिक एवं मानसिक समस्याएं देखने को मिलती हैं। एक छात्र का केवल शारीरिक रूप से ही स्वस्थ रहना ही आवश्यक नहीं है अपितु उसे सांवेगिक रूप से भी स्वस्थ होना उसके विकास के लिए अत्यंत आवश्यक होता है एक छात्र में अपनी संवेदनाओं को व्यक्त करने की क्षमता, सीखने की क्षमता, लोगों के साथ तार्किक संबंध स्थापित करने की क्षमता तथा उम्र एवं वरिष्ठता के अनुसार लोगों के साथ अंत: क्रिया करने की योग्यता का विकास होना आवश्यक है। छात्रों को अपने संवेगों पर नियंत्रण रखना सीखना अत्यंत आवश्यक है, तभी वे अपनी क्षमताओं का सही उपयोग करने में सक्षम होंगे उन्हें दूसरों के संवेदनाओं के प्रति उचित ढंग से प्रतिक्रिया करना भी सीखना आवश्यक होता है। विद्यालय जाने वाली उम्र में बच्चों का मानसिक रूप से स्वस्थ होना शारीरिक रूप से स्वस्थ होने से कहीं अधिक महत्वपूर्ण होता है। बच्चे स्वस्थ रहेंगे तभी अपनी क्षमताओं का प्रयोग करने में सक्षम होंगे, दिन प्रतिदिन के तनाव का सामना करने में सक्षम होंगे, नई एवं विषम परिस्थितियों में प्रभावी समायोजन करने में सफल होंगे तथा समाज में अपनी सही योगदान कर सकेंगे।

मानसिक स्वास्थ्य का शिक्षा पर प्रभाव

छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य का उनके शैक्षिक विकास पर सीधा एवं गंभीर प्रभाव पड़ता है। शोधों में यह स्पष्ट हुआ है कि मानसिक समस्याओं से ग्रस्त बच्चे सीखने में गंभीर कठिनाइयों का सामना करते हैं। मानसिक समस्याओं के पीछे नकारात्मक संवेगों-भय, क्रोध, घृणा, आत्मविश्वास में कमी, असहाय महसूस करना, विश्वास की कमी इत्यादि की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और यह सर्वविदित है कि जब बच्चे नकारात्मक संवेग में होते हैं तो वे अपनी संज्ञानात्मक क्षमताओं जैसे-अधिगम, स्मृति, चिंतन, समस्या समाधान की क्षमता और प्रत्यक्षीकरण आदि का उपयोग करने में सक्षम नहीं होते हैं। जब व्यक्ति क्रोध में होता है तो अपने पर नियंत्रण खो देता है और अपना या अपनों का ही हानि कर देता है। भय में विस्मरण की गति तीव्र हो जाती है।

शिक्षा का मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव

शिक्षा की गुणवत्ता का सीधा प्रभाव छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। स्कूल के वातावरण, अनुशासन, शिक्षकों का छात्रों के प्रति व्यवहार, शिक्षकों का व्यक्तित्व, सहपाठियों का आपस में संबंध, वरिष्ठ एवं कनिष्ठ के साथ छात्रों का आपस में व्यवहार, शिक्षक की शिक्षण शैली, शिक्षक की भाषा शैली एवं विद्यालय कर्मियों का व्यवहार भी छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है।

स्वस्थ छात्र के लक्षण

- विवेकशील चिंतन की क्षमता।
- समस्या समाधान की क्षमता।
- सृजनात्मक कौशल।
- नए एवं उपयोगी संप्रत्यय को सीखने में सफल होंगे।
- शिक्षा के लक्ष्यों को हासिल करने में सफल होंगे।
- नई एवं विषम स्थितियों में भी प्रभावशाली समायोजन।
- धनात्मक संवेगों को बनाए रखने की क्षमता।
- नकारात्मक संवेगों पर नियंत्रण रखने में सफल होंगे।

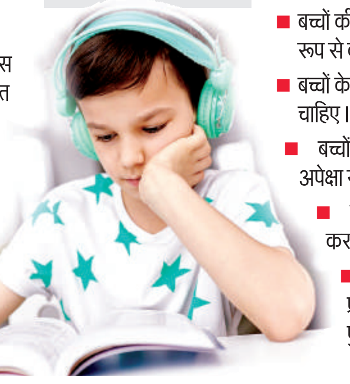

मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन के लिए प्रयास

छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन के लिए विद्यालय में निम्नलिखित प्रयास किए जाने आवश्यक है।

- स्कूल का वातावरण- भौतिक सामाजिक व मनोवैज्ञानिक सहयोगात्मक एवं सौहार्दपूर्ण होना चाहिए।
- शिक्षण योजना का निर्माण छात्रों के रूचि, योग्यता एवं आवश्यकता के अनुरूप करना चाहिए।
- शिक्षण विधि का चुनाव छात्रों के उम्र, परिपक्वता एवं विषयवस्तु के अनुरूप करना चाहिए।
- पाठ्यक्रम का चुनाव करते समय छात्रों की योग्यता का विशेष ध्यान रखना चाहिए।
- स्कूल में मनोरंजन की संतुलित एवं समुचित व्यवस्था होनी चाहिए जैसे-खेलकूद, गायन-वादन, नृत्य, संगीत, बागवानी, श्रमदान, एनसीसी, एनएसएस, स्काउट गाइड का भी समय-समय पर आयोजन किया जाना चाहिए।
- शिक्षकों का व्यवहार सौहार्दपूर्ण, सहयोगात्मक एवं आदर्श होना चाहिए।
- शिक्षक एवं विद्यालय प्रबंधन को छात्रों की समस्या को ध्यान से सुनना एवं सहानुभूतिपूर्वक समाधान करने का प्रयास करना चाहिए।
- छात्रों के आत्मविश्वास को बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए इसके लिए उन्हें उनके योग्यता के अनुरूप चुनौतीपूर्ण कार्यों को करने का अवसर देना चाहिए जब वे ऐसे कार्यों को पूरा करने में सक्षम होंगे तो उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा तथा वे अपने जीवन के कठिन एवं चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का भी सामना करने में स्वयं से सक्षम होंगे।
- शिक्षकों को छात्रों की सभी समस्याओं को हल नहीं करना चाहिए अपितु उन्हें समस्या हल की प्रक्रिया को सीखने में सहयोग प्रदान करना चाहिए ताकि भविष्य में वे अपनी समस्याओं का स्वयं से समाधान करने में सक्षम हो सके।
- विद्यालयों का अनुशासन संतुलित एवं तर्कसंगत होना चाहिए, बहुत सख्त अनुशासन छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए चुनौती है।
- शिक्षकों को सभी छात्रों से एक समान अपेक्षा नहीं करनी चाहिए क्योंकि हर छात्र एक दूसरे से भिन्न होता है उनकी क्षमताएं अलग अलग होती है, अनावश्यक रूप से दूसरों से तुलना उनके लिए मानसिक समस्या उत्पन्न कर सकता है।
- पुनर्बलन एवं अभिप्रेरणा का उपयोग समुचित रूप से बिना भेदभाव के करना चाहिए।
- स्वस्थ प्रतियोगिता का वातावरण बनाने का प्रयास करना चाहिए तथा बच्चों में सहयोग की भावना के विकास के लिए भी पर्याप्त प्रयास करते रहना चाहिए।
- छात्रों को शुरू से ही परीक्षा की तैयारी करने के लिए प्रेरित करना चाहिए उन्हें परीक्षा को एक अवसर के रूप में लेने के लिए प्रेरित करना चाहिए न कि बाधा के रूप में।
- दण्ड का उपयोग करने से यथासंभव बचना चाहिए अपेक्षित व्यवहारों को बढ़ाने तथा अनपेक्षित व्यवहारों में कमी लाने के लिए नकारात्मक पुनर्बलन का उपयोग आसानी से किया जा सकता है।

माता-पिता की भूमिका

बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य में उनके माता-पिता की अहम भूमिका होती है। घर का वातावरण, माता-पिता का आपस में संबंध तथा उनका बच्चों के प्रति व्यवहार, परिवार के सदस्यों का बच्चों के प्रति व्यवहार, भाई बहनों का आपस में संबंध, मनोरंजन के साधनों की उपलब्धता, आस-पड़ोस का वातावरण, बच्चों के व्यवहार व मानसिक स्वास्थ्य को व्यापक रूप से प्रभावित करता है। अभिभावकों को बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन के लिए निम्न उपाय करने चाहिए :

- तार्किक अनुशासन रखना चाहिए।
- बच्चों की आवश्यकताओं की संतुष्टि समुचित रूप से करना चाहिए।
- बच्चों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय व्यतीत करना चाहिए।
- बच्चों से उनकी योग्यता/क्षमता से अधिक अपेक्षा नहीं करना चाहिए।
- बच्चों को उनके क्षमता के अनुरूप कार्य करने का अवसर प्रदान करना चाहिए
- बच्चों को उनके अच्छे कार्यों एवं प्रयासों के लिए शाबाशी, पुनर्बलन व पुरस्कार देना चाहिए।
- बच्चों की तुलना अतार्किक रूप से दूसरे बच्चे से नहीं करना चाहिए।
- अपने इच्छाओं एवं अपने अपूर्ण लक्ष्यों को बच्चों को ऊपर नहीं थोपना चाहिए।
- आवश्यक होने पर बच्चों को इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध कराना चाहिए किंतु उनके इंटरनेट उपयोग के समय को निर्धारित करना चाहिए तथा बीच-बीच में उनके द्वारा इंटरनेट पर किए जा रहे कार्यों का अवलोकन करते रहना चाहिए।

बच्चों का मन कोमल एवं मस्तिष्क विकासशील होता है उनके प्रति किया गया असंगत व कठोर व्यवहार उनके मानसिक स्वास्थ्य के लिए चुनौती का कार्य करता है। बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन के लिए समेकित प्रयास की आवश्यकता होती है, जिसमें माता-पिता, भाई- बहन, परिवार के सदस्यों, साथी समूह, शिक्षक एवं विद्यालय कर्मियों के साथ-साथ समाज की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जब सभी लोगों के द्वारा व सभी जगहों पर बच्चों के साथ समुचित व्यवहार किया जाएगा तभी बच्चों का स्वास्थ्य उत्तम होगा और वह अपनी पूरी क्षमता से समाज एवं राष्ट्र के निर्माण में अपनी भूमिका का निर्वहन करने में सक्षम होंगे। जैसा कहा गया है कि बच्चे ही राष्ट्र का भविष्य होते हैं इस दृष्टिकोण से भी बच्चों का मानसिक रूप से स्वस्थ होना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

बांझपन: एक स्त्री के सपनों का संघर्ष और समाधान

जीवन में मातृत्व का अनुभव हर महिला के लिए एक सुनहरा अध्याय होता है, लेकिन जब यह अध्याय अधूरा रह जाए, तो उसमें छुपा दर्द, निराशा और अकेलेपन को शब्दों में पिरो पाना आसान नहीं होता। बांझपन या इंफर्टिलिटी, केवल एक शारीरिक समस्या नहीं है, बल्कि इच्छाशक्ति, आशाओं और भावनात्मक संतुलन की जद्दोजहद भी है। होम्योपैथिक चिकित्सा ने हजारों महिलाओं के अधूरे सपनों को पूरा किया है।

डॉ. आरके सिंह
चिकित्सक, कानपुर

क्या है बांझपन

बांझपन वह स्थिति है जब दंपत्ति एक वर्ष तक नियमित, असुरक्षित संभोग के बावजूद गर्भधारण नहीं कर पाते। यह समस्या महिला और पुरुष दोनों में से किसी के कारण भी हो सकती है।

- **आम तौर पर:** महिला कारणः पीसीओडी/ पीसीओएस, थायराइड असंतुलन, एंडोमेट्रियोसिस, यूटेरिन फाइब्रॉएड, ट्यूबल ब्लॉकेज, हार्मोनल डिसबैलेंस आदि।
- **पुरुष कारण:** ओलिगोस्पर्मिया (कम शुक्राणु संख्या), ऐजीनोस्पर्मिया (गैर-सक्रिय शुक्राणु), सत्योलिया (कोई शुक्राणु नहीं), हार्मोनल असंतुलन, जीवनशैली कारक आदि।
- इसके अलावा स्ट्रेस, तनाव, अत्यधिक व्यायाम या जीवनशैली कारक भी बांझपन को बढ़ावा देते हैं।

मानसिक और सामाजिक प्रभाव

शारीरिक प्रभाव

- हार्मोनल असंतुलन के लक्षण (अनियमित मासिक धर्म, वजन बढ़ना/घटना)
- थकान, कमजोरी
- पीठ के निचले हिस्से में दर्द
- यूटेरस या ओवरी में असामान्य संरचनात्मक परिवर्तन।

मानसिक प्रभाव

- दर्द और निराशा का भाव
- आत्म-सम्मान में कमी
- डिप्रेशन, चिंता, सामाजिक घबराहट
- रिश्ते में तनाव, अक्सर जोड़े आपस में दूर हो जाते हैं।

सामाजिक प्रभाव

- परिवार और समाज का दबाव, अक्सर चुप्पी बनी रहती है
- अवांछित टिप्पणियां और कई बार दोषारोपण
- पारंपरिक सोच, खासकर ग्रामीण या कुछ शहरी क्षेत्रों में संवेदनहीनता

सिद्धांत और प्रक्रिया

होम्योपैथी, "समान समान से ठीक" के सिद्धांत पर आधारित, व्यक्ति की कुल लक्षण-रूपी प्रकृति (होम्योपैथिक टोटैलिटी) को ध्यान में रखकर इलाज करती है। कमला हेल्थ केयर की प्रक्रिया इस प्रकार हैः

- **व्यापक केस टेक्टिंग:** एक घंटे से अधिक की विस्तृत बातचीत में डॉक्टर मरीज की शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, पारिवारिक और जीवनशैली संबंधी जानकारियां जुटाते हैं।
- **रिपोर्टिंग और विश्लेषण:** लक्षणों, रिपोर्ट (हार्मोन टेस्ट, अल्ट्रासाउंड, सेमेन एनालिसिस) और व्यक्तिगत इतिहास के आधार पर होमोईओपैथिक रिपर्टरी का उपयोग।
- **कनसिलिएशन (परामर्श):** मरीज के साथ इलाज की योजना पर चर्चा, आदतों में बदलाव, आहार और तनाव प्रबंधन पर मार्गदर्शन।
- **औषधि चयन:** मरीज की कुल लक्षण-रूपी प्रकृति के अनुकूल एक या अधिक होम्योपैथिक दवाओं का चयन।
- **फॉलो-अप और मॉनिटरिंग:** नियमित रूप से 15-30 दिनों के अंतराल पर मरीज की प्रगति और रिपोर्ट के आधार पर दवा में आवश्यक परिवर्तन।

जीवनशैली और आहार परिवर्तन

- होम्योपैथिक इलाज के साथ जीवनशैली और आहार में छोटे-छोटे बदलाव भी संपूर्ण स्वास्थ्य सुधारने में सहायक होते हैं:
- **संतुलित आहार:** हरी सब्जियां, फल, अनाज। जंक फूड, फैटी फूड, अधिक तला-भुना कम करें।
- **हाइड्रेशन:** दिन भर पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं।
- **व्यायाम:** हल्की वॉक, योग, प्राणायाम, स्ट्रेचिंग।
- **तनाव प्रबंधन:** ध्यान, मेडिटेशन, डिप्रेशन प्रोग्राम, थेरपी सत्र।
- **पर्याप्त नींद:** रोजाना 7-8 घंटे की अच्छी नींद लें।

साप्ताहिक राशिफल

-पं. मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष: इस सप्ताह आपको करियर और कारोबार में उम्मीद से कुछ कम सफलता मिल सकती है। जिससे आपका मन थोड़ा खिन्न रहेगा। जो लोग व्यवसाय से जुड़े हुए हैं, उन्हें इस सप्ताह पास के फायदे में दूर का नुकसान करने से बचना होगा।

वृष: इस सप्ताह की शुरुआत थोड़ी आपाधापी भरी रह सकती है। इस दौरान आपको छोटे-छोटे कार्यों को करने के लिए अधिक परिश्रम और प्रयास करना पड़ सकता है। इस सप्ताह समय और धन का प्रबंधन करके चलना होगा अन्यथा आपको बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन: इस सप्ताह वाणी और व्यवहार पर नियंत्रण रखने की बहुत आवश्यकता रहेगी। इस दौरान आपको लोगों की छोटी-छोटी बातों पर ध्यान न देकर अपने अच्छे समय आने का इंतजार करना होगा। यदि आप व्यवसायी हैं तो आपको कारोबार से जुड़ा कोई भी निर्णय असमंजस अथवा दबाव में आकर लेने से बचना होगा।

कर्क: इस सप्ताह कुछ चीजें न चाहते हुए भी करनी पड़ सकती है। कार्यक्षेत्र में अचानक से आपके सिर पर कुछ बड़ी जिम्मेदारी आ सकती है, जिसे पूरा करने के लिए आपको अतिरिक्त परिश्रम और प्रयास की आवश्यकता बनी रहेगी। इस सप्ताह अपनी सेहत और संबंध दोनों का खूब ख्याल रखें।

सिंह: यह सप्ताह थोड़ा उतार-चढ़ाव लिए रहने वाला है। आप पाएंगे कि आपके जीवन की गाड़ी कभी रुक-रुक कर तो कभी तेजी से आगे बढ़ती हुई नजर आएगी। करियर और कारोबार की दृष्टि से यह सप्ताह काफी भागदौड़ भरा रहने वाला है। आपको छोटे-छोटे कार्यों के लिए अधिक परिश्रम करनी पड़ सकती है।

कन्या: यह सप्ताह अनुकूल रहने वाला है। इस सप्ताह आपको विभिन्न क्षेत्रों से सुखद समाचार सुनने को मिलेंगे। आपके सोचे हुए कार्य समय से पूरे होंगे। इष्ट-मित्रों और स्वजनों का जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सहयोग और समर्थन बना रहने से आपका मन प्रसन्न रहेगा। आपके उत्साह और पराक्रम में वृद्धि होगी।

तुला: इस सप्ताह आपका कोई बड़ा मनोरथ अप्रत्याशित रूप से पूरा हो सकता है। इस सप्ताह आप आलस्य को छोड़कर अपने कार्य को कर्मठता के साथ पूरा करने का प्रयास करेंगे। खास बात यह कि आपके परिश्रम और प्रयास का पूरा परिणाम भी आपको प्राप्त होगा।

वृश्चिक: इस सप्ताह आपके सिर पर अचानक से कुछ बड़ी जिम्मेदारी आ सकती है, जिसे उठाने के लिए आपको आर्थिक एवं मानसिक रूप से तैयार रहना पड़ेगा। वरिष्ठ व्यक्ति की सेहत को लेकर मन चिंतित रहेगा। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में अपने सीनियर और जूनियर से अपेक्षाकृत सहयोग और समर्थन नहीं मिल पाएगा।

धनु: इस सप्ताह आपके सोचे हुए काम अधिक भागदौड़ करने के बावजूद देरी से पूरे हो पाएंगे। करियर हो या कारोबार आपको कदम-कदम पर कोई न कोई अड़चन आती हुई दिखाई देगी। हालांकि यदि आप धैर्य और विवेक के साथ चीजों को प्रबंधन करके चलते हैं तो आप इन सभी अड़चनों को दूर कर सकते हैं।

मकर: इस सप्ताह आपको बीते कुछ समय से चली आ रही समस्याओं का समाधान खोजने में कामयाबी मिल जाएगी। इस सप्ताह आपके सोचे हुए कार्य समय पर मन मुताबिक पूरे होते नजर आएंगे, जिससे आपके उत्साह, पराक्रम और सकारात्मक सोच में वृद्धि होगी। नौकरीपेशा लोगों को इस सप्ताह कार्यक्षेत्र में विशेष रूप से सम्मानित किया जा सकता है।

कुंभ: यह सप्ताह शुभता और सौभाग्य लिए हुए है। इस सप्ताह करियर-कारोबार में उन्नति करने के बड़े अवसर प्राप्त होंगे। जो लोग विदेश में उच्च शिक्षा अथवा करियर बनाने के लिए प्रयासरत हैं, उन्हें इस सप्ताह के अंत तक बड़ी सफलता हासिल हो सकती है। नौकरीपेशा लोगों की पदोन्नति के योग बनेंगे।

मीन: यह सप्ताह करियर-कारोबार की दृष्टि से अनुकूल रहेगा तो वहीं रिश्ते-नाते की दृष्टि से थोड़ा प्रतिकूल कहा जा सकता है। सप्ताह की शुरुआत से अपने करियर और कारोबार पर फोकस करते हुए नजर आएंगे। आप विगत सप्ताह से चली आ रही समस्याओं का समाधान खोजने में भी कामयाब हो जाएंगे। सप्ताह के पूर्वार्ध मेंआपका मन धर्म-अध्यात्म में ज्यादा रमेगा।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त करने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 24

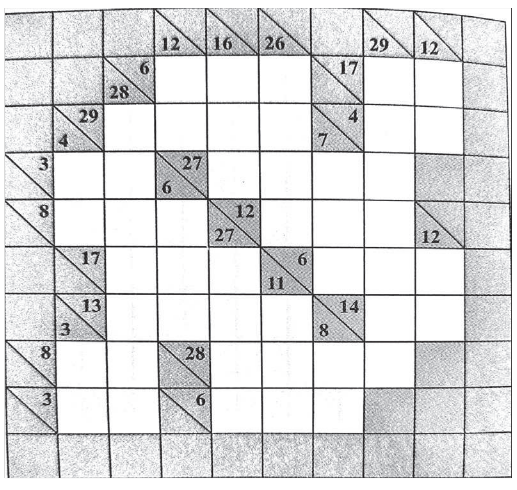

काकुरो 23 का हल

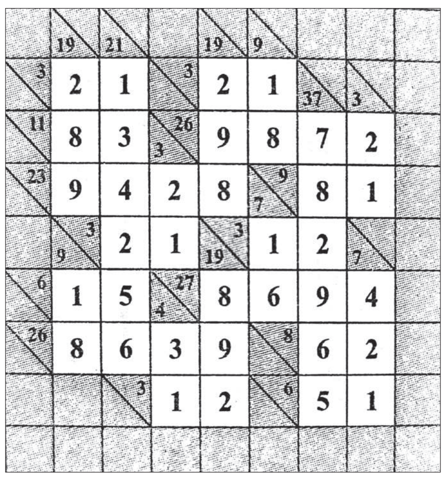

शब्द संसार

कहानी

घिस्सू की घिसाई

राम नरेश 'उज्ज्वल'
लखनऊ

एक थे घिस्सू। घिस्सू अभी घिसे नहीं थे। पूरे हट्टे-कट्टे जवान थे। पर बुढ़ापे के गुण अभी से ही आ गए थे। दिन भर इधर-उधर पड़े रहते। कोई काम-काज न करते। पत्नी बड़ी परेशान रहती थी। ताने मारती तो भी वे न सुनते। बीवी-बच्चों का जरा भी ख्याल न रखते। खेती-बारी भी न करते।

बीवी को सिलाई का काम मालूम था। उसी से थोड़ा बहुत खर्च निकलता था। खेतों में ट्रैक्टर चलवा कर बीज बो देती, किंतु उचित देखभाल न होने से फसल खराब हो जाती। वह कहती- "हाथी जैसा जामा लिए हो, जरा इसका इस्तेमाल भी करो।"

घिस्सू कहते-"देख दुलरिया, हमसे टेढ़ा मत बोला कर। वरना अभी हड्डी-पसली तोड़ दूंगा। ज्यादा दुलार न देखूंगा।"

"इसके सिवा कुछ और भी आता है। जाने कैसा काहिल आदमी पल्ले पड़ा है! तुमसे अच्छे तो जानवर हैं, जो अपना पेट तो भर लेते हैं कम से कम।" दुलरिया जद्द-बद्द बके जा रही थी।

"चुप बिलकुल चुप।" घिस्सू ने डंडा उठा लिया और जब वह फिर भी चुप न हुई तो पीटने लगा। वह काफी देर तक रोती रही और फिर उठकर जाने कहां चली गई। घिस्सू 'दुलरिया-दुलरिया' चिल्लाता ही रह गया।

एक दिन की बात है, घिस्सू चारपाई पर लेटे थे। तभी एक साधु बाबा आ गए। "अलख निरंजन! जय शिव शंकर।"

"आगे बढ़ो बाबा। कुछ नहीं है।" घिस्सू ने कहा।

"अरे घिस्सू बेटा, तेरे पास तो सब कुछ है। तेरी किस्मत चमकने वाली है। तुझे लक्ष्मी मिलेगी।" बाबा ने कहा।

"क्या?...पर आपको मेरा नाम कैसे पता?" घिस्सू उठ बैठे।

"बेटा सिर्फ तेरा ही नहीं, तेरी बीवी दुलरिया का नाम भी पता है मुझे।" अपना नाम सुनते ही दुलरिया बाहर आ गई। बाबा को देखते ही बोली-"अरे बाबा आप। धन्य भाग्य हमारे, जो आप हमारे निवास पर पधारे।"

"तेरा कल्याण होगा बेटा।"

"बाबा आप हिमालय पर तपस्या करने पुनः जा रहे हैं क्या?"

"हां बेटी! मैं कुछ दिनों बाद चला जाऊंगा। ला बाबा को पेट भर भोजन करा दे।" 'भोजन!' दुलरिया जाने किस सोच में डूब गई।

बाबा बोले-"बेटा संकोच मत कर। यदि भोजन कराना नहीं चाहती तो मैं...।"

"नहीं बाबा! ऐसी बात नहीं है, पर...।"

"जब राम शबरी के जूठे बेर खा सकते हैं तो क्या मैं तेरे हाथों से नमक रोटी नहीं खा सकता। प्रेम से दिया हुआ अन्न अमृत से भी बढ़कर होता है।" घिस्सू आश्चर्यचकित होकर बाबा को देख रहे थे। 'आखिर इसे कैसे पता कि आज नमक रोटी ही बनी है? शायद हिमालय का तपस्वी सब जान सकता है।'

भोजन करने के बाद बाबा ने दुलरिया से कहा-"घिस्सू को मेरे आश्रम पर भेज देना। सारा दुख-दरिद्र दूर हो जाएगा। तेरे दुख के निवारण के बाद ही मैं अब तपस्या के लिए जाऊंगा।"

बाबा चले गए। दूसरे दिन दुलरिया ने कहा- "बाबा बड़े भले हैं। तुम उनके पास चले जाओ। बहुतों के कष्ट दूर हुए हैं। वे दिव्य पुरुष हैं। वह हमारे कष्टों को जरूर हर लेंगे।"

घिस्सू जाना नहीं चाहते थे, किंतु दुलरिया के बहुत समझाने पर चले गए। बाबा पर कुछ-कुछ यकीन घिस्सू को भी हो गया था।

आश्रम दूर था। वे चलते-चलते थक गए। आश्रम में पहुंचकर बाबा को प्रणाम किया। बाबा ने उनसे आश्रम में एक पेड़ रोपने को कहा। घिस्सू ने गड्ढा खोदा। गड्ढे की खुदाई में एक चांदी का सिक्का मिला। घिस्सू ने बाबा को बताया। बाबा ने वह सिक्का घिस्सू को दे दिया और दूसरे दिन फिर बुलाया। घिस्सू खुशी-खुशी घर वापस आए। घर आकर पत्नी को सारी बात बताई।

घिस्सू अगले दिन फिर गए। बाबा ने दूसरे दिन दो पेड़ रोपने के लिए कहा। घिस्सू ने मेहनत से गड्ढा खोदा। अबकी गड्ढे से दो-दो सिक्के निकले। घिस्सू ने सिक्के बाबा को दिए। बाबा ने पुनः सिक्के घिस्सू को दे दिए। घिस्सू इसी तरह रोज आश्रम जाते और बाबा के कहे अनुसार हर कार्य मन लगाकर करते, ताकि उन्हें ज्यादा से ज्यादा सिक्के मिल सकें। पानी आदि डालते समय घड़े से भी दो-चार सिक्के मिल जाते थे।

बाबा दिन प्रतिदिन काम बढ़ाते जाते और घिस्सू बड़ी मेहनत व लगन से काम करते जाते, क्योंकि उन्हें चांदी के सिक्के मिलते थे। थकने के बावजूद भी वे कार्य के प्रति लापरवाही न करते। पेड़ों की देखभाल भी घिस्सू ही करते थे। कुछ दिन बाद आश्रम के चारों ओर हरे-भरे पेड़ लहराने लगे। उस बंजर भूमि के भी भाग्य खुल गए। घिस्सू इसे बाबा के तेज और प्रताप का फल मान रहे थे।

एक दिन घिस्सू ने फल वाले चार पेड़ रोपे, किंतु सिक्के नहीं निकले। घिस्सू को बड़ा आश्चर्य हुआ। घड़े से भी सिक्के न निकले। वे दौड़कर बाबा के पास गए। बोले-"बाबा आज हमें कुछ नहीं मिला।"

बाबा बोले- "बेटे, आज तो तुम्हें अनमोल हीरा मिल गया है, जो सदैव तुम्हारे पास रहेगा। अब तुम्हें इन सिक्कों की आवश्यकता नहीं है।"

"क्या मतलब?" घिस्सू ने पूछा।

बाबा हौले से मुस्कराए- "क्या तुम्हें अब कोई कष्ट है?"

"नहीं बाबा! जबसे आपके पास आने लगा हूं सारे कष्ट दूर हो गए हैं। सदा प्रसन्न रहता हूं। शरीर में चुस्ती-फुर्ती बनी रहती है। मुझे पता है कि यह सब आपका चमत्कार है।"

बाबा बोले-"बेटा! अब तुम्हारे घर में खुशियां सदैव रहेंगी, क्योंकि तुम्हारे अंदर का इंसान जाग गया है। परिश्रम और लगन ही इंसान की सबसे बड़ी पूंजी है। ऐसा हीरा जिसे मिल जाता है, वह कभी भी कंगाल नहीं रहता है। तुमने इस हीरे को प्राप्त कर लिया है। अब मैं भी यहां से प्रस्थान करना चाहता हूं।"

दुलरिया ने कहा- "बाबा कुछ दिन और रुकिए।"

बाबा बोले- "नहीं बेटा, अब नहीं रुकूंगा। तुम्हारा पत्र पाते ही मैं चला आया था। अब काफी दिन हो गए। मुझे जाने दो।"

"पत्र पाकर!" घिस्सू ने आश्चर्य से पूछा।

"हां पत्र पाकर।" दुलरिया बोली- "यह मेरे मुंह बोले बाबा हैं। मुझे बहुत मानते हैं। जब मैं तुमसे पूरी तरह ऊब गई तो बाबा को पत्र भेजा। फिर बाबा ने तुम्हें सुधारने के लिए यह योजना बनाई।" दुलरिया ने बताया।

"यानी तू उस दिन जब भागकर बाहर गई थी तो पत्र लिखने गई थी।"

"हां, मैं इसीलिए चली गई थी" "किंतु मुझे विश्वास नहीं हो रहा है। मैं इस ऊसर भूमि में कड़ी मेहनत करके गड्ढा खोदता था और उसमें से सिक्के निकलते थे। ये योजना नहीं, चमत्कार ही है।"

बाबा ने कहा-"चमत्कार ढोंगी लोग करते हैं। यह चमत्कार नहीं है। दरअसल मैं रोज एक मोटे और लंबे कीले को ठोंक कर जमीन में गहरा छेद बना देता था और उसमें चांदी के सिक्के डालकर मिट्टी भर देता था। इसलिए जहां पर रोपना होता था, वह जगह मैं स्वयं बताता था। घड़े के भीतर गीली मिट्टी लगाकर सिक्के चिपका देता और उसे दुलरिया घड़े के रंग में ही रंग देती थी। इन दस घड़ों में से अभी भी किसी एक घड़े में दो सिक्के चिपके हुए हैं। जब तुम इनमें पानी भरते थे तो मिट्टी गल जाती थी और सिक्का तुम्हें मिल जाता था।"

घिस्सू को अभी भी इन बातों पर यकीन नहीं हो रहा था। उसने सभी घड़ों में तुरंत पानी भरा और उसमें हाथ डालकर सिक्के निकालने लगा। उनमें से एक घड़े में दो सिक्के निकले। बाबा फिर बोले- "आज मैंने भूमि में सिक्के इसलिए नहीं डाले थे, क्योंकि मुझे यकीन हो गया था कि तुम्हारे अंदर का आलस्य दूर हो गया है। तुम्हें परिश्रम की आदत पड़ गई है।"

घिस्सू बोले-"आप चले जाएंगे तो आश्रम का क्या होगा? यहां कौन रहेगा?" बाबा बोले-"बेटे! यह भूमि तुम्हारी ही है। इसीलिए मैंने यहीं आश्रम बनाया था। यह भूमि बंजर थी। इसलिए तुम्हारे पूर्वजों ने खेती-बाड़ी करना छोड़ दिया था, किंतु अब तुम्हारी कड़ी मेहनत से बंजर भूमि भी हरी-भरी हो गई है। अब इस बगिया से तुम अच्छी आमदनी प्राप्त कर सकते हो। तुम्हीं इसकी देख-भाल करना। मुझे जब फिर मौका मिलेगा, मैं आऊंगा।"

बाबा चलने लगे। घिस्सू ने कहा- "ठहरिए बाबा! मैं अभी आता हूं।" घिस्सू दौड़कर घर चले गए। वहां से एक थैला लेकर आए और बाबा को देने लगे। बाबा ने पूछा- "यह क्या है?"

घिस्सू बोले- "बाबा, ये आपकी अमानत है। मेरे खर्च करने के बाद ये सिक्के बच गए थे। अब आप इन्हें ले जाइए।"

बाबा बोले-"बेटा, इन्हें रखो।" दुलरिया बोली- "नहीं बाबा! इन्हें आप ही ले जाइए। अब हमें इनकी जरूरत नहीं है।"

बाबा ने दोनों के सिर पर प्यार से हाथ फेरते हुए कहा- "ये धन मैंने तुम्हारी शादी में खर्च करने के लिए एकत्र किया था, किंतु शादी में आ नहीं पाया। सो यह कर्ज़ मेरे ऊपर था, जो इस तरह पूरा हुआ। यह धन तुम्हारा ही है। तुम लोग इसे अपने पास रखो।"

बाबा ने उन्हें अपने गले से लगाया। "फिर कभी आपस में झगड़ा मत करना। प्रेम से रहना।" इतना कहकर बाबा चले गए और वे दोनों उन्हें जाते हुए एकटक तब तक देखते रहे, जब तक बाबा उनकी आंखों से ओझल नहीं हो गए।

कविताएं/गीत

रानी लक्ष्मीबाई

मोरोपंत घर जन्म लिया, औ
मनु के नाम पुकारी थी,
रानी में थी दिव्य शक्ति, भारत
मां पे बलिहारी थी।

शक्तिपुंज औ दिव्यरूप, जो
देश पे खुद को वारी थी,
कैसे करूं फिरंगी बाहर, दिन
औ रात विचारी थी।

बचपन में ही खेल-खेल में,
असि औ तीर चलाया था,
अश्व सवारी,दंगल करना,मनु
के मन को भाया था।

ऐसे थे संस्कार कि मनु
को,शब्द सुराज सुहाया था,
देशप्रेम का प्रबल भाव,रानी के
मन में समाया था।

जग में लेकर मनुज रूप मनु,
अलख जगाने आई थी,
57 की विशद क्रांति में, रानी
ने हवि डाली थी।
अंग्रेजों को लगा कि उनके,
मुंह से छिना निवाला था,
कूद पड़ी रण में लेकर
असि,पिया क्रांति का प्याला
था।

नहीं आज है मनु लेकिन
हम,नमन उन्हें शत करते हैं,
नर-नाहर नित समर भूमि
में,रानी की जय करते हैं।

बीत गए शत वर्षाधिक
पर,रानी का यश जिंदा है,
दूल्हाजू की गद्दारी से, झांसी
भी शर्मिंदा है।

दया शंकर मिश्र 'सागर'
कानपुर

प्रीत लिखेंगे

संबंधों पर, गीत लिखेंगे।
अनुबंधों पर, गीत लिखेंगे।

चेहरों पर, भाषाएं बिखरी।
पीड़ाएं रह-रह कर उभरी।

बदल रहीं हैं मौसम जैसी,
ऐसी रस्मों-रीत लिखेंगे।

लगें व्यथाएं, अनजानी सी।
ये तो हैं आनी-जानी सी।

कुछ कहने से बेहतर चुप है,
चुप्पी पर नवगीत लिखेंगे।

शब्दों का बौनापन खलता।
अर्थों में तीखापन पलता।

आंखें के इस खारेपन में,
तरल-तरल सी प्रीत लिखेंगे।

पंकज मिश्र 'अटल'
शाहजहांपुर

नात ए पाक

सहन में बैठ के बस गुंबद ए
खज़रा देखूं
दिल की खाहिश है के एक
बार मदीना देखूं

एक मुद्दत से मेरे दिल में
तमन्ना है यही
काश मैं ख्वाब में सरकार
का चेहरा देखूं

मेरी तक़दीर में उस दर की
ग़ुलामी लिख दे
रात दिन सरवरे कोनेन का
रोज़ा देखूं

मुझ को इस बार बुला
लीजिए आका.मेरे
और कब तक दिल ए
नाज़ुक को तड़पता देखूं

मैने जिस दिन से मदीने की
तमन्ना की है
दिल में हसरत ही नहीं है के
मैं दुनिया देखूं

मुझ पे असबाब ज़माने के
नहीं है लेकिन
आपका एक इशारा हो,
करिश्मा देखूं

ख़ाक तैबा की में माथे से
लगाकर, अपनी आंखों से
मुक़द्दर को चमकता देखूं।

राशिद हुसैन
इंजीनियर, मुरादाबाद

लघुकथा

चूड़ियां

पूजा बहार
नेपाल

राखी का थाल सजाये राधिका अपने भाई की प्रतीक्षा कर रही थी। उदास, बेनूर-सा चेहरा, कपड़ों का रंग फीका और उससे भी फीकी उसके होठों की रंगत। देखकर ऐसा लगता था कई अरसा हो गया हो उसे मुस्कुराए हुए। वह बार-बार खिड़की से देख रही थी कि उसके भैया अब आएं की तब आएं।

उसके भैया तो नहीं आए पर एक दस-बारह साल का बच्चा अपनी पांच-छः साल की छोटी बहन का हाथ पकड़ कर कहीं जा रहा था। उस छोटी-सी लड़की ने अपनी नन्हीं सी कलाई में रंग-बिरंगी चूड़ियां पहन रखी थीं। रंग-बिरंगी चूड़ियों को देखकर राधिका अपने बचपन के दिनों में चली जाती है। 'भैया मुझे राखी में रंग-बिरंगी चूड़ियां और इंद्रधनुषी रंगों वाला दुपट्टा चाहिए, तभी आपको मैं राखी बांधूंगी।'

'बोलो ला दोगे न! अपने सेव जैसे गोल मटोल गालों को फुलाते हुए नन्हीं सी राधिका बोली। किशोर अवस्था का सोमेश अपनी छोटी-सी बहन की बचकानी बातों पर हंसते हुए बोला, 'हां, हां, सब ला दूंगा, मेरी दादी अम्मा।' अचानक खिड़की के कांच पर राधिका की नज़र पड़ी। अपनी सूनी मांग और सूनी कलाई देखकर वह अतीत से बाहर आ गई, तभी सोमेश आ गया। राखी बांधने से पहले सोमेश ने अपनी बहन को चुड़ियों का डिब्बा पकड़ाया, तो वो सन्न रह गई और थोड़ा तुनक कर बोली, 'ये क्या है भैया?' 'चूड़ियां ही तो हैं! तुझे याद है न, बचपन में तू ऐसी ही रंग-बिरंगी चूड़ियां पहनकर मुझे राखी बांधा करती थी, तो आज मेरी इच्छा है तू सूनी कलाई से नहीं ये चूड़ियां पहनकर मुझे राखी बांधेगी तो बंधवाऊंगा वरना नहीं।' 'पर, अब मैं कैसे...? आपने तो मुझे धर्मसंकट में डाल दिया।' राधिका कहकर रोने लगी। सोमेश अपनी बहन के आंसू पोंछकर, अपने हाथों से चूड़ियां पहनाते हुए बोला, 'जिंदगी बिना रंगों के बेरंग लगती है पगली, शुभम (राधिका के पति) को गए तो एक अरसा हो गया है, तू कब तक उसकी याद में घुलती रहेगी, आगे बढ़ और देख खुशियां अपनी दोनों बांहें पसार तेरी प्रतीक्षा कर रहीं हैं।'

छुटकी की राखी

शैलेंद्र कुमार सिंह
बहराइच

पावन श्रावण का महीना था शुक्रवार का दिन दोपहर के समय और आकाश से हल्की-हल्की रिमझिम बरसात टपक रही थी। सावन की ठंडी फुहारें मानो तन-मन को शीतल कर रही थीं। मंद पवन में भीगते पेड़-पौधे, विद्यालय के प्रांगण में पानी की हल्की छनछनाहट और हवा में भीनी-भीनी मिट्टी की महक-सब मिलकर वातावरण को अद्भुत बना रहे थे।

विद्यालय के प्रांगण में, कुछ कक्षाओं में बच्चे और अध्यापक-अध्यापिकाएं रक्षाबंधन के उत्सव की तैयारी में व्यस्त थे। बच्चों ने अपने हाथों से रंग-बिरंगे रक्षासूत्र बनाए थे। उनके चेहरों पर भाई-बहन के अटूट प्रेम की चमक साफ झलक रही थी। कहीं हंसी-ठिठोली, कहीं उत्सुकता, और कहीं कक्षा के कोने में धीमे स्वर में चलती तैयारी-पूरा माहौल जैसे एक स्नेहिल कहानी कह रहा था। कुछ कक्षाओं में, शिक्षक अब भी पाठ पढ़ा रहे थे। लेकिन बीच-बीच में खिड़की से आती बारिश की फुहारें पढ़ाई को भी एक मधुर ठहराव दे देतीं। बच्चों की आंखों में चमक थी-वे उत्सव के उस पल का इंतज़ार कर रहे थे जब वे अपनी राखियां बांधेंगे। मैं अपने कार्यालय में बैठा कागज़ों में उलझा था। छुट्टी का समय करीब था, तभी दरवाज़ा धीरे से खुला। एक नन्हीं बालिका, जिसकी आंखों में संकोच और उत्सुकता दोनों थे, भीतर आई। वह धीरे से बोली- 'सर आपको किसी ने राखी नहीं बांधी?'

मैंने कलम रोक दी और उसे देखा। थोड़ी देर सोचकर मुस्कराते हुए कहा, 'मुझे राखी वही बांधेगा जो मुझे ढाई सौ ग्राम काजू की बर्फी खिलाएगा।' वह चुप हुई, फिर शरारती गंभीरता से बोली, 'सर चॉकलेट से काम नहीं चलेगा?'

उसकी मासूम जिज्ञासा ने मुझे हंसा दिया। मैंने उसकी ओर देखा और हां में सिर हिलाया।

वह भागते हुए बाहर गई, और पलक झपकते ही वापस आ गई-हाथ में रोली, चंदन और एक सुंदर राखी थी। उसने बड़े आदर से मेरे मस्तक पर चंदन का तिलक लगाया, कलाई में राखी बांधी। मैं चुपचाप खड़ा था, मन कहीं भीतर से गीला हो रहा था। तभी उसने मुझे कहा-'सर, मेरे पैर छूओ।' मैंने झुककर उसके पैरों को छुआ, लेकिन शायद मेरे हाथ उसके अंगूठों तक नहीं पहुंचे। तुरंत उसने आदेश दिया- 'नीचे तक छूओ, जैसे बहन को करते हैं।' मैंने वैसा ही किया जैसा उसने कहा। फिर, बड़े गर्व से उसने अपने छोटे हाथ मेरे सिर पर रखे, मानो आशीर्वाद दे रही हो। एक चॉकलेट मेरी ओर बढ़ाते हुए बोली- 'अब ठीक है'

मैंने देखा, उसके हाथ हल्के-हल्के कांप रहे थे, सांसें तेज़ थीं। शायद इसलिए कि बच्चे मुझे 'बड़े सर' कहते हैं और मेरे अनुशासन के कारण मुझसे थोड़ा डरते भी हैं। पर उस पल में, उसकी मासूमियत ने मेरे भीतर की सख्ती पिघला दी। बाहर सावन की फुहार अब भी गिर रही थी, और भीतर मेरे मन में एक अनकहा स्नेह-रस बह रहा था। यह छोटा सा पल मेरे दिन की सबसे बड़ी खुशी बन गया।

जीवन के पचहत्तर बसंत

समीक्षा

पुस्तक – कथा संचयन 75 पार
लेखक– नेमचन्द ठाकुर
प्रकाशक – साहित्य प्रकाशन गाजियाबाद
मूल्य –400/–
समीक्षक – रविकुमार, बिलासपुर

हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा हिमाचल गौरव पुरस्कार से सम्मानित नेमचन्द ठाकुर हिन्दी साहित्यक्षेत्र में किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। करीब तीन दशकों से साहित्य क्षेत्र में विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हो रहे नेमचन्द ठाकुर की कहानी, कविता, ऐतिहासिक लेखन की सात पुस्तकों का सफल प्रकाशन हो चुका है। इसी वर्ष लखनऊ से प्रकाशित हिन्दी त्रैमासिक पत्रिका शब्द सत्ता द्वारा शिमला के ऐतिहासिक गेयटी थियेटर में उन्हे शब्द सत्ता सम्मान-2024 से भी सम्मानित किया गया है। परमश्रद्धेय बद्री सिंह भाटिया की प्रेरक सोच को अमलीजामा पहनाने के प्रयास में लेखक नेमचन्द ठाकुर द्वारा संपादित जीवन के 75 से ज्यादा वसन्त देख चुके हिमाचल प्रदेश के 15 प्रसिद्ध हिन्दी लेखकों की चुनिन्दा कहानियों का पुष्पगुच्छ है 75 पार कथा संचयन। इन कहानियों की शोभा आज भी रचनकाल से वर्तमान तक प्रासंगिक प्रतीत है।

इस संकलन की कहानियों से रूबरू होने पर पाठकों को लगता है कि प्रतेक कहानी आम जनमानस के जीवन के संचित खट्टे -मिट्ठे अनुभवों का लेखा-जोखा है जिसमें समुद्रमंथन की तरह निकले अमृत तुल्य शब्दों की माला बनाकर कहानियों में पिरोया हुआ है। इस संकलन की कहानियां श्रीगणेश से इतिश्री तक पाठकों पर गहरा प्रभाव छोड़ती है। पुस्तक के संपादक के अनुसार निकट भविष्य में उपरोक्त सभी लेखकों की प्रथम कहानियों का संचयन अंक निकालने का भी विचार है ताकि पाठक, लेखक की पहली व जीवन के 75 वसन्त देखने के बाद लिखी कहानियों की आसानी तुलना कर सके।

व्यंग्य

भ्रष्टाचार के दाग बहुत अच्छे हैं!

सूर्यदीप कुशवाहा
वाराणसी

नेता का अपना स्वभाव होता है। वह जनता के तेवर व फेवर के मुताबिक नहीं काम करता है। इसीलिए नेता से कोई उम्मीद नहीं करता है। वह राजनीति का बढ़िया से पाठ पढ़कर पथभ्रष्ट की ओर कदम बढ़ाता है और भ्रष्ट सिस्टम का आका बन जाता है। कहते भी हैं कि जो अनीति और भ्रष्टाचार को धारण करे वही सच्चा नेता है बाकि इसके विपरीत विचार वाले बहते हुए नेटा है, जिसको जनता वोट की रुमाल से अक्सर पोंछ देती है। देर-सवेर ही सही ऐसे महान नेता का स्वागत किया जाना चाहिए और उसे खूब बधाई देना और फायदा लेना चाहिए। खास तौर से तंत्र में बैठे घुसखोर ब्यूरोक्रेट को हरा चारा की खुराक मुहैया कराने के लिए आवश्यक है। जनता की नज़र में सरकारी महकमे भ्रष्टाचार के लिए सबसे ज्यादा कुख्यात हैं। पुलों को नहाने के लिए भ्रष्टाचार के साबुन की कितनी जरूरत होती है। इन साबुनों की गिनती ही नहीं की जा सकती। हैरानी की बात यह है कि नियम विरुद्ध पुल स्विमिंग पुल समझ नदी में गोता लगा देते हैं। कुछ पुल सिस्टम की बदनामी और ऋण चुकाने के लिए भी नदी में छलांग लगाकर उऋण हो जाते हैं। कई ऐसे मामले अखबार एवं मीडिया की सुर्खियों में आए-गए। सड़क में छोटे-छोटे गड्ढे से वाहन सवार हिचकोले से जान यदि अटकी पड़ी हो तो लोगों को बचाने वाला भी बड़ा गड्ढा भाग्य से मिल ही जाता है। रही बात रुसवाई की, माननीय भले ही कुछ सिस्टम के ब्यूरोक्रेट को घर बैठाने का साहसिक कदम नहीं बढ़ाती क्योंकि लोगों की धारणा यह है कि भ्रष्टाचार का अचार हमारे नेता जी ने ही तो डाला है।

घर के अंदर बैठेंगे तो फफूंद लगकर अचार खराब हो जायेगा। ब्यूरोक्रेटऔर शागिर्द तो बस हरा लाल नीला सब अचार चख रहे हैं और यह बूस्टर डोज है, इसलिए किसी ब्यूरोक्रेट का बाल भी बांका नहीं होता। भ्रष्ट सिस्टम द्वारा हरियाली का जंगल लगाना वास्तव में विलासिता का मंगल है। इसी से समाज में बंगला-कोठी और मान-प्रतिष्ठा प्राप्ति का बढ़िया शार्टकट माध्यम है। भला नेता और ब्यूरोक्रेट इसको कैसे छोड़ दें? चाहे नरेगा, मनरेगा से लेकर बड़े स्तर तक घोटाला और विकास की अधिकांश योजनाओं में घोटाले तो जगजाहिर है। गांव में खड़ंजे साल भर में ही खुद उखड़ गए।

नाले-नालियों की मलहम-पट्टी व साफ-सफाई भी करानी पड़ती है, फिर भी बरसात में क्यों चोक ही रहता है? अब खोज नहीं हो पायी है। यह कैसी चौपाई है। जबकि पाई-पाई का हिसाब सरकारी कागजों पर दमक रहा है। सभी में ब्यूरोक्रेट्स और शागिर्द नेता की नैया पर सवार हो कर छैया-छैया करते हैं।

हकीकत तो यही है कि नीचे से ऊपर तक रिश्वत से हाथ रंगे हैं। उनका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता क्योंकि गॉड फादर नेता जी हैं। काली कमाई में दम होता है और यह अच्छे-अच्छों को करता बेदम है। जनता के मन में एक बड़ा सवाल यह भी है कि आखिर दावा कैसे गलत सिद्ध हो जाती है जबकि भ्रष्टाचार पर लगाम कसने का दौर जारी है। फिर भी भ्रष्टाचार में मारा-मारी है। सीबीआई से लेकर तमाम ईमानदार ब्यूरोक्रेसी हैं फिर भी नेता और साहब भ्रष्टाचार में कर्मयोगी बने हुए हैं। भ्रष्टाचार का दाग अच्छे हैं और जिनके दामन पर कोई दाग नहीं वह अभी राजनीति में कच्चे हैं। सच! भ्रष्टाचार के अचार के दाग बहुत अच्छे हैं। इसको धुलने वाला वाशिंग पाउडर लोकतंत्र में अभी आया नहीं है। सरकारें बदल जाती हैं लेकिन भ्रष्टाचार नासूर बना हुआ है। हर चुनाव में ईवीएम मशीन से ही इसको भगाने की खोज जारी है। कभी न कभी वाशिंग पाउडर लोकतंत्र को मिल जाएगा और भ्रष्टाचार की जड़ हिल जायेगा। तब तक इंतजार कीजियेगा। शीघ्र ही आएगा वो दिन, जब भ्रष्टाचार का दानव होगा बे दिन। अभी तो फिलहाल, भ्रष्टाचार के दाग बहुत अच्छे हैं।

तार्किक हैं अब महिलाएं

किसी भी बात को सकारात्मक तरीके से देखना बेहद जरूरी है। हो सकता हैं वह बात गलत हो, लेकिन अगर हम सकारात्मक तरीके से किसी बात को लेते हैं, तो हमारे सोचने समझने की क्षमता स्थिर और सुदृढ़ होता हैं। आजकल महिलाएं पुरुषों से कदम और कंधे का ताल-मेल बरकरार रखने में सक्षम है, जो नहीं हैं उन्होंने भी मुहिम जारी कर रखी है या करने के तैयारी में तत्पर हैं। जहां घंटों किचन में समय बिताने के लिए महिलाओं के साथ साज़िश रची जा रही हैं। वहां रहने वाले पुरुष या तो अशिक्षित हैं या आधुनिक दुनिया से अवगत नहीं। ऐसे लोग पुरानी रूढ़िवादिता को लेकर चलने में अपना धर्म और शान समझते हैं।

रानी प्रियंका वल्लरी
हरियाणा

- आज के युग में हर शिक्षित परिवार प्रतिदिन विशिष्ट पकवान खाना या बनाना पसंद नहीं करते। हर एक व्यक्ति अपने सेहत का ख्याल रखना जानते हैं। शिक्षित महिलाएं विशिष्ट पकवान को विशेष दिन पर पसंद करती हैं। जिसमें समयानुसार वह किसी विशेष पकवान को सलेक्ट कर समय, श्रम, बचत सब देख परिवार का सूकुन, खुशी सब ढूंढ लेती हैं। पहले संयुक्त परिवार की संख्या ज्यादा थी हमारे देश में और महिलाएं कामकाजी कम थी। सबकी फरमाईशें अलग-अलग जिसे पूरा करने में महिलाएं पूरा दिन रसोई में मत्था मारती नजर आती थी। वहीं आजकल हर एक महिला अपने लिए समय निकालना जानती हैं, जो फिजिकल और मेंटली हेल्थ के लिए बेहद ज़रूरी है।

- महिलाएं घिया तोरी से उठकर सोशल नेटवर्किंग पर पहुंच चुकी हैं। जहां से छोटी बड़ी एक्टिविटी देख-सीख अपनी खुशी और फिट रखने से चार पैसे कमाना सीख रहीं हैं। पुरुष का षडयंत्र जो सच में शिक्षित हैं अपना लड़ाई लड़ना जानती हैं ऐसी महिलाओं पर ना चला हैं ना चलेगा।

- अब महिलाएं भी घर, संपत्ति पैसे जैसे चीज़ों को अर्जित कर रहीं हैं जिसकी उत्तराधिकारी वह खुद हैं। वह आत्मनिर्भर रहना सीख गई है। जो अपने शिक्षा और बुद्धि के अनुसार सब थोड़ा ही सही पर कमाना और जीना सीख गई है। अपने लिए धन अर्जित कर रही हैं तो भला वह किसी षडयंत्र का मोहरा कैसे बन सकती हैं।

- महिलाएं ऐसी होनी चाहिए, जो मजबूत हों, वो उदार हो सकती हैं। वे इतनी शिक्षित हो की विनम्र बनी रह सकें। वे प्रखर हों, कि उनमें संवेदनाएं हो। वे जुनूनी हो,ताकि तार्किक रह सकें,वे अनुशासित हो, तभी वे आजाद हो सकेंगी।

- वह जीवन में इतनी उदारता रखें जो सफल स्त्री से प्रेरित हो। वह इतनी मजबूत बनें जो वह अपने जीवन में या दूसरे स्त्री के जीवन में एक दूसरे को मदद कर सकें। ताकतवर बनें, दयालु बनें, आत्मविश्वास से लबालब रहें, अपने कर्तव्य के प्रति निष्ठावान रहें, विनम्रता रखें।

- बदलते भारत में बदलती महिलाएं के रूप जिसमें महिलाएं अब पहले से अपने आप में बहुत सक्षम हैं, अब ये बेहद शिक्षित, आत्मनिर्भर और संवेदनशील तो भरपूर है ही, लेकिन विनम्रता के मुआमले में पहले से कहीं ज्यादा आक्रोशित हुई हैं। वजह चाहे जो भी हो और रही बात आज़ादी की तो अगर खुद पुरुष भी इनके समक्ष आए तो ये अपनी आज़ादी के लिए खिलाफ़ भी खड़ी होती हैं। जहां कुछ भी बदलाव नहीं हुआ है तो वह है एक महिला दूसरे महिला को मदद करें, यह दर कुछ एक प्रतिशत ही हैं। बहरहाल महिलाएं अगर साथ हो तो सांतवा फाटक भी बड़ी सहजता के साथ खोल सकती हैं। पुरुषों से मदद मांगने में महिलाएं बिल्कुल नहीं हिचकती वह बेहद आसानी के साथ कर भी देते हैं। वही महिला से मदद मांगने में वह कई बार सोचती है। महिलाएं मदद नहीं करती। जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है महिलाओं के लिए अगर मदद मांगे तो ना करें। क्या, क्यों, कैसे जैसे प्रश्नचिन्ह ना लगा दें। हर क्षेत्र में ऐसी समस्या है। इन कारणों से महिलाएं पुरुषों से मित्रता बढ़ाती है, कारण कुछ पुरुष जिनकी मानसिक स्थिति तुच्छ है वह गलत फ़ायदा उठाते हैं, जो बेहद शर्मसार हैं।

- शिक्षित और तार्किक होने में एक बड़ा ही छोटा सा अंतर है वह अपने तरीके से काम करने के साथ करना पसंद करती हैं जिसमें भावनाओं के एवज में तथ्य और सबूतों पर बातें करती हैं। आमदनी कम हो, सम्मान बरकरार रहें। वह अपनी कम आमदनी में भी बेहतरीन तरीके से जीना और जीने की मशवरा दे सकती हैं। उसके रहने जीने के लहजे देख कर सामने वाले अनुभवहीन व्यक्ति उसके बेअंदाज का अंदाज नहीं लगा सकता।

- ऐसे महिलाओं के जीने का अंदाज सजग और सरल होता है। वह दिखावे और बनावटी रंगो से बेहद दूर होती हैं।
तार्किक महिलाएं मुखर होती हैं। किसी भी अनाप-सनाप बेफ़िजुल की बातों में अपना समय व्यतीत नहीं करती। ऐसे महिलाओं से पुरुष भी सोच समझ वाली ही बात करते हैं।

- वह भावनाओं के बजाए तथ्य और सबूतों पर ध्यान केंद्रित रखती हैं। व्यवस्थित रूप से जानकारी का मूल्यांकन करती हैं। वही दिशा निर्देश कर अपने निष्कर्ष पर पहुंचती हैं। वह एक ही मुद्दे पर कई तरह से मनन करती हैं। वह आलोचनात्मक शब्द की त्रुटियों को भी विवेकशील विश्लेषण कर वह निर्णय ले पाती हैं। वह किसी भी मुद्दे को वर्तमान स्थिति ही नहीं दसक बाद भी भविष्य में आने वाली विपदा और आपदा को सोच समझ कर निर्णय लेने में सक्षम रहती रहती हैं।

- वह अपने निजी मामलों को व्यक्तिगत नहीं होने देती। वह भावनाओं में केंद्रित नहीं रहती। वह कठोर निर्णय लेकर निदान तक पहुंचने में सफल रहती हैं।

- तार्किक महिलाओं से प्रेम करना आसान नहीं होता। उससे पुरुष प्रेम नहीं कर पाते। ऐसे महिलाओं को बर्दास्त करना आम पुरुषों के हित में नहीं। यह गणित विज्ञान दर्शन सब समझ रखती हैं। तभी तो अपनी बातों को स्पष्टता और मुखरता के साथ रखना और पूछना जानती हैं। इन्हें समझने और सहने की क्षमता खास पुरुषों में ही हैं। इन कारणों से ऐसे महिलाओं का जीवन बड़ा कठिन होता हैं। लेकिन यही आदत उसके जीने का अंततः सहारा भी बन जाता है।

चमकती त्वचा के लिए अपनाएं घरेलू उपाय

त्वचा शरीर का सबसे महत्वपूर्ण अंग है और इसकी देखभाल बहुत ज़रूरी है। चमकती त्वचा को अक्सर अच्छे स्वास्थ्य और स्फूर्ति का प्रतीक माना जाता है। वहीं बेजान या रूखी त्वचा आपको थका हुआ और कमज़ोर महसूस करा सकती है। आप इन प्राकृतिक और आसान ब्यूटी टिप्स से न सिर्फ त्वचा में निखार आ सकता है, बल्कि यह त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाए रखने में भी मदद करती है।

शहनाज हुसैन
सौंदर्य विशेषज्ञ

गुलाब जल और खीरे का टोनर

गुलाब जल और खीरे के रस को मिलाकर एक टोनर तैयार करें और इसे चेहरे पर लगाएं। यह टोनर त्वचा को ताजगी देता है, पोर्स को बंद करता है और त्वचा को निखार प्रदान करता है।

नींबू और शहद का फेस मास्क

एक चमच ताजे नींबू का रस और एक चमच शहद मिलाकर फेस पर लगाएं। यह मास्क त्वचा को पिगमेंटेशन से बचाता है और त्वचा को चमकदार बनाता है। नींबू में विटामिन सी और शहद में मॉइस्चराइज़िंग गुण होते हैं, जो त्वचा की बनावट को बेहतर बनाते हैं।

दही और हल्दी का फेस पैक

एक चमच दही में एक चुटकी हल्दी मिलाएं और इसे चेहरे पर लगाएं। 10-15 मिनट बाद धो लें। दही में लैक्टिक एसिड होता है, जो त्वचा को एक्सफोलिएट करता है, जबकि हल्दी में एंटीबैक्टीरियल और ब्राइटनिंग गुण होते हैं।

नियमित रूप से पानी पीना

दिनभर पर्याप्त पानी पीएं और ताजे फल, हरी सब्जियां, और संतुलित आहार लें। इससे हाइड्रेटेड त्वचा अधिक चमकदार और स्वस्थ दिखती है, अच्छा आहार त्वचा के लिए आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करता है।

इन टिप्स को अपनाकर आप अपनी त्वचा को न केवल चमकदार बना सकती हैं, बल्कि इसे स्वस्थ और ग्लोइंग भी रख सकती हैं।

क्राफ्ट मेकिंग

बच्चों के लिए क्राफ्ट बनाना बहुत पसंद होता हैं। और यह बच्चों की रचनात्मकता क्षमता को बढ़ाता हैं। साथ ही इससे पेंटिंग, पेपर क्राफ्ट, रीसाइकिल्ड क्राफ्ट से बच्चों की सोचने की क्षमता बढ़ती हैं और बच्चों की मोटर स्किल्स को भी सुधारती हैं। यह क्राफ्ट बच्चें घर पर बहुत आसानी से बना सकते हैं।

पेपर बुकमार्क

इसे बनाने के लिए जरूरी सामान कैंची, गोंद, स्केच पेन, स्टिकर्स चाहिए होता हैं।

बनाने की विधि : पेपर बुकमार्क दो विधियों से तैयार कर सकते हैं।

विधि :- साधारण बुकमार्क

इसके लिए पहले 2×6 इंच के आकार का पेपर काटें। फ़िर किनारों को स्केच पेन से सजाएं। स्टिकर्स या वॉशी टेप लगाएं। साधारण बुकमार्क बनकर तैयार हैं।

विधि :- कोने वाला बुकमार्क

इसके लिए 4x4 इंच के आकार का वर्गाकार पेपर लें। फ़िर इसे डायगोनल (विकर्ण) आकार में मोड़ें। अब त्रिकोण के दोनों कोनों को ऊपर मोड़ें और अंदर फोल्ड करें। आंख, मुंह आदि बनाकर इसे सजाएं। कोने वाला बुकमार्क बनकर तैयार हैं।

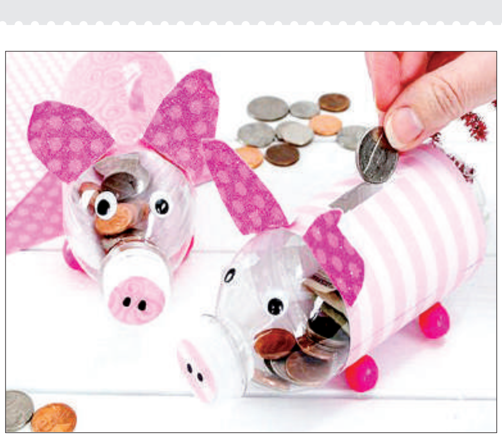

प्लास्टिक बॉटल पिग्गी बैंक

इसें बनाने के लिए जरूरी सामान पुरानी प्लास्टिक बोतल, रंग, गोंद, कटर चाहिए होता हैं।

बनाने की विधि :- सबसे पहले खाली बोतल को धोकर सुखा लें। बोतल के बीच में एक सिक्का डालने के लिए छेद करें। रंगीन पेपर या पेंट से बोतल को कवर करें। सुंदर दिखने के लिए स्टिकर्स, बीड्स या कार्टून डिजाइन लगा सकते हैं। अब प्लास्टिक बॉटल पिग्गी बैंक बनकर तैयार हैं।

ऐसे बनाएं गणपति बप्पा के सबसे पसंदीदा मोदक

खाना खजाना

भारतीय पारंपरिक मिठाइयां और त्योहार एक-दूसरे के पर्यायवाची हैं। हर त्यौहार और अवसर को मनाने का अपना एक अनोखा तरीका होता है और अक्सर एक पारंपरिक भारतीय मिठाई के साथ। ऐसी ही एक पारंपरिक मिठाई है गणेश चतुर्थी के दौरान विशेष रूप से बनाई जाती है मोदक। मोदक एक प्रकार का पकवान है जो चावल के आटे, खोये तथा चीनी से बनाया जाता है। बाजार में आज स्टीम्ड मोदक, फ्राइड मोदक, चॉकलेट मोदक और ड्राई फ्रूट मोदक देखने को मिलते हैं और सभी का अपना अलग स्वाद है। गणेश उत्सव के मौके पर ज्यादातर लोग घर पर ही मोदक बनाना पसंद करते हैं तो इस बार आप भी हमारी इस रेसिपी के साथ इन्हें आसानी से घर पर बना सकते हैं।

अंकिता जोशी
फूड ब्लॉगर, लखनऊ

उकाडीचे स्टीम मोदक

सामग्री

भरावन के लिए

- कद्दूकस किया हुआ ताजा नारियल : 1 कप
- गुड़ (बारीक कटा हुआ) : कप
- इलायची पाउडर : छोटा चम्मच
- खसखस : 1 चम्मच
- घी : 1 चम्मच

आवरण के लिए

- चावल का आटा : 1 कप
- पानी : 1 कप
- घी : 1 छोटा चम्मच
- नमक : चुटकी भर

बनाने की विधि

सबसे पहले आप एक पैन में घी गरम करें, खसखस डालकर हल्का भूनें। अब इसमें गुड़ डालकर पिघला लें। फिर पिघले हुए गुड़ में कद्दूकस किया हुआ नारियल और इलायची पाउडर मिलाएं। इस मिश्रण को तब तक पकाएं जब तक यह गाढ़ा न हो जाए। यह आपकी भरावन तैयार है। अब एक बर्तन में पानी, घी और नमक डालकर उबाल लें। जब पानी उबल जाए, तो इसमें चावल का आटा मिलाएं और गैस बंद कर दें। इसे अच्छी तरह मिला लें और ढक्कन से ढककर 5-10 मिनट के लिए रख दें। आटा थोड़ा ठंडा होने पर, इसे हाथ से मसलकर चिकना कर लें। आटे की छोटी-छोटी लोई बनाएं, इसे कटोरी का आकार देकर इसमें भरावन भरें। किनारों पर मोदक की तरह प्लेट्स बनाकर बंद कर दें। मोदक को स्टीमर में 10-15 मिनट के लिए भाप में पकाएं।

तळिचे फ्राइड मोदक

यह मोदक बाहर से कुरकुरा और अंदर से मीठा होता है।

सामग्री

आवरण के लिए

- मैदा : 1 कप
- सूजी (बारीक) : कप
- घी (गरम किया हुआ) : कप
- नमक : चुटकी भर
- पानी : आटा गूंथने के लिए

भरावन के लिए

- कद्दूकस किया हुआ सूखा नारियल : 1 कप
- गुड़ (बारीक कटा हुआ) : कप
- इलायची पाउडर : छोटा चम्मच
- तलने के लिए : तेल या घी

बनाने की विधि

एक बर्तन में मैदा, सूजी, नमक और गरम घी मिलाएं। पानी डालकर थोड़ा सख्त आटा गूंथ लें और 15 मिनट के लिए ढककर रख दें। भरावन के लिए, एक पैन में नारियल और गुड़ को धीमी आंच पर तब तक पकाएं जब तक वह गाढ़ा न हो जाए। इसमें इलायची पाउडर मिलाएं। आटे की लोई बनाकर, पूरी की तरह बेल लें। पूरी के बीच में भरावन भरकर, मोदक की तरह मोड़कर बंद कर दें। तेल या घी गरम करें और मोदक को धीमी आंच पर सुनहरा होने तक तलें।

चॉकलेट मोदक

सामग्री

- मिल्क चॉकलेट या डार्क चॉकलेट : 1 कप
- मावा या मिल्क पाउडर : कप
- इलायची पाउडर : छोटा चम्मच
- नट्स (काजू, बादाम, पिस्ता) : 2-3 चम्मच (बारीक कटे हुए)

बनाने की विधि

एक पैन में मावा या मिल्क पाउडर को धीमी आंच पर हल्का भून लें। इसमें बारीक कटी हुई चॉकलेट मिलाएं और पूरी तरह पिघलने तक चलाएं। अब इसमें इलायची पाउडर और कटे हुए नट्स मिलाएं। मिश्रण को थोड़ा ठंडा होने दें। मोदक मोल्ड को घी से चिकना करें और मिश्रण को उसमें भरकर मोदक का आकार दें। इसे 10-15 मिनट के लिए फ्रिज में सेट होने के लिए रखें।

ड्राई फ्रूट मोदक

सामग्री

- खजूर (बिना बीज वाले) : 1 कप
- अंजीर : 5-6
- काजू, बादाम, पिस्ता : कप (बारीक कटे हुए)
- इलायची पाउडर : छोटा चम्मच
- खसखस : 1 चम्मच
- घी : 1 चम्मच

बनाने की विधि

खजूर और अंजीर को मिक्सी में पीसकर पेस्ट बना लें। एक पैन में घी गरम करें, खसखस और कटे हुए नट्स डालकर हल्का भून लें। इसमें खजूर-अंजीर का पेस्ट और इलायची पाउडर मिलाएं। मिश्रण को तब तक पकाएं जब तक यह गाढ़ा न हो जाए। मिश्रण को थोड़ा ठंडा करें। मोदक मोल्ड में मिश्रण को भरकर मोदक का आकार दें।

गुलकंद मोदक

सामग्री

- मावा : 1 कप
- गुलकंद : कप
- पिसी हुई चीनी : कप (अगर गुलकंद कम मीठा हो)
- इलायची पाउडर : छोटा चम्मच
- नट्स : 2 चम्मच (बारीक कटे हुए)

बनाने की विधि

एक पैन में मावा को हल्का भून लें और ठंडा होने दें। अब मावा में गुलकंद, पिसी हुई चीनी और इलायची पाउडर मिलाएं। मिश्रण को अच्छी तरह से मिलाकर छोटे-छोटे मोदक बना लें। आप मोदक मोल्ड का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

लखनऊ में उपचार के दौरान बंदी की मौत

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : जिला जेल में बंद एक बंदी की तबीयत बिगड़ गई। उसे पहले जिला अस्पताल और फिर लखनऊ में भर्ती कराया गया, जहां उसकी शनिवार को मौत हो गई। जेलर देवकांत वर्मा ने बताया कि थाना मैलानी के गांव संसारपुर निवासी सोनू (39) वर्ष 2018 से विभिन्न मामलों में जिला कारागार में निरुद्ध था। उस पर करीब आठ मामले दर्ज हैं। उसकी सात दिन पहले अचानक तबीयत बिगड़ गई थी। पहले उसे जेल अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन कोई सुधार न होने पर जिला अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन हालत में कोई सुधार नहीं हुआ।

अनियंत्रित कार खाई में घुसी, चालक घायल

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : पलिया कलां निवासी कमलेश श्रीवास्तव का 30 वर्षीय पुत्र आकाश शनिवार की सुबह अपनी निजी कार से लखीमपुर जा रहा था। महेवागंज के सिंगाहपुर के पास उसकी कार अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे गहरी खाई में घुस गई। जिससे आकाश गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को जिला अस्पताल भिजवाया। जहां से उसे डॉक्टरों ने लखनऊ रेफर कर दिया है।

दिल्ली राजमार्ग पर चलती कार में लगी आग

बदायूं, अमृत विचार : दिल्ली राजमार्ग पर थाना मुजरिया क्षेत्र के गांव बसावनपुर और सबदलपुर के बीच एक चलती कार में अचानक आग लग गई। जिला शाहजहांपुर के गांव कटैया उस्मानपुर निवासी अंकुल सिंह अपने ममेरे भाई शिवम सिंह के साथ कार से नोएडा जा रहे थे। रविवार सुबह कार से जलने की दुर्गंध आई। उन्होंने कार रोकी और बोनट खोलकर देखा। इंजन में आग लगी थी। उन्होंने आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन असफल रहे। सूचना पर पुलिस पहुंची। अग्निशमन विभाग को सूचना दी।

बंदरों के झुंड ने किया हमला, दो लोग घायल

उझानी, अमृत विचार : कोतवाली उझानी क्षेत्र के ग्राम देवरमयी निवासी आकाश पुत्र द्वारका प्रसाद शनिवार सुबह लगभग सात बजे मंडी से केले खरीदकर ई-रिक्शा से अपने गांव जा रहे थे। छतुइया गांव के पास बंदरों के झुंड ने ई-रिक्शा पर हमला कर दिया। ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। दिव्यांग ई-रिक्शा चालक राजा बाबू पुत्र ओमप्रकाश और आकाश घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर डायल 112 पुलिस पहुंची।

प्रधान, सचिव सहित चार पर दर्ज हुई रिपोर्ट

मनरेगा योजना में घपला करने का है मामला

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- मामला उजागर होने पर घपला करने वालों को बीडीओ ने जारी किया था नोटिस
- तकनीकी सहायक और अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी की होंगी सेवाएं समाप्त

अमृत विचार : मनरेगा योजना में घपला करने वाले ग्राम प्रधान, सचिव सहित पांच लोगों के खिलाफ बीडीओ ने संबंधित थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। वहीं डीएम के आदेश पर डीपीआरओ ने प्रधान को कारण बताओ नोटिस जारी करने और ग्राम पंचायत अधिकारी को निलंबित करने के आदेश दिए हैं। वहीं तकनीकी सहायक और अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी की सेवाएं समाप्त करने को भी डीएम ने डीसी मनरेगा को आदेशित किया है।

म्याऊं ब्लॉक क्षेत्र की ग्राम पंचायत भोला भज्जू में मनरेगा योजना में कई तिथियों में काम कराया गया था, लेकिन धरातल पर कार्य नहीं हुआ। बल्कि चकरोड पर दोनों तरफ की पटरियों पर झाड़ी और घास कटाकर कर मिटटी डाल दी गई और काम पूरा होना दिखा दिया गया। विभिन्न तिथियों में हुए कार्य के दौरान 418 मानव दिवस सृजित होना दिखा गया।

महिला मेट ने मजदूरों की उपस्थिति दिखाई गई। यह कार्य 110124 धनराशि से होना दिखाते हुए तकनीकी सहायक मुनेंद्र पाल द्वारा एमबी कर दी गई। विनोद कुमार, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी के द्वारा मौके पर न जाकर कार्य का भौतिक सत्यापन करते हुए कार्य संतोषजनक पाया जाना दिखाते हुए एमआईएस फीडिंग कराने की संस्तुति कर दी गई। इसके बाद भुगतान हो गया। इसकी शिकायत होने पर डीसी मनरेगा ने स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण में खामियां मिलने पर डीसी ने प्रधान, सचिव, तकनीकी सहायक और अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी को गबन की गई धनराशि के 33-33 प्रतिशत धनराशि जमा करने का आदेश जारी कर दिया। लेकिन लोगों के द्वारा धनराशि जमा नहीं की गई। इसके बाद मामला डीएम तक पहुंच गया। डीएम ने सीडीओ को जांच के आदेश कर दिए।

गन्ना भुगतान न देने पर बजाज की 3 चीनी मिलों पर रिपोर्ट

संवाददाता, गोला/पलिया/लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: किसानों का बकाया गन्ना मूल्य भुगतान अब तक न होने पर जिले की खंभारखेड़ा, गोला और पलिया में गन्ना सहकारी समितियों के सचिवों की तहरीर पर चीनी मिल के अध्यासी समेत चार अफसर फंस गए हैं। सदर कोतवाली, पलिया और गोला पुलिस ने बजाज मिल के अध्यासी, सीएफओ समेत चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। इससे आम किसानों को आस है कि अब उनका बकाया गन्ना भुगतान हो जाएगा, लेकिन किसान नेताओं ने इसे छलावा बताया है और कोई भी भुगतान मिलने की उम्मीदों को सिर्फ खोखला बताया है।

सहकारी गन्ना विकास समिति के सचिव बलवंत कुमार चौधरी ने दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि पेराई सत्र 2024-25 में बजाज हिंदुस्थान शुगर लि. गोला द्वारा नौ नवंबर को पेराई सत्र शुरू किया गया था। 16 मार्च तक चीनी मिल ने 137.99 लाख क्विंटल गन्ना खरीदा, जिसका भुगतान 50681.84 लाख रुपया हुआ। चीनी मिल द्वारा 14 दिन के अंदर भुगतान न करने पर किसानों का आर्थिक शोषण हुआ, जिसके लिए किसान संगठनों ने आवाज बुलंद की, लेकिन मिल प्रबंधन पर कोई असर नहीं हुआ। जिला गन्ना अधिकारी के कई पत्र लिखने से भी गन्ना भुगतान में तेजी नहीं आई तो गन्ना आयुक्त एवं चीनी ने नौ अप्रैल को नोटिस देकर गोला इकाई के विरुद्ध 41375.13 लाख रुपये की आरसी जारी कर दी, लेकिन भुगतान ने रफ्तार नहीं पकड़ी। गोला चीनी मिल पर अब भी 23247.14 लाख रुपया किसानों को गन्ना भुगतान बाकी है। गन्ना सचिव ने बजाज ग्रुप के निदेशक अजय कुमार शर्मा, यूनिट हेड नीरज कुमार बंसल, मुख्य वित्त अधिकारी सुनील कुमार ओझा और डिप्टी जीएम लीगल के खिलाफ किसानों के साथ धोखाधड़ी, आर्थिक शोषण और किसानों में असंतोष को बढ़ावा देने की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

कक्षा एक की छात्रा को बंदरों ने किया घायल

मैलानी, अमृत विचारः नगर में बंदरों का आतंक दिन व दिन बढ़ता ही जा रहा है। कन्या पाठशाला में पढ़ रही कक्षा 1 की छात्रा को बंदरों ने हमला कर घायल कर दिया। इससे पहले भी दर्जनों नगर वासियों को उत्पाती बंदर घायल कर चुके हैं। बंदरों के आतंक से नगरवसी आजिज हो चुके हैं।

मेरठ में अवैध असलहा फैक्टरी का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

मेरठ, एजेंसी : मेरठ में ब्रह्मपुरी थानाक्षेत्र में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक अवैध असलहा फैक्टरी का भंडाफोड़ कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से 32 बोर की एक पिस्तौल, दो अर्धनिर्मित पिस्तौल और असलहा बनाने के उपकरण भारी मात्रा में बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक यातायात राघवेंद्र मिश्र और क्षेत्राधिकारी ब्रह्मपुरी सौम्या अस्थाना ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस कार्रवाई में गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नावेद (26) और मोहम्मद जुबैर (24) के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्हें असलहा बनाने का सामान परवेज उर्फ फर्रो और शादाब उपलब्ध कराते थे। हथियार इन्हीं के माध्यम से बेचे जाते थे।

कार्यालय ग्राम पंचायत सपहा-94 वि.खं. पूरनपुर (पीलीभीत)

अति अल्पकालीन निविदा

सभी पंजीकृत फर्मो एवं आपूर्तिकर्ताओ को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत सपहा-94 में स्थित सभी प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के बैठने हेतु बेच (फर्नीचर) की आपूर्ति हेतु दरों की सीलबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है जो दिनांक 01.09.2025 से दिनांक 10.09.2025 तक कार्यालय ग्राम पंचायत सपहा-94 पर अपराहन् 12 बजे तक जमा की जा सकती है। जिन्हें दिनांक 11.09.2025 को कार्यालय ग्राम पंचायत सपहा-94 पर अपराहन 01 बजे खोली जायेगी। निविदा निरस्त करने का पूर्ण अधिकार ग्राम पंचायत में निहित है।

श्रीराम चंद्र (ग्राम प्रधान) अतुल कुमार (सचिव)

कार्यालय ग्राम पंचायत निजामपुरलाह वि.खं. पूरनपुर (पीलीभीत)

अति अल्पकालीन निविदा

सभी पंजीकृत फर्मो एवं आपूर्तिकर्ताओ को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत निजामपुरलाह में स्थित सभी प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के बैठने हेतु बेच (फर्नीचर) की आपूर्ति हेतु दरों की सीलबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है जो दिनांक 01.09.2025 से दिनांक 08.09.2025 तक कार्यालय ग्राम पंचायत निजामपुरलाह पर अपराहन् 12 बजे तक जमा की जा सकती है। जिन्हें दिनांक 09.09.2025 को कार्यालय ग्राम पंचायत निजामपुरलाह पर अपराहन 01 बजे खोली जायेगी। निविदा निरस्त करने का पूर्ण अधिकार ग्राम पंचायत में निहित है।

श्री छोटेलाल (ग्राम प्रधान) अतुल कुमार (सचिव)

कार्यालय ग्राम पंचायत केसरपुर कलां वि.खं. पूरनपुर (पीलीभीत)

अति अल्पकालीन निविदा

सभी पंजीकृत फर्मो एवं आपूर्तिकर्ताओ को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत केसरपुर कलां में स्थित सभी प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के बैठने हेतु बेच (फर्नीचर) की आपूर्ति हेतु दरों की सीलबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है जो दिनांक 01.09.2025 से दिनांक 10.09.2025 तक कार्यालय ग्राम पंचायत केसरपुर कलां पर अपराहन् 12 बजे तक जमा की जा सकती है। जिन्हें दिनांक 11.09.2025 को कार्यालय ग्राम पंचायत केसरपुर कलां पर अपराहन 01 बजे खोली जायेगी। निविदा निरस्त करने का पूर्ण अधिकार ग्राम पंचायत में निहित है।

श्री अनीस अहमद (ग्राम प्रधान) अतुल कुमार (सचिव)

कार्यालय ग्राम पंचायत पजाबा वि.खं. पूरनपुर (पीलीभीत)

अति अल्पकालीन निविदा

सभी पंजीकृत फर्मो एवं आपूर्तिकर्ताओ को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत पजाबा में स्थित सभी प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के बैठने हेतु बेच (फर्नीचर) की आपूर्ति हेतु दरों की सीलबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है जो दिनांक 01.09.2025 से दिनांक 08.09.2025 तक कार्यालय ग्राम पंचायत पजाबा पर अपराहन् 12 बजे तक जमा की जा सकती है। जिन्हें दिनांक 09.09.2025 को कार्यालय ग्राम पंचायत पजाबा पर अपराहन 01 बजे खोली जायेगी। निविदा निरस्त करने का पूर्ण अधिकार ग्राम पंचायत में निहित है।

श्री बंधूलाल (ग्राम प्रधान) अतुल कुमार (सचिव)

कार्यालय ग्राम पंचायत चतीपुर वि.खं. पूरनपुर (पीलीभीत)

अति अल्पकालीन निविदा

सभी पंजीकृत फर्मो एवं आपूर्तिकर्ताओ को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत चतीपुर में स्थित सभी प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के बैठने हेतु बेच (फर्नीचर) की आपूर्ति हेतु दरों की सीलबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है जो दिनांक 01.09.2025 से दिनांक 11.09.2025 तक कार्यालय ग्राम पंचायत चतीपुर पर अपराहन् 12 बजे तक जमा की जा सकती है। जिन्हें दिनांक 12.09.2025 को कार्यालय ग्राम पंचायत चतीपुर पर अपराहन 01 बजे खोली जायेगी। निविदा निरस्त करने का पूर्ण अधिकार ग्राम पंचायत में निहित है।

अनुज गौतम (ग्राम प्रधान) अतुल कुमार (सचिव)

कार्यालय ग्राम पंचायत बंजरिया वि.खं. पूरनपुर (पीलीभीत)

अति अल्पकालीन निविदा

सभी पंजीकृत फर्मो एवं आपूर्तिकर्ताओ को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत बंजरिया में स्थित सभी प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के बैठने हेतु बेच (फर्नीचर) की आपूर्ति हेतु दरों की सीलबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है जो दिनांक 01.09.2025 से दिनांक 07.09.2025 तक कार्यालय ग्राम पंचायत बंजरिया पर अपराहन् 12 बजे तक जमा की जा सकती है। जिन्हें दिनांक 08.09.2025 को कार्यालय ग्राम पंचायत बंजरिया पर अपराहन 01 बजे खोली जायेगी। निविदा निरस्त करने का पूर्ण अधिकार ग्राम पंचायत में निहित है।

श्री गुरूदेव सिंह (ग्राम प्रधान) अतुल कुमार (सचिव)

कार्यालय ग्राम पंचायत किशनपुर हरीपुर वि.खं. पूरनपुर (पीलीभीत)

अति अल्पकालीन निविदा

सभी पंजीकृत फर्मो एवं आपूर्तिकर्ताओ को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत किशनपुर हरीपुर में स्थित सभी प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के बैठने हेतु बेच (फर्नीचर) की आपूर्ति हेतु दरों की सीलबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है जो दिनांक 01.09.2025 से दिनांक 11.09.2025 तक कार्यालय ग्राम पंचायत किशनपुर हरीपुर पर अपराहन् 12 बजे तक जमा की जा सकती है। जिन्हें दिनांक 12.09.2025 को कार्यालय ग्राम पंचायत किशनपुर हरीपुर पर अपराहन 01 बजे खोली जायेगी। निविदा निरस्त करने का पूर्ण अधिकार ग्राम पंचायत में निहित है।

ऊषा देवी (ग्राम प्रधान) अतुल कुमार (सचिव)

कार्यालय ग्राम पंचायत दुर्जनपुर कलां वि.खं. पूरनपुर (पीलीभीत)

अति अल्पकालीन निविदा

सभी पंजीकृत फर्मो एवं आपूर्तिकर्ताओ को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत दुर्जनपुर कलां में स्थित सभी प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के बैठने हेतु बेच (फर्नीचर) की आपूर्ति हेतु दरों की सीलबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है जो दिनांक 01.09.2025 से दिनांक 07.09.2025 तक कार्यालय ग्राम पंचायत दुर्जनपुर कलां पर अपराहन् 12 बजे तक जमा की जा सकती है। जिन्हें दिनांक 08.09.2025 को कार्यालय ग्राम पंचायत दुर्जनपुर कलां पर अपराहन 01 बजे खोली जायेगी। निविदा निरस्त करने का पूर्ण अधिकार ग्राम पंचायत में निहित है।

पंछी देवी (ग्राम प्रधान) अतुल कुमार (सचिव)

कार्यालय ग्राम पंचायत सोंधा वि.खं. पूरनपुर (पीलीभीत)

अति अल्पकालीन निविदा

सभी पंजीकृत फर्मो एवं आपूर्तिकर्ताओ को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत सोंधा में स्थित सभी प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के बैठने हेतु बेच (फर्नीचर) की आपूर्ति हेतु दरों की सीलबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है जो दिनांक 01.09.2025 से दिनांक 09.09.2025 तक कार्यालय ग्राम पंचायत सोंधा पर अपराहन् 12 बजे तक जमा की जा सकती है। जिन्हें दिनांक 10.09.2025 को कार्यालय ग्राम पंचायत सोंधा पर अपराहन 01 बजे खोली जायेगी। निविदा निरस्त करने का पूर्ण अधिकार ग्राम पंचायत में निहित है।

शालिनी देवी (ग्राम प्रधान) अतुल कुमार (सचिव)

कार्यालय ग्राम पंचायत सुल्तानपुर वि.खं. पूरनपुर (पीलीभीत)

अति अल्पकालीन निविदा

सभी पंजीकृत फर्मो एवं आपूर्तिकर्ताओ को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत सुल्तानपुर में स्थित सभी प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के बैठने हेतु बेच (फर्नीचर) की आपूर्ति हेतु दरों की सीलबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है जो दिनांक 01.09.2025 से दिनांक 12.09.2025 तक कार्यालय ग्राम पंचायत सुल्तानपुर पर अपराहन् 12 बजे तक जमा की जा सकती है। जिन्हें दिनांक 13.09.2025 को कार्यालय ग्राम पंचायत सुल्तानपुर पर अपराहन 01 बजे खोली जायेगी। निविदा निरस्त करने का पूर्ण अधिकार ग्राम पंचायत में निहित है।

श्रीमती जगवत्ता देवी (ग्राम प्रधान) अतुल कुमार (सचिव)

कार्यालय ग्राम पंचायत बांगर वि.खं. पूरनपुर (पीलीभीत)

अति अल्पकालीन निविदा

सभी पंजीकृत फर्मो एवं आपूर्तिकर्ताओ को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत बांगर में स्थित सभी प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के बैठने हेतु बेच (फर्नीचर) की आपूर्ति हेतु दरों की सीलबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है जो दिनांक 01.09.2025 से दिनांक 09.09.2025 तक कार्यालय ग्राम पंचायत बांगर पर अपराहन् 12 बजे तक जमा की जा सकती है। जिन्हें दिनांक 10.09.2025 को कार्यालय ग्राम पंचायत बांगर पर अपराहन 01 बजे खोली जायेगी। निविदा निरस्त करने का पूर्ण अधिकार ग्राम पंचायत में निहित है।

मुन्नी देवी (ग्राम प्रधान) अतुल कुमार (सचिव)

कार्यालय ग्राम पंचायत धनेगा वि.खं. पूरनपुर (पीलीभीत)

अति अल्पकालीन निविदा

सभी पंजीकृत फर्मो एवं आपूर्तिकर्ताओ को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत धनेगा में स्थित सभी प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के बैठने हेतु बेच (फर्नीचर) की आपूर्ति हेतु दरों की सीलबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है जो दिनांक 01.09.2025 से दिनांक 12.09.2025 तक कार्यालय ग्राम पंचायत धनेगा पर अपराहन् 12 बजे तक जमा की जा सकती है। जिन्हें दिनांक 13.09.2025 को कार्यालय ग्राम पंचायत धनेगा पर अपराहन 01 बजे खोली जायेगी। निविदा निरस्त करने का पूर्ण अधिकार ग्राम पंचायत में निहित है।

रिनत (ग्राम प्रधान) अतुल कुमार (सचिव)

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/आर.एस.पी., पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-प्रापण निविदाएँ आमंत्रित करते हैं :

क्रम सं. : 1, ई-प्रापण निविदा संख्या : NER-GKP-RSP-2025-15, **कार्य का नाम :** लखनऊ मंडल के गोण्डा–गोण्डा कचहरी स्टेशनों के बीच किमी. 658/9-659/0 पर एल.सी. संख्या 261/ए के स्थान पर दो लेन के एंड–टू–एंड रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) का निर्माण, जिसमें आर.ई. वाल/पीएससी गर्डर/कम्पोजिट गर्डर शामिल हैं और रेलवे हिस्से में आर.डी.एस.ओ. के कैमल बैक ट्रस प्रकार के गर्डर का उपयोग किया जायेगा, **अनुमानित निविदा मूल्य :** रु. 51,49,66,258.87, **बयाना राशि :** रु. 27,24,800.00, **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** रु. 0.00 शून्य, **कार्य पूर्ण करने की अवधि :** 24 महीने।

• बिड प्रारम्भ करने की तिथि - **दिनांक 09.09.2025** • उपरोक्त ई-निविदा सबमिशन की अन्तिम तिथि - **दिनांक 23.09.2025, 15:00 बजे तक** • उपरोक्त ई-निविदा खुलने की तिथि - **दिनांक 23.09.2025, 15:00 बजे** • निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्तें वेबसाइट **http://ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है। • निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होंगे।

अधिशासी अभियन्ता/निर्माण/आर.एस.पी.

मुजाधि/डब्ल्यू-230 पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर

ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें

एपीके डाउनलोड करते ही खाली हो जाएगा बैंक खाता

ऋषिदेव गंगवार, बदायूं

- लोगों के व्हाट्सएप नंबर पर कार्यक्रम का निमंत्रण पत्र बता एपीके फाइल भेज रहे साइबर ठग

अमृत विचार : जैसे टेक्नोलॉजी हाईटेक हो रही हैं वैसे साइबर ठगी की घटनाएं बढ़ रही हैं। घटनाओं पर नियंत्रण के लिए साइबर थाने की ओर से लगातार जागरूक किया जा रहा है, लेकिन लोग लालच में आकर अपनी जमा पूंजी गवां दे रहे हैं। ऑनलाइन खेल तो किसी को रुपये दोगुने करने का लालच देकर जाल में फंसाया जा रहा है। अब ठग सरकारी योजनाओं से फायदा उठा रहे हैं। वहीं एपीके फाइल भेजकर लोगों के खाते खाली किए जा रहे हैं। यह फाइलें डाउनलोड करते ही खाते से रुपये उड़ जा रहे हैं।

शहर के मोहल्ला मधुवन कॉलोनी मोहित गुप्ता के व्हाट्सएप नंबर पर अज्ञात नंबर से दोपहर और फिर शाम को मैसेज आया। इसमें लिखा था कि शादी में जरूर आना पूरे परिवार के साथ।

12 नवंबर की लोकेशन आपकी कार्ड में मिल जाएगी। हिंदी के अलावा यही बात अंग्रेजी में लिखी थी। साथ में दो एपीके एक्सटेंशन की फाइलें भेजी गई थीं। जिसका नाम वेडिंग इनविटेशन कार्ड था। मोहित गुप्ता शादी के बारे में जानने के लिए फाइल डाउनलोड करने जा रहे थे कि उनकी पत्नी ने कहा कि अगर किसी को शादी में बुलाना होता तो लोकेशन के कार्ड क्यों खोलना। ऊपर भी तो लिखा जा सकता था। पत्नी की जागरुकता की वजह से उनके रुपये बच गए। वहीं अधिवक्ता मोहित पांडेय को एक बाइक के चालान के रुपये जमा करने थे। 30 जुलाई को उनके पास एपीके एक्सटेंशन की फाइल पहुंची। उन्होंने चालान की जानकारी के लिए उस फाइल को डाउनलोड कर लिया। इसी दौरान उनके बैंक खाते से पहली बार में 5050 रुपये, फिर 5050 और तीसरी बार 3751 रुपये कट गए। उन्होंने साइबर के हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत का प्रयास किया, लेकिन नंबर नहीं मिला तो 4 अगस्त को साइबर थाने जाकर शिकायत की, लेकिन रुपये वापस नहीं आए।

पब्लिक नोटिस

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि सुमीत कुमार पुत्र वीरेन्द्र कुमार नि. 78 रोहली टोला पुराना शहर, बरेली के एक किता मकान नं. पुराना 71-बी व नया नं. आर.टी.सी. -1059 रक्बई 40.34 वर्गमी. वाकै रोहली टोला पुराना शहर जिला बरेली से सम्बन्धित दो पूर्व मूल बैनामें प्रथम बैनामा जो चमेली देवी आदि ने सरला देवी के हक में निष्पादित किया था जिसकी रजिस्ट्री दिनांक 15.03.1997 ई. को बही सं. 1 जिल्द 337 के पृष्ठ 45-62 मे नं. 1112 पर हुई है व द्वितीय बैनामा जो सरला देवी ने नीरा देवी व नाबालिग अमित पुत्र प्रेमशंकर के हक में निष्पादित किया था जिसकी रजिस्ट्री दिनांक 20.03.1997 ई. को बही सं. 1 जिल्द सं. 338/59 के पृष्ठ 237-274/48-50 में नं. 1176 पर हुई है जो कहीं खो गये है जिसके खोने की सूचना दिनांक 28.08.2025 को ई-थाना पर दर्ज कराई जा चुकी है। अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि किसी अन्य व्यक्ति/बैंक/संस्था आदि को उक्त बैनामों व नाबालिग अमित के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति 07 दिन के अन्दर मुझे व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर दर्ज करा सकता है।

बलिया रेलवे स्टेशन पर यात्री के पास से 25 लाख बरामद

बलिया, एजेंसी : बलिया के सुरेमनपुर रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने एक यात्री के पास से 25 लाख रुपये बरामद किए हैं। आरपीएफ निरीक्षक बीके सिंह ने बताया कि यात्री उत्सर्ग एक्सप्रेस ट्रेन में सवार होकर बिहार के छपरा जा रहा था। उन्होंने बताया कि यात्री की पहचान बलिया जिले के बैरिया थाना क्षेत्र के गोहिया छपरा गांव निवासी अक्षय कुमार सोनी के रूप में हुई है। वह बरामद धनराशि को लेकर कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। उन्होंने बताया कि इस मामले की जानकारी दिए जाने पर आयकर विभाग की टीम मौके पर पहुंची।

आयकर विभाग ने अक्षय कुमार सोनी को आयकर अधिनियम की संबंधित धारा के तहत नोटिस जारी किया है। आरपीएफ ने बरामद धनराशि को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। बलिया-छपरा रेल खंड पर ट्रेन में यात्री के पास से भारी धनराशि बरामद होने की यह तीसरी घटना है। चार अगस्त को जांच के दौरान जीआरपी ने स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस ट्रेन की सामान्य बोगी में एक यात्री के बैग से 53,96,500 रुपये मिले थे।

कार्यालय जिलाधिकारी, पीलीभीत

पत्रांक: 1699/जि.आब.अधि./पीलीभीत दिनाक: 30.08.2025

चेतावनी/अपील

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अवैध स्थानों/अड्डों से बिकने वाली मदिरा का सेवन कदापि न करें। यदि मदिरा का उपभोग किया जाना आवश्यक ही है तो आबकारी की अनुज्ञापित दुकानों से ही मदिरा खरीदें तथा सील एवं क्यू.आर.कोड को देखकर ही मदिरा का सेवन करें, अवैध स्थानों/अड्डों से मिलने वाली मदिरा जहरीली हो सकती है, वह मिथाइल अल्कोहल भी हो सकती है, जो तीव्र विष है तथा इसके आंशिक सेवन से ही आंखों की रोशनी जा सकती है और व्यक्ति की मृत्यु भी हो सकती है। सस्ते दाम व फ्री में मदिरा उपलब्ध कराने का प्रलोभन देने वाले व्यक्ति नकली व मिलावटी शराब बेच सकता है, जिससे जनहानि हो सकती है। इसके अतिरिक्त हरियाणा एवं नेपाल निर्मित अवैध मदिरा का सेवन कदापि न करें। यह मदिरा मिलावटी होने के साथ-साथ जानलेवा भी हो सकती है। अतः किसी भी दशा में अवैध स्थानों/अड्डों से अवैध मदिरा खरीदकर सेवन न करें। अवैध मदिरा के निर्माण, बिक्री व तस्करी की सूचना प्राप्त होने पर निम्न मोबाइल नम्बरों पर सूचना दे सकते हैं। सूचना देने वाले का नाम व पता गोपनीय रखा जायेगा।

	सी.यू.जी./मोबाइल नम्बर
जिला आबकारी अधिकारी	9454465648
आबकारी निरीक्षक, क्षेत्र-प्रथम (तहसील सदर)	9454466485
आबकारी निरीक्षक, क्षेत्र-द्वितीय (तहसील बीसलपुर)	9454466486
आबकारी निरीक्षक, क्षेत्र-तृतीय (तहसील पूरनपुर)	9454466487
आबकारी निरीक्षक, क्षेत्र-चतुर्थ (तहसील अमरिया)	8750577591
आबकारी निरीक्षक, क्षेत्र-पंचम (तहसील कलीनगर)	8920364660
टोल फ्री नम्बर-	14405
व्हाटसप नम्बर-	9454466019

जिला आबकारी अधिकारी पीलीभीत **जिलाधिकारी पीलीभीत**

कार्यालय उपायुक्त-स्वतः रोजगार, बरेली

पत्रांक: 3259/एन.आर.एल.एम./सी.एल.एफ.बुक कीपर चयन/2025-26 दिनांक: 30.08.2025

विज्ञप्ति

उ.प्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन लखनऊ के कार्यालय पत्रांक- 3385/3115/आजीविका/2022-23 लखनऊ दिनांक 01 सितम्बर 2022, पत्रांक- 5063/आजीविका/2022-23 लखनऊ दिनांक 29 नवम्बर 2022, पत्रांक- 6037/3115/आजीविका/2023-2024 लखनऊ दिनांक 18 सितम्बर 2023, पत्रांक- 6207/3115/आजीविका/2023-2024 लखनऊ दिनांक 30 सितम्बर 2023 एवं पत्रांक- 930/4819/बुक कीपर चयन/2025-2026 लखनऊ दिनांक 06 जून 2025 द्वारा जिन संकुल स्तरीय संघो में CLF BOOK KEEPER का चयन अब तक नहीं हुआ है, उनका चयन नई नीति में दी गई प्रक्रिया का अनुपालन करते हुए प्राथमिकता के आधार पर कराये जाने के निर्देश दिये गये हैं।

संकुल स्तरीय संघ खाता लेखक नीति CLF BOOK KEEPER सम्बन्धित मुख्य बिन्दु निम्नलिखित है-

1. संकुल स्तरीय संघ खाता लेखक चयन की योग्यता/मापदण्ड-

- संकुल स्तरीय संघ खाता लेखक अनिवार्य रूप से उ.प्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के महिला समूह का सदस्य होना चाहिए एवं अभ्यर्थी का समूह अनिवार्य रूप से ग्राम संगठन एवं संकुल स्तरीय संघ का सदस्य होना चाहिए।
- अभ्यर्थी की आयु 21 से 45 वर्ष के बीच होनी चाहिए।
- वह अपने समूह या किसी बैंक का डिफाल्टर नहीं होना चाहिए।
- अभ्यर्थी कम से कम 12 वीं कक्षा पास होना अनिवार्य है एवं इसके साथ हिन्दी लिखना पढ़ना जानती हो, उसे अंक गणित का अच्छा ज्ञान होना चाहिए।
- अभ्यर्थी केपास स्मार्ट फोन/ऐंड्रायड फोन उपलब्ध हो एवं उस पर कार्य करने की दक्षता होनी चाहिए।
- अभ्यर्थी बैंक शाखा में एवं अन्य गांव में यात्रा करने में इच्छुक होनी चाहिए, आवश्यकतानुसार स्वयं सहायता समूह, ग्राम संगठन एवं संकुल स्तरीय संघ की बैठक और क्षेत्र भ्रमण में जाने को भी इच्छुक होनी चाहिए। इसके साथ ही साथ राज्य के भीतर एवं बाहर एक्सपोजर यात्राओं एवं प्रशिक्षण के लिए भी इच्छुक होना चाहिए।
- अभ्यर्थी को अनिवार्य रूप से 03 वर्ष का पुस्तक लिखने का न्यूनतम अनुभव स्वयं सहायता समूह या ग्राम संगठन या संकुल स्तरीय संघ में होनी चाहिए या स्वयं सहायता समूह, ग्राम संगठन एवं संकुल स्तरीय संघ में कुल मिलाकर पुस्तक लिखने का न्यूनतम 3 साल का अनुभव होना चाहिए।

संकुल स्तरीय संघ के खाता लेखक चयन हेतु रिक्त पदों का विवरण

क्र.सं.	ब्लॉक का नाम	कुल गठित सी.एल.एफ.	कुल रिक्त पद	टिप्पणी
1	AALAMPUR JAFRABAD	4	4	लोकोस ऐप पर अंकित समस्त सी.एल.एफ. में एक सी.एल.एफ. के सापेक्ष 01 पद सी.एल.एफ. बी.के. के रूप में भरा जाना है। (किसी भी परिस्थिति में संकुल स्तरीय संघ के खाता लेखक को होम संकुल स्तरीय संघ में काम करने की अनुमति नहीं दी जायेगी।)
2	BAHERI	4	4	
3	BHADPURA	4	4	
4	BHOJIPURA	4	4	
5	BHUTA	4	4	
6	BITHRI CHAINPUR	4	1	
7	FARIDPUR	4	4	
8	FATEHGANJ WEST	4	4	
9	KYARA	4	4	
10	MAJHGAWAN	4	4	
11	MIRGANJ	4	4	
12	NAWABGANJ	4	4	
13	RAMNAGAR	4	4	
14	RICCHA	4	4	
15	SHERGARH	4	4	
	TOTAL	**60**	**57**	

नोटः- आवेदन हेतु अन्तिम तिथि- 05.09.2025 है आवेदक को लिखित परीक्षा, साक्षात्मकार हेतु दिए गए मानकों के आधार पर ही चयन किया जाएगा। चयन समिति का निर्णय अन्तिम एवं सर्वोपरि माना जाएगा। विज्ञप्ति के पदों की संख्या को आवश्यकतानुसार कम या अधिक किया जा सकता है।

उपायुक्त स्वतः रोजगार, बरेली

ध्यायतो विषयान्पुंस: सङ्गस्तेषूपजायते। सङ्गात्संजायते काम: कामात्क्रोधोऽभिजायते ॥

गीता में श्रीकृष्ण जी कहते हैं, विषय-वस्तुओं के बारे में सोचते रहने से मनुष्य को उनसे आसक्ति हो जाती है। उनमें कामना पैदा होती है और कामनाओं में विघ्न आने से क्रोध की उत्पत्ति होती है। कोशिश करें कि विषयाशक्ति से दूर रहते हुए कर्म में लीन रहा जाए।

संभल रिपोर्ट: सभी का कर्तव्य है समाज प्रीतिपूर्ण बने

> संभल की वास्तविकता और हिंसा ने हजारों लोगों को आहत व सावधान किया है। सब अपना-अपना कर्तव्य पालन करें। हिंदुओं का पलायन गंभीर चिंता का विषय है। हिंदू जब किसी पुराने इलाके को छोड़कर जाते हैं, तो उनके मंदिर यहीं रह जाते हैं। कोई यों ही अपना घर नहीं छोड़ता। वह विषम परिस्थितियों का सामना करता है। जब सब तरफ से निराश हो जाता है, तभी अपना घर छोड़ता है। स्वाधीनता से लेकर अब तक संभल में 15 दंगे हुए हैं। हिंदू समुदाय की जनसंख्या के घटने का यही कारण है।

दंगा अंधा युद्ध है। इसमें शत्रु का सही पता नहीं होता। आग लगाने, बम फोड़ने वाले नहीं जानते कि वे किसे मार रहे हैं? दंगा राष्ट्र-राज्य के विरुद्ध हमले की कार्रवाई है। संभल दंगों की रिपोर्ट आ गई है। रिपोर्ट में अन्य बातों के अलावा संभल के जनसांख्यिकीय चरित्र का भी उल्लेख किया गया है। जनसांख्यकीय चरित्र में बदलाव से राष्ट्र जीवन के तमाम क्षेत्र प्रभावित होते हैं। रिपोर्ट के अनुसार 1947 में संभल की आबादी 45 प्रतिशत थी, जो अब घटकर 15 प्रतिशत ही रह गई है। साफ है कि इसी चरित्र के प्रभाव में हिंदू पलायन के लिए विवश हुए हैं। मुस्लिम आबादी के आधार पर ही पाकिस्तान की मांग की गई थी। 1951 की जनगणना में हिंदू 85 प्रतिशत थे और मुसलमान 10 प्रतिशत।

सैयद शहाबुद्दीन के अनुसार सन् 1991 में हिंदू 81.5 प्रतिशत और मुस्लिम 12.6 प्रतिशत थे। यहां मुस्लिम आबादी का प्रतिशत लगातार बढ़ता रहा है। 2011 की जनगणना में हिंदू 79.8 प्रतिशत थे, मुस्लिम 14.2 प्रतिशत। तब से जनगणना नहीं हुई है, लेकिन मोटे तौर पर देश में अब 80.8 प्रतिशत हिंदू होंगे और 16.3 प्रतिशत मुस्लिम होंगे। पड़ोसी देश पाकिस्तान में विभाजन के समय 24 प्रतिशत हिंदू थे। अब 1.6 प्रतिशत हैं। बांग्लादेश बनने के समय हिंदुओं की आबादी 22 प्रतिशत थी अब 7 प्रतिशत है। संभल की भी यही स्थिति है।

आबादी का असंतुलन राष्ट्रीय बेचैनी है। मुस्लिम आबादी नियंत्रण के आधुनिक तरीके नहीं अपनाते। मौलवी हिंदुओं को बुतपरस्त बताकर आलोचना करते हैं। राष्ट्र का अस्तित्व नहीं मानते। राष्ट्र सर्वोपरिता की बात नहीं स्वीकार करते। संभल उदाहरण है। इसके अलावा जहां-जहां हिंदू अल्पसंख्यक हैं, वहां-वहां उनका जीवन दुखमय है। लगातार दहशत और हत्या की आशंका से अल्पसंख्यक हिंदू डरे रहते हैं और पीड़ित होकर पलायन करने को मजबूर हो जाते हैं। यह विषय बहुत गंभीर है।

सरकारें अपना काम करती रहती हैं। सरकारी तंत्र की विवशता है कि वह घटना के बाद सक्रिय होता है। संभल के मामले में भी तुरंत कार्रवाई हुई। जांच समिति भी गठित की गई, लेकिन संभल में ही 75 वर्षों में 209 हिंदू मारे गए। राष्ट्रीय राजनीति में ऐसे नाजुक प्रश्नों को भी सतही राजनीतिक बहस का मुद्दा बनाया जाता है। एक समय संभल में 68 तीर्थ स्थल थे और 19 विशेष प्रकार के पवित्र कुएं थे। इन पर धीरे-धीरे अवैध कब्जे होते रहे। इससे अर्थ निकलता है कि संभल के महत्वपूर्ण मंदिर गिरा दिए गए हैं। संभल के दंगों में ही मूर्तियां और मंदिर नहीं गिराए गए, उनकी यही प्रवृत्ति है। इस विचारधारा में मंदिरों और मूर्तियों को नष्ट करने योग्य माना जाता है।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उ.प्र.

तालिबानियों ने बामियान में मूर्तियों को ढहाया था। भारत के कोने-कोने हजारों सुंदर मंदिर थे। सातवीं शताब्दी में मोहम्मद बिन कासिम से लेकर औरंगजेब तक मूर्ति तोड़ो अभियान चलता रहा था। आखिरकार मूर्तियों से उनका क्या झगड़ा है? समिति ने संभल के दंगों में भी एक वरिष्ठ राजनेता का उत्तेजित करने वाले भाषण का उल्लेख किया है।

महात्मा गांधी हिंदू-मुस्लिम सहअस्तित्व के समर्थक थे। गांधी जी ने मुसलमानों का दिल जीतने के लिए खिलाफत आंदोलन का नेतृत्व किया था। खिलाफत घोर सांप्रदायिक आंदोलन था। इसका भारत से कोई लेना-देना नहीं था। खिलाफत आंदोलन के कारण, भारत से बाहर के थे। तमाम प्रयासों के बाद गांधी जी ने अंत में लिखा, 'हिंदू मुस्लिम एकता के प्रश्न पर मैं अपनी हार स्वीकार करता हूं।'

हिंदू-मुस्लिम एकता के कुछ समर्थक एक साझा आस्था के संघीय स्वरूप पर बल दे रहे थे, अर्थात् हिंदू हजरत मोहम्मद और कुरान को सम्मान दें और मुसलमान राम, कृष्ण, शिव और गीता, वेद आदि-आदि का सम्मान करें। हिंदू मन के लिए यह काम आसान था। मुस्लिम के लिए दुष्कर। हिंदू जीवन रचना में पूरे अस्तित्व को एक सत्ता माना गया है। फिर मजहब के आधार पर अलग मुल्क पाकिस्तान की मांग हुई। इस मांग के समर्थन में सीधी कार्रवाई की गई। लाखों हिंदू मारे गए। पाकिस्तान बना। दोनों अपने-अपने देश को विकसित कर रहे थे। फिर पाकिस्तान से टूट कर बांग्लादेश बना। पाकिस्तान कृत्रिम राष्ट्र है। राष्ट्र मजहब से नहीं बनते। संभल उसी प्रवृत्ति का एक उदाहरण है। असली बात है भारत को कमजोर करने की इसी समूह की मुसलसल 'साजिश'। आखिरकार भारत विरोधी इस विचारधारा के साथ क्या सलूक किया जाए!

राम जन्मभूमि के साक्ष्य एएसआई की खुदाई में मिले। इस विचारधारा और छद्म सेकुलरों ने राम जन्मभूमि के साक्ष्य को स्वीकार नहीं किया। फिर काशी का मसला आया। उन्होंने यहां भी खुदाई से उपलब्ध साक्ष्य का सम्मान नहीं किया। मथुरा का श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर भी इसी श्रेणी में है। आश्चर्यजनक बात यह है कि जहां-जहां भी गहरी खुदाई होती है, वहां-वहां गहराई में कोई मूर्ति, कोई उपासना स्थल, हिंदुत्व के ऐसे ही प्रतीक मिल जाते हैं। उनकी यह विचारधारा फलती-फूलती रहती है। प्रत्येक राष्ट्र भक्त का यह कर्तव्य है कि वह इस विचारधारा का खुलकर प्रतिकार करे।

संभल की वास्तविकता और हिंसा ने हजारों लोगों को आहत व सावधान किया है। सब अपना-अपना कर्तव्य पालन करें। हिंदुओं का पलायन गंभीर चिंता का विषय है। हिंदू जब किसी पुराने इलाके को छोड़कर जाते हैं, तो उनके मंदिर यहीं रह जाते हैं। कोई यों ही अपना घर नहीं छोड़ता। वह विषम परिस्थितियों का सामना करता है। जब सब तरफ से निराश हो जाता है, वह तभी अपना घर छोड़ता है।

स्वाधीनता से लेकर अब तक संभल में 15 दंगे हुए हैं। हिंदू समुदाय की जनसंख्या के घटने का यही कारण है। हर एक दंगा निर्दोषों की जान लेकर अगले दंगे की आशंका छोड़ जाता है। सरकारों के लिए परेशानी का कारण बनता है। कोई भी सरकार अपने यहां दंगा नहीं चाहती। योगी सरकार ने प्रत्येक स्तर पर सख्त कार्रवाई की है। दंगों में शामिल आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की है। पीड़ितों को सरकारी सहायता पहुंचाई गई है। विलुप्त हो चुके अनेक तीर्थ मंदिर और धर्म स्थलों को संवारने की कोशिश हो रही है।

दंगाविहीन समाज बनाना प्रत्येक सामाजिक कार्यकर्ता, जागरूक नागरिक और सरकार का कर्तव्य है कि समाज प्रीतिपूर्ण बने। जनसंख्या में आए नकारात्मक बदलाव को ध्यान से देखना चाहिए, तभी इस रिपोर्ट का कोई सदुपयोग होगा। शुभ है कि तीन सदस्यों की जांच समिति ने तथ्यों को जुटाने में बड़ा परिश्रम किया है। इन तीन सदस्यों (सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति देवेंद्र नाथ अरोड़ा की अध्यक्षता में सेवानिवृत्त डीजीपी एके जैन और सेवानिवृत्त आईएएस अमित मोहन प्रसाद) ने मिलकर जांच को प्रमाणिक बनाया है। 450 पृष्ठ की इस रिपोर्ट में संभल में होने वाले दंगों की विवेचना है। पिछले वर्ष 23 नवंबर को संभल में हुई हिंसा पर समिति ने विचार किया। संभल अकेला नहीं है। देश के कोने-कोने अनेक संभल हैं। जांच समिति की कार्रवाई अनेक राज्यों में भी अनुकरणीय हो सकती है। समिति की रिपोर्ट पर व्यापक विमर्श होना चाहिए। इस विमर्श से दंगों के प्रेरक तत्वों व दंगाई विचारधारा की कार्यशैली को समझने में आसानी होगी।

आत्मनिर्भर बनने का अवसर

भारत के सामने ट्रंप टैरिफ की आपदा मुंह बाए खड़ी है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया है। इसमें रूस से तेल खरीदने पर लगने वाला 25 फीसदी जुर्माना भी शामिल है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ को लेकर की जा रही मनमानी के आगे भारत ने घुटने टेकने से साफ मना कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस आपदा को अवसर की तरह देख रहे हैं। साथ ही भारत पूरी दुनिया को बता रहा है कि वह एक मजबूत देश है और दुनिया के तमाम देश उस पर भरोसा करते हैं। उसी क्रम में पीएम मोदी ने 29 अगस्त को जापान की धरती से बड़ा संदेश दिया है। पीएम मोदी ने कहा है, "अब पूरी दुनिया सिर्फ भारत को देख ही नहीं रही, बल्कि उस पर भरोसा भी कर रही है।"

डॉ. आशीष वशिष्ठ
स्वतंत्र पत्रकार

ट्रंप टैरिफ ने भारत के सामने नई चुनौती रखी है। वहीं तस्वीर का दूसरा रूख यह है कि ट्रंप टैरिफ भारत को आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा देता है। स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान दिल्ली के लाल किले से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आत्म निर्भर भारत बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, "हमें आत्मनिर्भर बनने की जरूरत है, लेकिन हताशा में नहीं बल्कि खुद पर गर्व करते हुए। दुनिया भर में आर्थिक स्वार्थ बढ़ रहा है और हमें अपनी मुश्किलों का रोना नहीं रोना चाहिए। हमें इनसे ऊपर उठकर दूसरों के चंगुल से बचना होगा।"

> ट्रंप ने भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया है। ट्रंप के ट्रैफिक में भी एक अवसर छिपा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुकानदारों से अपील की है कि वे अपनी दुकानों के बाहर लिखें 'यहां स्वदेशी सामान मिलता है।' यह केवल नारा नहीं, बल्कि आर्थिक स्वतंत्रता की दिशा में बड़ा कदम है।

बीते दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात में सुजुकी मोटर्स के कार्यक्रम में स्वदेशी की पुरजोर वकालत और उसकी नई व्याख्या से लोगों को चौंका दिया है। उन्होंने कहा, "पैसा किसका लगता है... वो डॉलर है, पाउंड है, वो करंसी काली है, गोरी है, मुझे कोई लेना-देना नहीं है। पैसा किसी का, पसीना हमारा। पैसा कहीं से आए, पसीना यहां का लगे।"

जहां तक आत्मनिर्भरता की बात है, तो तमाम प्रधानमंत्री उसका जिक्र करते रहे हैं। लालबहादुर शास्त्री ने तो अमेरिकी कानून पीएल 480 के तहत आने वाले गेहूं का आयात बंद कर दिया था, क्योंकि अमेरिका इससे भारत की विदेश नीति प्रभावित करने की कोशिश में था। अमेरिकी गेहूं का आयात बंद होने से ही हरित क्रांति का रास्ता खुला और देश अनाज के उत्पादन में आत्मनिर्भर हो सका। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी स्वावलंबन के इस नारे को आगे बढ़ाया, लेकिन स्वदेशी को आंदोलन बनाने की घोषणा किसी ने नहीं की। वे बदलती दुनिया के साथ कदमताल को जरूरी मानते थे।

अमेरिका के साथ व्यापार समझौते की कोशिशें अब भी जारी हैं, लेकिन इसमें सबसे बड़ा रोड़ा भारत की विदेश नीति को पूरी तरह बदलने की ट्रंप की जिद है। कृषि क्षेत्र को ज्यादा से ज्यादा खोलने जैसे मुद्दे भी रुकावट बने हुए हैं। भारत, पाकिस्तान की तरह उसका पिछलग्गू नहीं बन सकता। अपने फैसले खुद लेने की आजादी और राष्ट्रीय गौरव बरकरार रखने की सोचते समय स्वाधीनता संग्राम को याद करना और स्वदेशी का ध्यान आना स्वाभाविक ही है। प्रधानमंत्री ने दुकानदारों से भी अपील की है कि वे अपनी दुकानों के बाहर लिखें, 'यहां स्वदेशी सामान मिलता है।' यह केवल नारा नहीं, बल्कि आर्थिक स्वतंत्रता की दिशा में बड़ा कदम है।

श्री राधा-कृष्ण का रहस्यमय स्वरूप

हर साल भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी को श्रीराधा-रानी के प्राकट्य उत्सव के रूप में मनाया जाता है। इस दिन को राधा अष्टमी भी कहते हैं। राधा अष्टमी का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है। इसे राधा-कृष्ण मंदिरों में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की तरह ही मनाया जाता है। राधा संस्कृत भाषा का मूल शब्द है। इसका अर्थ आराधना और उपासना है। राधा शब्द के दो अर्थ हैं और दोनों ही सही हैं। राधा का एक अर्थ है वह जो श्रीकृष्ण की प्रार्थना और पूजा करती है। दूसरा अर्थ है, वह जिसकी पूजा ब्रह्म श्रीकृष्ण करते हैं, वह राधा है। ये परस्पर विपरीत अर्थ हैं। इसे राधा इसलिए कहा जाता है, क्योंकि वह ब्रह्म कृष्ण की पूजा करती है और उसे राधा इसलिए कहा जाता है, क्योंकि ब्रह्म कृष्ण उसकी पूजा करते हैं। इस प्रकार दोनों प्रकार के कथन शास्त्रों में पाए जाते हैं। इसलिए, राधा शब्द के दो अर्थ हैं और दोनों ही सही हैं।

पर राधा तत्व वास्तव में बहुत गूढ़ है। इसका उत्तर केवल एक शब्द में है, 'अवर्णनीय।' वेदों में राधा के स्वरूप को अवर्णनीय बताया गया है। दूसरे शब्दों में, यह वाणी, मन या बुद्धि का विषय नहीं है। फिर भी कुछ बुनियादी ज्ञान देने और भक्तों को उनके भक्ति मार्ग में सहायता करने के लिए सभी रसिक संतों, शास्त्रों और वेदों ने राधा का वर्णन किया है। भारतीय धर्म शास्त्रों के महान विद्वान स्वामी करपात्री जी महाराज के अनुसार, ''कृष्ण का अर्थ सदानंद हैं। उसमें भी सत्तारूप आनंद और आनंदरूप सत्ता दोनों एक ही बात है।

निरंकार सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

सत्तारूप राधा एवं आनंदरूप कृष्ण हैं। श्रीकृष्णचंद्र परमानंदकंद और राधा वैसे ही अभिन्न हैं, जैसे सत्ता और आनंद। आनंद सत्ता न हो तो सत्ता असत् हो जाए। फिर जो वह असत् है वह आनंद कैसे? वैसे ही आनंद से वियुक्त शुद्ध सत्ता नहीं है। जड़ों की सत्ता दूषित, सविशेष सप्रपंच है, किंदु शुद्ध सत्ता निरूपद्रव, निर्विशेष आनंदरूप ही है और सब विनश्वर सत्ता है। यों तो वैषयिक आनंद भी विनश्वर है, अतः सदानंद कहां? आनंद, सत्ता दोनों परस्पर विशेषण हैं। वह आनंद अबाध्य हैं, जगदानंद बाध्य, इसीलिए वह श्रीकृष्ण का स्वरूप वास्तविक सद्रूप एवं आनंदरूप है, जो अत्यंद बाध्य नित्य स्वप्रकाश है। उसके साथ जब सत् लगा, तब सांसारिक से विलक्षणता, नित्यता आई एवं सत् में आनंद न लगाते तो प्रापंचिक सत्ता आती। अतः सत् और आनंद और दोनों को लगाया। यह सत् और आनंद परस्पर वियुक्त कभी नहीं होते, इसलिए राधा और श्रीकृष्ण परस्पर अंतरात्मा हैं।

एक तो यह कि जैसे जल में तरंग, वैसे परमरसामृतमूर्ति श्रीकृष्ण में ब्रजांगना, जैसे चंद्रमामें चंद्रिका, जैसे भानु से प्रभाका, वैसा उनका अविघटित स्वाभाविक संबंध हैं, किंतु इसमें भी अंतरंग यह संबंध है। जैसे अमृत में मधुरिमा एवं जहां परमरसामृतमूर्ति श्रीकृष्ण, वहां उनकी माधुर्याधिष्ठात्री राधा। अमृत से मधुरिमा को अलग किया, फिर अमृत्व ही क्या? वेदांती गुण-गुणीका तादात्क्य मानते हैं, इसलिए सत्ता-आनंदरूप राधा और श्रीकृष्ण दोनों एक ही हैं। एक ही सदानंदरूप भगवान् गौरतेज-श्यामतेजरूप में-राधा माधव उभय रूप में प्रकट हुए।

औरत की मेहनत पर टिकी दुनिया

> इतिहास की किताबें राजाओं और क्रांतिकारियों का बखान करती हैं, जिसमें पुरुष ही नायक होता है। स्त्रियों का रोल भी इनसे कम नहीं है, लेकिन इतिहास उन अनगिनत औरतों के संघर्ष का जिक्र नहीं करता, जिन्होंने खामोशी से बदलाव लाने के लिए कदम उठाए हैं।

इतिहास की किताबें अकसर राजाओं और क्रांतिकारियों का बखान करती हैं, जिसमें पुरुष ही नायक होता है, जबकि स्त्रियों का रोल भी इनसे कम नहीं मिलेगा, लेकिन इतिहास उन अनगिनत औरतों के संघर्ष का जिक्र नहीं करता है, जिन्होंने खामोशी से समाज में बदलाव लाने के लिए अनगिनत कदम उठाए हैं। वे औरतें जिन्होंने पुरुषों की तरह अपने पसीने से भविष्य को गढ़ा है, लेकिन उनकी कहानियां इतिहास की परछाइयों में खो जाती हैं। असल में समाज और इतिहास दोनों ने औरत की मेहनत को स्वाभाविक मानकर उसे दर्ज करने की जरूरत ही नहीं समझी। रसोई से लेकर खेतों तक औरत का जो श्रम लगा, उसे कभी उपलब्धि के तौर पर देखा ही नहीं गया। इसी सोच और दृष्टिकोण के कारण उसका संघर्ष इतिहास की मुख्यधारा से बाहर रखा गया और उसकी असली ताकत हमें सिर्फ स्मृतियों और कहानियों में ही मिलती है, जबकि आज भी उनका संघर्ष किसी न किसी रूप में रोजाना जारी है।

किरण देवी की कहानी भी ऐसे ही संघर्षों से जुड़ी है। राजस्थान के बीकानेर जिला स्थित लूंकरणसर ब्लॉक के नाथवाना गांव की रहने वाली किरण देवी का जन्म एक साधारण और गरीब परिवार में हुआ। बचपन में उनके खेलने और पढ़ने के सपने उस समय बिखर गए, जब मात्र पंद्रह वर्ष की उम्र में उनका विवाह कर दिया गया। यही वह समय था, जब उनके हाथों में किताबें होनी चाहिए थीं, लेकिन समाज ने उन्हें बर्तन, चूल्हा और जिम्मेदारियों से भर दिया। शादी के शुरुआती सालों में उन्होंने जीवन को जैसे-तैसे संभाला, लेकिन बाईस वर्ष की उम्र में उनकी दुनिया पूरी तरह बिखर गई। जब उनके पति की एक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। उस समय उनका बड़ा बेटा सात साल का था और वह खुद छह महीने की गर्भवती थीं, लेकिन असली मुश्किलें तब शुरू हुईं जब ससुराल वालों ने उन्हें घर से निकाल दिया।

नाजिया
लेखिका

एक कच्ची झोपड़ी में बच्चों के साथ उन्होंने जीवन की नई शुरुआत की जो किसी भी तरह से आसान नहीं था। वह सुबह से शाम तक मजदूरी करतीं और इससे मिलने वाले पैसे बचा-बचा कर अपने सिर पर एक मजबूत छत खड़ी करने में सफल हुईं। मजदूरी में भी उन्हें बराबरी नहीं मिलती। पुरुष मजदूरों को काम जल्दी मिलता, जबकि उन्हें बार-बार टाल दिया जाता। मनरेगा जैसी सरकारी योजना में भी उन्हें प्राथमिकता नहीं दी जाती।

आंकड़े बताते हैं कि भारत में महिलाओं द्वारा किया गया अनपेड घरेलू श्रम 2022–23 में राष्ट्रीय GDP का 26% से लेकर 36% तक का मूल्य रखता है। यह एक बेहद चौंकाने वाला और अनदेखा तथ्य है। वहीं महिलाओं द्वारा घरेलू कार्य में बिताया गया समय औसतन 4.6 घंटे प्रतिदिन दर्ज किया गया है, जबकि पुरुषों का समय सिर्फ़ 2.2 घंटे देखा गया है।

उधर, पति की मौत पर मिलने वाला मुआवजा भी किरण देवी को अधूरा मिला। वह कहती हैं, "शिक्षित नहीं होने के कारण मैं अपने अधिकारों की पूरी लड़ाई नहीं लड़ सकी। इस दौरान किसी ने भी मेरा साथ नहीं दिया।" आर्थिक तंगी का असर बच्चों के जीवन पर भी पड़ा। बेटों को पांचवीं कक्षा के बाद ही पढ़ाई छोड़कर काम पर लगना पड़ा। बेटियों की शिक्षा भी छूट गई। यह वही चक्र है, जो पीढ़ी-दर-पीढ़ी औरतों को सपनों से दूर कर देता है।

इस बीच उम्मीद की एक किरण जलती रही। उनकी बड़ी बेटी सीमा ने मां के संघर्ष को देखकर ठान लिया कि शिक्षा का सपना अधूरा नहीं रहेगा। आज सीमा 27 साल की उम्र में फिर से पढ़ाई कर रही हैं और ओपन बोर्ड से दसवीं की परीक्षा देने जा रही हैं। वह कहती है, "मैंने मां को जीवन भर संघर्ष करते देखा है। अब मैं पढ़-लिखकर एक सफल व्यवसायी बनना चाहती हूं।" सीमा की बातों से किरण की आंखों में चमक बढ़ जाती है। किरण देवी कहती हैं "हालात बदलते ही लोगों का नजरिया भी बदलने लगा है।

किरण देवी की कहानी सिर्फ गांव की एक औरत के संघर्ष की दास्तान नहीं है। यह पूरे समाज की तस्वीर है। यह हमें याद दिलाती है कि इतिहास की धारा को बदलने का काम सिर्फ राजा-महाराजा नहीं करते, बल्कि संघर्ष करने वाली औरतें भी करती हैं. लेकिन उनका इतिहास अब तक लिखा नहीं गया है। अगर इतिहास को सचमुच पूरा लिखना है तो उसमें किरण जैसी औरतों की कहानियां भी शामिल करनी होंगी क्योंकि औरत का संघर्ष हाशिए पर नहीं, बल्कि इतिहास के केंद्र में होना चाहिए।

जिंदगी के चौराहे पर भी लागू होते हैं नियम

सड़कों पर चलते वक्त कोई चौराहा आता है और अचानक चौराहे पर लगी लाल बत्ती जल जाती है, तो आमने-सामने की ओर से आते वाहन रुक जाते हैं और दूसरी तरफ से जली हरी बत्ती की ओर से वाहन आने-जाने लगते हैं। ट्रैफिक का यह नियम इसलिए होता है, ताकि दुर्घटना और जाम न लगने पाए। कुछ इसी तरह जिंदगी के चौराहे पर भी नियम लागू किए जाने चाहिए। क्रोध, ईर्ष्या, द्वेष आदि मन के चौराहे पर आ जाए तो कोई निर्णय लेने से बचना चाहिए। मन के वाहन पर तत्काल ब्रेक लगाना चाहिए।

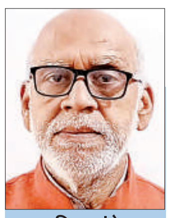

सलिल पांडेय
वरिष्ठ पत्रकार

अब सवाल उठता है कि मन का ब्रेक क्या हो? तो सबसे उत्तम यही है कि एकांत में बैठकर गहरी सांस लें तथा ध्यान लगाने की कोशिश करनी चाहिए। इससे लाभ यह होगा कि क्रोध में कोई निर्णय नहीं लिया जा सकेगा तथा ईर्ष्या-द्वेष से थोड़ी मुक्ति मिलेगी, क्योंकि क्रोध, ईर्ष्या एवं द्वेष का असर दूसरों पर भले न पड़े पर अपने मन पर जरूर पड़ता है। इसे इसलिए दुष्प्रवृत्तियां कहा गया है, क्योंकि इससे मन के बाद तन पर भी असर पड़ता है। इस तरह की दुष्प्रवृत्तियों से पेट में जलन, आंखों में तथा कानों में जलन और गला सूखने लगता है। पूरा शरीर तक बेकाबू होने लगता है, इसीलिए इसे मन का रोग कहा गया है, जो आगे चलकर स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालता है। असमय तमाम बीमारियां आने लगती हैं। धर्म ग्रंथों में तो यहां तक कहा गया है कि क्रोध करने से जोड़ों का दर्द वाला रोग आर्थराइटिस हो जाता है। इसका उल्लेख महाभारत ग्रंथ में विदुर जी ने धृतराष्ट्र से वार्तालाप के दौरान भी किया है।

इस तरह मन के चौराहे पर दुर्घटना न हो, इसकी पहली जिम्मेदारी खुद की सूझबूझ की है। यदि मन में ट्रैफिक की तरह निरंतर हरी बत्ती जलती रहे, तो जैसे चौराहे पर हरी बत्ती जलने पर आवागमन चालू रहता है, ठीक उसी तरह मन में प्रसन्नता के वाहन निरंतर दौड़ते रहेंगे। अवसाद-विषाद के जाम नहीं लगेंगे। जहां जाएंगे, वहां का वातावरण महक उठेगा जब मनोरोगी जहां जाएगा, वहां तनाव का माहौल बनने लग जाएगा। ऐसे लोगों से लोग-बाग बचने की कोशिश करते हैं।

सांस्कृतिक विविधता और एकता का प्रतीक है उर्दू

अपने को उर्दू का सबसे बड़ा प्रवक्ता बताने वाले कुछ विद्वान यह कहते मिल जाते हैं कि अब भारत में उर्दू का कोई मुस्तकबिल (भविष्य) नहीं है। ये खत्म हो रही है। क्या इस तरह की कोई बात है? कतई नहीं। बीते दिनों बिहार की राजधानी पटना में भारत में उर्दू इतिहास, वर्तमान और भविष्य पर चर्चा हुई। निष्कर्ष यह निकला कि उर्दू का भारत में भविष्य रोशन है। ये एक भाषा होने के साथ-साथ, एक तहजीब, परंपरा और प्यार की भाषा भी है, जो भारत की कोख से जन्मी है और हर भारतीय भाषा, क्षेत्र, समाज, धर्म और संस्कृति की सुगंध शामिल है इसमें। यह भारत की आत्मा से जुड़ी भाषा है। यह विकसित भारत की भाषा है।

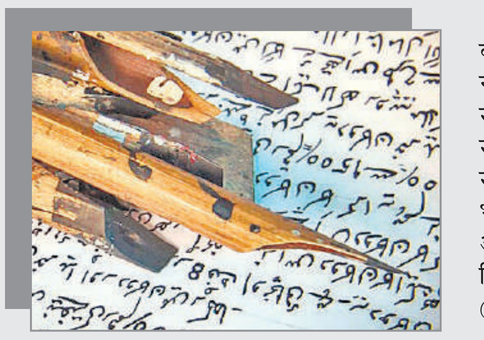

अगर बात हिंदी और उर्दू के संबंधों की करें, तो हिंदी और उर्दू, दोनों ही हिंदुस्तानी भाषा की दो प्रमुख शाखाएं हैं। ये दोनों भाषाएं व्याकरणिक संरचना और मूल शब्दावली में लगभग समान हैं, लेकिन लिपि, शब्दावली का चयन और सांस्कृतिक प्रभावों के कारण अलग-अलग पहचान रखती हैं। सिनेमा और मीडिया में भी दोनों भाषाएं एक-दूसरे के पूरक के रूप में दिखाई देती हैं, जैसे बॉलीवुड फिल्मों में हिंदी-उर्दू का मिश्रित प्रयोग।

विवेक शुक्ला
लेखक

हालांकि, राजनीतिक और सांप्रदायिक कारणों ने इन भाषाओं को अलग करने की कोशिश की गई, फिर भी इनके साझा मूल और सांस्कृतिक विरासत ने इन्हें एक-दूसरे से जोड़े रखा है। हिंदी और उर्दू का यह अनोखा रिश्ता भारतीय उपमहाद्वीप की सांस्कृतिक विविधता और एकता का प्रतीक है। उर्दू के साथ सब से बड़ी नाइंसाफी यह हुई कि इसे मुसलमानों की भाषा समझ लिया गया। इसे विभाजन और पाकिस्तान बनाने का जिम्मेदार तक समझ लिया गया, जोकि बिलकुल गलत है। उर्दू के गैर-मुस्लिम लेखकों और शायरों की भी कोई कमी नहीं है। इनमें फिराक गोरखपुरी, कृष्ण चंदर, मोहिंदर सिंह बेदी, राजेंद्र सिंह बेदी, जगन्नाथ आजाद, कृष्ण बिहारी नूर, गोपी चंद नारंग आदि शामिल हैं।

क्या केंद्र की मौजूदा सरकार देश में उर्दू के हक में काम कर रही है? इस बारे में सहमति थी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने उर्दू से जुड़ी सभी संस्थाओं और संस्थानों को अपने राष्ट्र विकास मंत्र, 'सब का साथ, सब का विकास, सब का विश्वास और सब का प्रयास' से जोड़ा है। इसका जीता जगता उदाहरण राष्ट्रीय उर्दू भाषा परिषद विकास (नेशनल काउंसिल फॉर प्रमोशन ऑफ उर्दू लैंग्वेज) का पटना में अंतरराष्ट्रीय स्तर का त्रि-दिवसीय समागम, 'उर्दू भाषा का भविष्य, विकसित भारत @ 2047', था।

उर्दू की मधुरता, इसकी शायरी, गजलें, और कविताएं भारतीय साहित्य और कला को एक अनूठा आयाम प्रदान करती हैं। यह भाषा भारत की गंगा-जमुनी तहजीब का प्रतीक है, जो हिंदू-मुस्लिम एकता और सौहार्द का संदेश देती है। उर्दू संस्कृत, प्राकृत, फारसी, अरबी और तुर्की जैसी भाषाओं के मेल से विकसित हुई। इसकी उत्पत्ति दिल्ली और इसके आसपास के क्षेत्रों में हुई, जहां इसे 'हिंदवी' या 'देहलवी' के रूप में जाना जाता था। भारत के संविधान में उर्दू को 22 अनुसूचित भाषाओं में शामिल किया गया है, जो इसकी महत्ता को दर्शाता है। उर्दू की सबसे बड़ी खूबसूरती इसकी समावेशी प्रकृति में निहित है। मिर्जा गालिब, दाग देहलवी, मीर तकी मीर, और फैज अहमद फैज जैसे शायरों ने उर्दू को एक ऐसी ऊंचाई दी, जो विश्व साहित्य में बेमिसाल है।

उर्दू ने विकसित और सुरक्षित भारत के लिए, 'चमन', 'गुलजार', 'गुलशन', 'बाग-ओ-बहार', 'गुल-ए-बहार' आदि शब्दों का प्रयोग किया है। मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति फिरोज बख्त अहमद कहते हैं कि उर्दू विकसित भारत की आन, बान, शान, जान और पहचान है। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि उर्दू का वर्तमान और भविष्य रोशन है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

ट्रेडिशन और वेस्टर्न का फ्यूजन
स्टार स्टाइल और फिल्मी फैशन

बॉलीवुड केवल फिल्में ही नहीं बनाता है, फैशन और लाइफ स्टाइल भी तय करता है। लोगों के पहनावे और रहन-सहन को प्रभावित करता है। रेखा की कांजीवरम साड़ियां हों या दीपिका के डिजाइनर लहंगे अथवा सलमान खान का रफ डेनिम लुक, बॉलीवुड पारंपरिक पहनावे से लेकर वेस्टर्न स्ट्रीट स्टाइल तक, हर परिधान को अक्सर नया आकार देता है।

बॉलीवुड नई फिल्मों के साथ नए फैशन मूवमेंट का लॉन्च पैड

- चाहे पारंपरिक पहनावा हो या समकालीन स्ट्रीट स्टाइल, बॉलीवुड हस्तियां अपने ऑन स्क्रीन और ऑफ स्क्रीन विकल्पों से फैशन का ट्रेंड सेट करती हैं। यही वजह है, फिल्मों में कलाकारों द्वारा पहने जाने वाले परिधान जल्दी ही फैशन ट्रेंड बन जाते हैं। फिल्में डिजाइनरों को अपनी कृतियों को बड़े पैमाने पर प्रदर्शित करने और व्यापक दर्शकों तक पहुंचाने का अवसर प्रदान करती हैं। इसके लिए कई फैशन डिजाइनर नए स्टाइल पेश करने के लिए बॉलीवुड सितारों के साथ मिलकर काम करते हैं।
- मनीष मल्होत्रा, सब्यसाची मुखर्जी और अनीता डोंगरे जैसे प्रमुख डिजाइनर बॉलीवुड के साथ अपने संबंधों के कारण घर-घर में पहुंच चुके हैं। उन्होंने फिल्म प्रमोशन, शादियों और रेड कार्पेट इवेंट्स के लिए तमाम बड़े सितारों को तैयार किया है।

पुनर्जीवित हुए पारंपरिक परिधान

- बॉलीवुड ने पारंपरिक भारतीय फैशन को भी जीवित और विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। रेखा की सदाबहार कांजीवरम साड़ियां आज भी हर पीढ़ी की महिलाओं को प्रेरित करती हैं, तो प्रियंका चोपड़ा ने शिफॉन साड़ियों में आधुनिक और पारंपरिक दोनों शैलियों का मिश्रण करके नया ट्रेंड सेट किया था। इसी तरह आलिया भट्ट के लहंगों ने शादी के फैशन के नए ट्रेंड स्थापित किए थे।

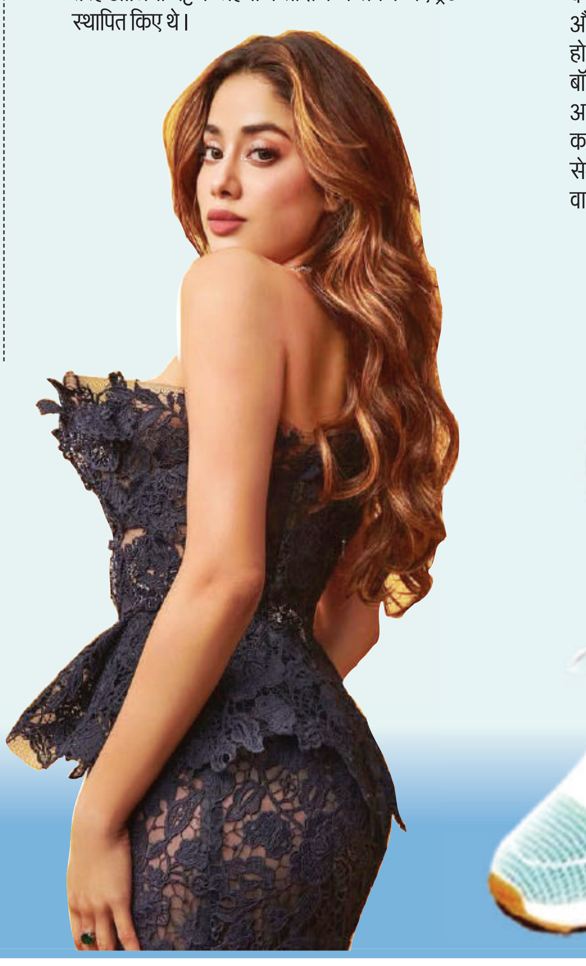

सोशल मीडिया ने फैशन संस्कृति को दी नई उड़ान

- कई इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर अब बॉलीवुड लुक्स को रीक्रिएट करते हैं, जिससे वे आम लोगों के लिए और भी ज्यादा सुलभ हो जाते हैं। इन्फ्लुएंसर, बॉलीवुड सितारों से प्रेरित आउटफिट्स को स्टाइल करके, अक्सर ऐसे ट्रेंड सेट करते हैं जो तेजी से वायरल हो जाते हैं।

सेलिब्रिटी की नकल करता है फास्ट फैशन

किसी डिजाइनर आउटफिट में किसी स्टार की एक झलक पूरे देश में एक ट्रेंड को जन्म दे सकती है, चाहे वह एथनिक चिक लुक हो या मॉडर्न मिनिमलिज्म। सोशल मीडिया के कारण फैशन पर बॉलीवुड का प्रभाव पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गया है। प्रशंसकों की अब सेलिब्रिटीज के लुक्स पर सीधी पहुंच है, और इसी वजह से फास्ट फैशन का उदय हुआ है, जहां सेलिब्रिटीज द्वारा पहने जाने वाले डिजाइनर कपड़ों की किफायती प्रतिकृतियां झटपट तैयार होकर लोगों के लिए उपलब्ध हो जाती हैं। हाई स्ट्रीट ब्रांड बॉलीवुड हस्तियों द्वारा पहने जाने वाले डिजाइनर परिधानों के किफायती संस्करण जल्द तैयार कर लेते हैं, जिससे विशिष्ट फैशन जनता के लिए सुलभ हो जाता है।

सितारों ने अपना फैशन सीधे बाजार में उतारा

आलिया भट्ट, दीपिका पादुकोण की तरह कई नए सितारों ने अपनी स्टाइल को सीधे बाजार में उतारा है। इससे प्रशंसकों को पसंदीदा सितारों द्वारा डिज़ाइन किए गए और क्यूरेट किए गए कपड़े खरीदने का मौका मिलता है। इससे बॉलीवुड की पहुंच स्क्रीन से आगे बढ़कर रिटेल तक पहुंच गई है। दीया मिर्जा और भूमि पेडनेकर जैसी अभिनेत्रियां पर्यावरण-अनुकूल ब्रांडों का प्रचार कर रही हैं, जबकि सोनम कपूर और अनुष्का शर्मा नैतिक फैशन लेबल का समर्थन कर रही हैं।

लेखक : मनोज त्रिपाठी

सोशल मीडिया जो दिखाए दुल्हन के मन को वही भाए

परिधानों का ट्रेंड समय के साथ बदलता रहता है, लेकिन दुल्हन के लिबास की बात आती है, तो लहंगे का आकर्षण आज भी बरकरार है। हालांकि शादी समारोह में अन्य अवसरों के लिए सोशल मीडिया पर युवतियां नए जमाने के वेडिंग गाउन खोजकर अपना ट्रेंड सेट कर रही हैं। शादियों में पहने जाने वाले परिधानों के ट्रेंड में बदलाव का दौर समय-समय पर देखने को मिलता रहा है। लेकिन आज के दौर में ट्रेंड सोशल मीडिया सेट कर रहा है। हालांकि गाउन के ट्रेंड के बावजूद ब्राइडेल लहंगे का आज भी कोई जवाब नहीं है। 50 सालों से दुल्हन के परिधानों के व्यवसाय में जुड़े संयम गुप्ता ने बताया कि अब शादियों में दुल्हन लहंगे के साथ अपने लिए गाउन जरूर खरीदती हैं। बॉल गाउन, मरमेड गाउन, शीथ ड्रेस, ए-लाइन ड्रेस, टी-लेंथ ड्रेस, कॉलम ड्रेस, ट्रम्पेट ड्रेस में से किसी एक को इंगेजमेंट, कॉकटेल पार्टी या बैचलर्स पार्टी के लिए दुल्हन जरूर चुनती हैं।

परिधानों का ट्रेंड बदलता रहता पर लहंगा कढ़ाई साड़ी व गाउन की चमक बरकरार

सगाई में दुल्हन की शान बढ़ाता बार्बी डॉल गाउन

- गाउन पसंद करते समय डिजाइन ज्यादा देखी जाती है, क्योंकि कढ़ाई का काम इस पर अधिक नहीं होता। सगाई समारोह में सर्वाधिक बार्बी डॉल गाउन ही पसंद किए जाते हैं। फैब्रिक की बात करें तो पहले सिल्क, जार्जट, नेट जैसे गिने-चुने फैब्रिक थे, लेकिन अब बहुत वैरायटी आ चुकी हैं। सर्वाधिक प्रचलन में ऑर्गेंजा व टिश्यू फैब्रिक है, इसके बाद प्योर सिल्क भी पसंद किया जा रहा है।

क्रॉप टॉप और श्रग वाले लांचें पेस्टल रंग हर किसी पर फबता

दुल्हा-दुल्हन की बहनें व अन्य करीबी भी शादी में सुंदर दिखना चाहते हैं। यह लोग पेस्टल रंग (हलके रंग) के क्रॉप टॉप, श्रग वाले लांचें पसंद करते हैं। मौसम के अनुसार भी रंग की पसंद बदलती है। सर्दी में गहरे तो गर्मी में हल्के रंग का ट्रेंड हमेशा जिंदा रहता है।

मशीन वर्क कीमत में कम इसलिए जल्दी आता पसंद

- साड़ी कारोबारी जीतेश गुप्ता के अनुसार लहंगे, साड़ियां, गाउन, सूट पर हैंडवर्क यानी जरी, जरदोजी आदि की कढ़ाई से अधिक अब मशीन की कढ़ाई पसंद की जा रही है। मशीन की कढ़ाई में सफाई ज्यादा और दाम हैंडवर्क से कम है। मध्यम वर्गीय परिवारों का रुझान मशीन वर्क की तरफ है तो एलीट क्लास के लोग हैंडवर्क को तवज्जो देते हैं। जहां एक लहंगे पर उसकी कीमत 5000 रुपये से शुरू होती है, वहीं हैंडवर्क की कीमत 10 हजार से शुरू होती है। जो डिजाइन व फैब्रिक के अनुसार बढ़ती जाती है।

लेखिका: शब्या सिंह तोमर बरेली

नई रिलीज

बागी-4 में गैंगस्टर संजय दत्त की टाइगर श्रॉफ से टक्कर

- पांच सितंबर, शुक्रवार को कई बड़ी फिल्में रिलीज होंगी। लेकिन दर्शकों को सबसे बड़ा इंतजार धमाकेदार एक्शन से भरी फिल्म बागी-4 का है। टाइगर श्रॉफ इस फिल्म में हीरो के रोल में हैं, तो संजय दत्त विलेन के किरदार में गैंगस्टर बने हैं। दोनों के बीच जबर्दस्त टक्कर दिखाई गई है। सोनम बाजवा ने टाइगर श्रॉफ के साथ जोड़ी बनाई है, जबकि मिस यूनिवर्स 2021 हरनाज संधू इस फिल्म से डेब्यू कर रही हैं।

विवादों को जन्म दे सकती है 'द बंगाल फाइल्स'

- 'द कश्मीर फाइल्स' की सफलता के बाद विवेक अग्निहोत्री की दूसरी कंट्रोवर्सी फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' को लेकर दर्शकों का एक वर्ग खासतौर पर एक्साइटेड है। इस फिल्म की रिलीज में हुई देरी ने उत्सुकता और बढ़ा दी है। यह फिल्म बंगाल की राजनीति और वहां की सच्चाइयों को पर्दे पर दिखाएगी। यह फिल्म एक बार फिर से डिबेट और विवादों को जन्म दे सकती है। इस फिल्म में मिथुन चक्रवर्ती, अनुपम खेर, पल्लवी जोशी ने अभिनय किया है।

प्राइवेट जेट में शादी करेंगी बिग बॉस फेम तान्या मित्तल

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान के रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' के घर में तान्या मित्तल अपनी हरकतों से सुर्खियों में हैं। तान्या कभी घरवालों को नखरे दिखाती हैं, तो कभी नौटंकी करती हैं। दरअसल, तान्या फैंस को यह बताने की कोशिश कर रही हैं कि वो बिग बॉस के घर की नाजुक कली हैं। अपनी शादी का जिक्र करके तान्या ने सोशल मीडिया पर हाईप बटोरी है। बिग बॉस के घर में उनसे पूछा गया कि वे कैसी शादी करना चाहती हैं, जवाब में तान्या ने कहा, मेरे शादी को लेकर काफी बड़े प्लान हैं। मैं दुबई में एक प्राइवेट जेट में शादी करना चाहती हूं। अपनी शादी में मैं बिग बॉस के सितारों को भी न्योता दूंगी। तान्या की ऐसी बड़ी-बड़ी बातें सुनकर घरवालों ने उनका मजाक बनाना शुरू कर दिया। सोशल मीडिया पर लोग तान्या का खूब मजाक बनाते हुए कह रहे हैं कि उसे इतना फेंकना बंद कर देना चाहिए।

कानपुर का रोबोट रेस्टोरेंट

यहां रोबोट करता वेटर का काम, ढाई मिनट में सर्व करता खाना

आप एक रेस्टोरेंट में बैठे हैं और वहां आपकी भूख मिटाने के लिए आपका खाना कोई वेटर नहीं, बल्कि एक रोबोट ला रहा है, यह देखकर एकबारगी आप चौंक जरूर जाएंगे। यकीनन आप अपना खाना भूल जाएंगे और रोबोट को देखना शुरू कर देंगे, उससे बात करने की कोशिश करेंगे। यह मजेदार अनुभव आप कानपुर के रोबोट रेस्टोरेंट में ले सकते हैं। रोबोट वाले वेटर्स का यह शहर में पहला रेस्टोरेंट है, जो लोगों को खाना परोसता है। मेक इन इंडिया के तहत तैयार किए गए तरह-तरह के रोबोट रिटेल बिजनेस, ई-कॉमर्स, वेयर हाउसिंग कुरियर, मल्टीस्टोर फूड एंड ब्रेवरीज के क्षेत्र में पहले ही काम कर रहे थे, अब होटल और रेस्टोरेंट में भी इनका तेजी से इस्तेमाल शुरू हो गया है। कानपुर में खुले पहले एआई आधारित रोबोट रेस्टोरेंट की खासियत है कि यह खाना ऑर्डर होने के बाद टेबल टू टेबल खाना लेकर आता है। इसके लिएरेस्टोरेंट में एक कमांड सेंटर बनाया गया है।

जिसके जरिए पूरा संचालन होता है। रोबोट केवल ढाई मिनट में 18 टेबल पर खाना पहुंचा देता है। फिलहाल रेस्टोरेंट में दो रोबोट लाए गए हैं। ये रोबोट पूरी तरह जीपीएस और एआई सिस्टम पर काम कर रहे हैं। रेस्टोरेंट में 18 टेबल हैं। हर टेबल से जीपीएस कनेक्ट है। इसके जरिए ही रोबोट टेबल तक पहुंचता है और खाना सर्व करता है।

एथर एनर्जी ने दो दोपहिया का नया मंच किया पेश

बेंगलुरु। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन विनिर्माता एथर एनर्जी ने शनिवार को विभिन्न खंडों में इलेक्ट्रिक स्कूटरों की नई पीढ़ी के लिए एक नया दोपहिया मंच पेश किया। कंपनी ने अन्य महत्वपूर्ण उत्पाद और प्रौद्योगिकी विकास की भी घोषणा की, जिसमें कॉन्सेप्ट मोटो-स्कूटर रेडक्स और एथरस्टैक 7.0 शामिल है। यह प्रौद्योगिकी को 'लाइव लोकेशन' साझा करने, गड्ढों और दुर्घटनाओं की सूचना देने तथा टायर दबाव जैसी जानकारी देने में मदद करेगी।

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2570, राज श्री 1810, फॉर्चून कि. 2200, रविन्द्रा 2650, फॉर्चून 13केजी 1930, जय जवान 1915, सचिन 2000, सूरज 1915, अवसर 1870, उजाला 1890, गृहणी 13 केजी 1835, क्लासिक (केजी) 2050, मोर 2105, चक्र टिन 2315, ब्लू 2065, आशीर्वाद मस्टर्ड 2470, स्वास्तिक 2510
किराना (प्रतिकु.) : हल्दी निजामाबाद 14500, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000-17000, धनिया 9000-11000, अजवायन 13500-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 27000, (प्रतिकिो) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 400-600, मखाना 900-1100
चावल (प्रतिकु) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1केजी,5केजी) 10300, हरी पति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, खजाना 4300
दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली, 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9000-11200, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 10300, उड़द धोवा इंदौर 13000, उड़द धोवा 10000-11000, चना काला 6950, दाल चना 7500, दाल चना मोटी 7850, मलका विदेशी 7400, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अंकोला 7000, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 9200, मोटा हीरा 11200, अरहर गोला मोटा 8500, अरहर पटका मोटा 8900, अरहर कोरा मोटा 9400, अरहर पटका छोटा 9800-10300, अरहर कोरी छोटी 10300
चीनी : डालमियां 4420, पीलीभीत 4340, सितारगंज 4300, धामपुर 4420 केजी

वाणिज्य मंत्रालय शुल्क से निपटने को तैयार

अल्पकालिक, मध्यम और दीर्घकालिक कार्य योजनाओं पर कर रहा काम

नई दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य मंत्रालय भारत से अमेरिका जाने वाले सामानों पर लगाए गए 50 प्रतिशत शुल्क से निपटने में निर्यातकों की मदद करने के लिए अल्पकालिक, मध्यम और दीर्घकालिक कार्य योजनाओं पर काम कर रहा है। एक अधिकारी ने बताया कि कई विशेष आर्थिक क्षेत्र की नीतियों में लचीलापन लाने वाले नियमों पर भी विचार किया जा रहा है। सरकार ई-कॉमर्स निर्यात को बढ़ावा देने के केंद्र शुरू कर रही है।

इन केंद्रों में सामान वापस भेजने, राज्यों के बीच आवाजाही और जीएसटी रिफंड की प्रक्रिया को आसान बनाया जाएगा। अधिकारी ने यह भी बताया कि एक नया इन्वेंट्री मॉडल भी लाया जाएगा। यह मॉडल तीसरे पक्ष की कंपनियों को नियमों का पालन करने और सामान को एक जगह से दूसरी जगह भेजने का काम संभालने की अनुमति देगा। इससे एमएसएमई पर काम का बोझ कम होगा और वे अपने उत्पादों की गुणवत्ता और ब्रांडिंग पर ध्यान दे पाएंगे। अधिकारी ने बताया कि इस योजना के तहत निर्यातकों को तुरंत वित्तीय राहत देने, कमजोर क्षेत्रों में ऑर्डर और रोजगार को बनाए रखने, संरचनात्मक सुधारों के जरिए आपूर्ति श्रृंखलाओं में लचीलापन लाने और मौजूदा व्यापार समझौतों का लाभ उठाते हुए नए बाजारों तक पहुंच बनाने पर जोर दिया जाएगा। अधिकारी ने कहा कि घरेलू उद्योग की सुरक्षा और निर्यात से बचे उत्पादन को समायोजित करने के लिए सरकार विशेष आर्थिक क्षेत्र (सेज) और डीटीए (घरेलू शुल्क क्षेत्र) के विनिर्माताओं को राहत देने पर विचार कर रही है। इस समय डीटीए को शुल्क भुगतान के बाद सेज से बिक्री की अनुमति है। इन क्षेत्रों की इकाइयों ने शुल्क छूट के आधार पर बिक्री की अनुमति देने का अनुरोध किया है।

सरकार निर्यात के लिए ई-कॉमर्स के इन्वेंट्री-आधारित मॉडल में एफडीआई की अनुमति दे सकती है। कहा कि तत्काल या अल्पकालिक राहत उपायों में नकदी को आसान बनाने, दिवालियापन को रोकने, सेज में इकाइयों के लिए अधिक लचीलापन देने जैसे कई कदमों पर विचार किया जा रहा है।

जल्द तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा भारत

इंदौर। प्रधानमंत्री जन-धन योजना को देश की वृद्धि दर बढ़ाने में मददगार करार देते हुए भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शनिवार को कहा कि देश जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाला है। उन्होंने यह बात ऐसे वक्त कही जब देश की आर्थिक वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में उम्मीद से बेहतर 7.80 प्रतिशत रही है। अमेरिका के भारी शुल्क लगाए जाने से पहले की पांच तिमाहियों में यह सबसे अधिक है। मल्होत्रा ने इंदौर के रंगवासा गांव में सरकारी क्षेत्र के बैंकों के वित्तीय समावेशन अभियान संतृप्ति शिविर में कहा कि 11 साल पहले केंद्र सरकार और रिजर्व बैंक ने बैंकों के साथ मिलकर प्रधानमंत्री जन-धन योजना के तहत वित्तीय समावेशन का अभियान शुरू किया था।

भारतीय उद्योग जगत ने कहा- सरकार के सुधारों, वित्तीय अनुशासन से जीडीपी 7.8 प्रतिशत पर पहुंची

नई दिल्ली। उद्योग जगत ने कहा कि चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 7.8 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा पिछले एक दशक में किए गए सुधारों और वित्तीय अनुशासन का परिणाम है। उद्योग जगत के दिग्गजों ने भरोसा जताया कि मजबूत घरेलू मांग के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था अमेरिकी शुल्कों जैसी वैश्विक चुनौतियों का सामना कर सकती है और वृद्धि के रास्ते पर बनी रहेगी। इस अवधि में चीन की जीडीपी वृद्धि दर 5.2 प्रतिशत रही। इस तरह भारत सबसे तेजी से बढ़ती हुई प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है। भारतीय उद्योग परिसंघ के अध्यक्ष राजीव मेमानी ने कहा, चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था की अंतर्निहित ताकत, सरकारी खर्च में बढ़ोतरी, सेवा और विनिर्माण क्षेत्रों के प्रदर्शन और लगातार किए जा रहे सुधारों को दर्शाती है।

किफायती घरों की कमी से आठ बड़े शहरों में हालात चिंताजनक

- रियल एस्टेट की परामर्शदाता कंपनी नाइट फ्रैंक इंडिया और नारेडको की रिपोर्ट ने चौंकाया

नई दिल्ली, एजेंसी

देश के शहरी क्षेत्रों में किफायती घरों की कमी एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। एक नई रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में किफायती मकानों की मांग तो बढ़ रही है, लेकिन उन्हें बनाने की रफ्तार बहुत धीमी हो गई है, जिससे इस क्षेत्र में एक बड़ा असंतुलन पैदा हो गया है।

रियल एस्टेट की परामर्शदाता कंपनी नाइट फ्रैंक इंडिया और नेशनल रियल एस्टेट डेवलपमेंट काउंसिल (नारेडको) की एक रिपोर्ट में बताया गया कि देश के आठ बड़े शहरों (मुंबई, दिल्ली-एनसीआर, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई, पुणे, कोलकाता और अहमदाबाद) में हालात चिंताजनक हैं। पहले 2019 में जहां हर एक घर की मांग पर एक से ज्यादा घर बन रहे थे, वहीं 2025 की पहली छमाही (जून तक) में यह आंकड़ा गिरकर 0.36 रह गया है।

इसका मतलब है कि मांग के मुकाबले सिर्फ एक-तिहाई घर ही बन रहे हैं। रिपोर्ट में बताया गया कि देश में शहरी किफायती घरों की वर्तमान कमी 94 लाख इकाई है। तेजी से बढ़ते शहरीकरण के कारण 2030 तक यह कमी बढ़कर तीन करोड़ इकाई तक पहुंच सकती है।

पहली तिमाही में मजबूत जीडीपी वृद्धि से संपत्ति की बढ़ेगी मांग

नई दिल्ली। रियल एस्टेट एजेंटों के संगठन क्रेडाई और नारेडको ने शनिवार को कहा कि जून तिमाही में मजबूत आर्थिक वृद्धि से उपभोक्ताओं का भरोसा बढ़ेगा और आवासीय तथा व्यावसायिक संपत्तियों की मांग भी बढ़ेगी। क्रेडाई के राष्ट्रीय अध्यक्ष शेखर पटेल ने कहा, 7.8 प्रतिशत की मजबूत जीडीपी वृद्धि हमारी अर्थव्यवस्था के लचीलेपन और क्षमता को दर्शाती है। यह सकारात्मक गति रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए उत्साहजनक है और निवेशकों तथा उपभोक्ताओं का भरोसा बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि उद्योग प्रस्तावित जीएसटी सुधारों का इंतजार कर रहा है, जिससे मांग में और तेजी आएगी। नारेडको के अध्यक्ष जी हरि बाबू ने भी कहा कि जीडीपी वृद्धि रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए शुभ संकेत है क्योंकि इससे मांग बढ़ेगी, आगामी त्योहारी मौसम के दौरान। अर्थव्यवस्था अप्रैल-जून में उम्मीद से ज्यादा 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी, जो पिछली पांच तिमाहियों में सबसे तेज गति है।

वैश्विक प्रदर्शनियों में भागीदारी के लिए निर्यातकों को 2,500 करोड़ दे सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

- जीटीआरआई ने निर्यात संवर्धन निधि में गिरावट पर व्यक्त की चिंता

आर्थिक थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने शनिवार को निर्यात संवर्धन निधि में गिरावट पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार को बाजार पहुंच पहल (एमएआई) के तहत वैश्विक प्रदर्शनियों में भाग लेने के लिए निर्यातकों को 2,500 करोड़ रुपये आवंटित करने पर विचार करना चाहिए। एमएआई को चालू वित्त वर्ष में कोई धनराशि नहीं मिली है। कहा कि अप्रैल और अगस्त के बीच निर्यातकों ने विदेशी मेलों में भाग लेने के महत्वपूर्ण अवसर खो दिए हैं।

जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, पिछले वर्षों में, इस योजना का बजट केवल 250 करोड़ रुपये था, जो 440 अरब डॉलर से अधिक के निर्यात अर्थव्यवस्था के लिए बहुत कम था। इसे सालाना 2,500 करोड़ के बढ़े हुए बजट के साथ फिर से शुरू किया जाना चाहिए। भारतीय फर्मों को वैश्विक मेलों में अच्छी जगह मिल सके, इसके लिए कोष को कम से कम एक साल पहले जारी किया जाना चाहिए। निर्यात को बढ़ावा देने के लिए ब्याज समानीकरण योजना को फिर से शुरू करने, निर्यात प्रोत्साहन मिशन व ई-कॉमर्स निर्यात केंद्र को शुरू करने का भी आह्वान किया।

हवाई अड्डों के पास इमारतों की ऊंचाई तय करने के लिए जल्द होगा अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन

नई दिल्ली। नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू ने शनिवार को कहा कि आगामी हवाई अड्डों के पास इमारतों की ऊंचाई पर अंकुश लगाने के लिए जल्द ही एक अंतरराष्ट्रीय अध्ययन शुरू होगा। इसके अलावा, सरकार हवाई अड्डों और उनके आसपास सेवाओं को बढ़ाने के तरीकों पर भी विचार कर रही है।

भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते नागर विमानन बाजारों में एक है और पिछले 11 वर्षों में देश में चालू हवाई अड्डों की संख्या 88 बढ़कर 162 हो गई है। रियल एस्टेट संस्था नारेडको के 17वें राष्ट्रीय सम्मेलन में नायडू ने आगामी हवाई अड्डों के आसपास रियल एस्टेट विकसित करने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में 50 नए हवाई अड्डे बनाना है और देश में 350 से अधिक हवाई अड्डे बनाने की क्षमता है।

कालीन उद्योग ने मांगा विशेष राहत पैकेज

भदोही (उप्र), एजेंसी

- केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह से प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

अमेरिका के भारतीय आयात पर लगाए गए 50 प्रतिशत शुल्क के चलते कालीन उद्योग ने केंद्र सरकार से राहत पैकेज देने की मांग की है। अखिल भारतीय कालीन निर्माता संघ (एआईसीएमए) और कपड़ा मंत्रालय के अधीन कालीन निर्यात संवर्धन परिषद (सीईपीसी) ने इस संबंध में केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह से मुलाकात की थी।

भदोही के विधायक जाहिद बेग (सपा) ने भी निर्यातकों को राहत देने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार से 10 प्रतिशत का विशेष राहत पैकेज देने का अनुरोध किया है। सीईपीसी के भदोही कार्यालय के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी अखिलेश सिंह के अनुसार पिछले वित्त वर्ष में भारत का कालीन निर्यात 16,800 करोड़ रुपये का था। इसमें से 60 प्रतिशत अमेरिका और 40 प्रतिशत यूरोपीय देशों को निर्यात किया गया। बताया कि देश के कुल कालीन निर्यात में अकेले भदोही का 60 प्रतिशत हिस्सा है, जिससे यह स्पष्ट है कि अमेरिकी शुल्क का सबसे ज्यादा असर जिले के निर्यातकों पर पड़ेगा। दोनों संगठनों ने जोर देकर कहा कि उनकी प्राथमिकता अपने अमेरिकी आयातकों को जोड़े रखना है। अगर वे आयातक उन देशों से आयात करना शुरू कर देते हैं, जहां अमेरिका ने कम शुल्क लगाए हैं, जैसे चीन, तुर्की और पाकिस्तान, तो उन्हें वापस पाना बेहद मुश्किल होगा। मुख्यमंत्री योगी को लिखे पत्र में कहा कि भारत में बनने वाले 99 प्रतिशत कालीन निर्यात किए जाते हैं, जिनमें से 60 प्रतिशत अमेरिका जाते हैं।

राष्ट्रीय

मराठा आरक्षण: सरकारी प्रतिनिधिमंडल से वार्ता विफल

जरांगे विरोध प्रदर्शन जारी रखने पर अड़े, सेवानिवृत्त न्यायाधीश को बातचीत के लिए भेजने की आलोचना की

मुंबई, एजेंसी

मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे और सरकार द्वारा नियुक्त प्रतिनिधिमंडल के बीच शनिवार को मुंबई में हुई बातचीत बेनतीजा रही जिससे कोई प्रगति नहीं दिखी। जरांगे ने सेवानिवृत्त न्यायाधीश संदीप शिंदे को बातचीत के लिए भेजने पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की भी आलोचना की।

सेवानिवृत्त न्यायाधीश शिंदे मराठों को आरक्षण देने की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए राज्य सरकार द्वारा गठित समिति के अध्यक्ष हैं। दक्षिण मुंबई के आजाद मैदान में दो दिन से जारी अपनी भूख हड़ताल जारी रखने का संकल्प लेते हुए जरांगे ने कहा, मराठों को आरक्षण देने की घोषणा करने वाला सरकारी प्रस्ताव (जीआर) जारी करना न्यायमूर्ति शिंदे का काम नहीं है। सरकार ने मराठा नेता से बातचीत के लिए दिन में ही प्रतिनिधिमंडल भेजा था, जिन्होंने शुक्रवार को आजाद मैदान में विरोध प्रदर्शन का यह नया दौर शुरू किया है। जरांगे ओबीसी श्रेणी के तहत मराठों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण की मांग कर रहे हैं। वह चाहते हैं कि सभी मराठों को ओबीसी के तहत आने वाली कृषि प्रधान जाति कुनबी के रूप में मान्यता दी जाए, ताकि समुदाय के लोगों को सरकारी नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण मिल सके।

उन्होंने कहा कि यह विरोध प्रदर्शन आरक्षण पाने के लिए समुदाय की अंतिम लड़ाई है। सरकारी प्रतिनिधिमंडल ने दोपहर में जरांगे से मुलाकात की। जरांगे ने कहा कि सेवानिवृत्त न्यायाधीश शिंदे की अध्यक्षता वाली समिति ने पिछले 13 महीनों से इस मुद्दे से संबंधित राजपत्रों का अध्ययन किया और अब समय आ गया है कि समिति अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करे ताकि मराठों को कुनबी का दर्जा मिलने का मार्ग प्रशस्त हो। जरांगे ने कहा, मराठवाड़ा में मराठों को कुनबी घोषित किया जाना चाहिए और उन्हें आरक्षण दिया जाना चाहिए।

मुंबई में छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस के बाहर मराठा आरक्षण की मांग को लेकर एकत्र हुए आंदोलनकारी। ● एजेंसी

मुंबई पुलिस ने आरक्षण आंदोलन के लिए एक और दिन की अनुमति दी

मुंबई। पुलिस ने शनिवार शाम को मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे के दक्षिण मुंबई के आजाद मैदान में आंदोलन की अनुमति एक दिन के लिए और बढ़ा दी। एक अधिकारी ने बताया कि दो दिनों में यह दूसरी बार है जब मुंबई पुलिस ने आंदोलन के आयोजकों को अनुमति दी है। उन्होंने बताया कि इससे पहले, आजाद मैदान पुलिस को जरांगे के प्रदर्शन को एक और दिन के लिए अनुमति देने का आवेदन मिला था। मैदान पर प्रदर्शन की समय सीमा शाम छह बजे तक थी। आवेदन पर कार्यवाही करते हुए आयोजकों को जरांगे के विरोध प्रदर्शन के लिए एक और दिन के लिए आजाद मैदान का इस्तेमाल करने की अनुमति दे दी गई है।

पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ ने पेंशन के लिए किया आवेदन

जयपुर/नई दिल्ली। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राजस्थान में पूर्व विधायक के तौर पर पेंशन के लिए आवेदन किया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। धनखड़ 1993 से 1998 तक किशनगढ़ विधानसभा सीट से कांग्रेस के विधायक रहे थे। उन्होंने जुलाई 2019 तक पूर्व विधायक के रूप में पेंशन प्राप्त की। धनखड़ के पश्चिम बंगाल का राज्यपाल नियुक्त होने के बाद यह पेंशन रोक दी गई। उपराष्ट्रपति पद से 21 जुलाई हटने के बाद, धनखड़ ने पूर्व विधायक के रूप में पेंशन बहाल करने के लिए राजस्थान विधानसभा सचिवालय में नये सिरे से आवेदन दिया है।

दुष्कर्म मामले में कलंक अपराधी पर लगे, पीड़िता पर नहीं : दिल्ली हाईकोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

- दुष्कर्म का मुकदमा रद्द करना पीड़िता के हित में होगा आरोपी की इस टिप्पणी को कोर्ट ने घृणित बताया

दिल्ली हाईकोर्ट ने दुष्कर्म के आरोपी एक व्यक्ति की इस दलील को घृणित करार दिया कि उसके खिलाफ दुष्कर्म का मुकदमा रद्द करना नाबालिग पीड़िता के हित में होगा, जिसे अन्यथा कलंक का सामना करना पड़ेगा। न्यायमूर्ति गिरीश कठपालिया ने 29 अगस्त को पारित फैसले में कहा कि कलंक गलत कृत्य की शिकार पीड़िता पर नहीं, बल्कि गलत काम करने वाले पर लगना चाहिए। इसी के साथ उन्होंने आरोपी की याचिका खारिज करते हुए उस पर 10,000 रुपये का जुर्माना लगा दिया।

न्यायमूर्ति कठपालिया ने कहा, याचिकाकर्ता के वकील की दलील है कि वर्तमान कार्यवाही को रद्द करना अभियोक्ता के हित में होगा, अन्यथा उसे कलंक का सामना करना पड़ेगा। मैं इस दलील को घृणित मानता हूं। उन्होंने कहा, कलंक गलत कृत्य की शिकार पीड़िता पर नहीं, बल्कि गलत काम करने वाले अपराधी पर लगना चाहिए। समाज की मानसिकता में आमूल-चूल बदलाव लाना होगा। कलंक दुष्कर्म जैसी भयावह पीड़ा झेलने वाली लड़की पर नहीं, बल्कि अपराधी पर लगना होगा।

वैष्णो देवी यात्रा 5वें दिन भी स्थगित, बारीदार समुदाय का प्रदर्शन

कटरा/जम्मू। बारीदार समुदाय के सदस्यों के एक समूह ने शनिवार को श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड (एसएमवीडीएसबी) के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और रियासी जिले में मंदिर जाने वाले पुराने मार्ग पर हाल ही में हुए भूस्खलन की घटना की निष्पक्ष जांच की मांग की। इस भूस्खलन में 34 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई और 20 अन्य लोग घायल हुए थे। वैष्णो देवी तीर्थयात्रा शनिवार को लगातार पांचवें दिन भी स्थगित रही, जिससे सैकड़ों तीर्थयात्री कटरा में ही फंस गए। हाल ही में हुई भारी बारिश के बाद सड़क और रेल मार्ग से कटरा का संपर्क टूट गया है। बारीदार समुदाय में वैष्णो देवी मंदिर से जुड़े पुजारियों के परिवार शामिल हैं। काले झंडे लेकर श्राइन बोर्ड के खिलाफ नारे लगाते हुए समुदाय के सदस्य सड़कों पर उतरे।

राहुल गांधी के लिए जीडीपी आंकड़े तमाचा: भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी

- कृषि मंत्री शिवराज चौहान ने कहा- मोदी के नेतृत्व में भारत विकास की लिख रहा गाथा

भाजपा ने शनिवार को कहा कि अप्रैल-जून में भारत की अर्थव्यवस्था के उम्मीद से अधिक 7.8 प्रतिशत की दर से विकास करने को दर्शाने वाले नवीनतम आंकड़ों को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लिए वास्तविकता का सबसे कड़ा तमाचा बताया, जिन्होंने हाल ही में भारत को मृत अर्थव्यवस्था करार दिया था।

शुक्रवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-जून में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी जो अमेरिका द्वारा विनाशकारी शुल्क लगाए जाने से पहले की पांच तिमाहियों में सबसे अधिक थी। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में जीडीपी की वृद्धि मुख्य रूप से कृषि क्षेत्र के अच्छे प्रदर्शन के कारण हुई। जीडीपी आंकड़ों पर टिप्पणी करते हुए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज चौहान ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत एक विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। सरकारी आंकड़ों का हवाला देते हुए, भाजपा के आईटी प्रकोष्ठ के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा, कड़वा बोलने वाले, भ्रमित, निराश और खारिज किए गए राहुल गांधी के लिए, वही व्यक्ति जिसने भारत को मृत अर्थव्यवस्था करार दिया था, जीडीपी के नवीनतम आंकड़े वास्तविकता का सबसे कड़ा तमाचा हैं।

पीएम के लिए अपशब्दों के खिलाफ भाजपा कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन

नई दिल्ली। बिहार में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए इस्तेमाल की गई अपमानजनक भाषा के खिलाफ भाजपा के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। उन्होंने कांग्रेस सदस्यों पर बिहार में एक राजनीतिक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और उनकी मां का अपमान करने का आरोप लगाया। बिहार में राहुल गांधी चुनाव प्रचार कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी की और राहुल गांधी से माफी मांगने की मांग की। सचदेवा ने कहा, यह एक अक्षम्य अपराध है। राहुल गांधी और सोनिया गांधी को प्रधानमंत्री के खिलाफ इस्तेमाल की गई अभद्र भाषा के लिए माफी मांगनी चाहिए।

मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए चुनाव आयोग को दो लाख आवेदन मिले

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने शनिवार को कहा कि उसे बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत तैयार की जा रही मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए व्यक्तियों से 1.98 लाख आवेदन प्राप्त हुए हैं। आयोग ने कहा कि दूसरी ओर, नाम शामिल करने के लिए लगभग 30,000 आवेदन प्राप्त हुए। मतदाता सूची का मसौदा एक अगस्त को प्रकाशित किया गया था और यह एक सितंबर तक व्यक्तियों तथा राजनीतिक दलों द्वारा दावों और आपत्तियों के लिए खुला रहेगा।

चुनाव कानूनों के तहत, लोगों और दलों को उन नामों को शामिल करने को चुनौती देने का अधिकार है जिनके बारे में उन्हें लगता है कि वे मसौदा सूची में अपात्र हैं। इसी तरह, जो लोग खुद को पात्र समझते हैं लेकिन सूची से बाहर रह गए हैं, वे भी नाम शामिल करने की मांग कर सकते हैं। बिहार में नवंबर में चुनाव होने की संभावना है और वहां के लिए अंतिम मतदाता सूची 30 सितंबर को प्रकाशित की जाएगी।

गणपति बप्पा मोरया

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मुंबई में भगवान गणेश की लालबागचा राजा मूर्ति के दर्शन किए। ● एजेंसी

निजी खाते में जमा कर दिए 232 करोड़, एएआई प्रबंधक गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

● **ऑडिट में करतूत का खुलासा होने के बाद सक्रिय हुई सीबीआई**

सीबीआई ने भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण (एएआई) के एक वरिष्ठ प्रबंधक को 232 करोड़ रुपये से अधिक धनराशि व्यापारिक उद्देश्यों के लिए निजी खाते में जमा कराने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

अधिकारियों ने बताया कि एएआई के वरिष्ठ प्रबंधक (वित्त एवं लेखा) राहुल विजय ने देहरादून हवाई अड्डे पर तैनाती के दौरान तीन वर्षों में फर्जी प्रविष्टियों के माध्यम से धन अंतरण की साजिश रची। जिय ने आधिकारिक और इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड में हेरफेर करके एएआई की राशि का व्यवस्थित रूप से अपने निजी खाते में अंतरण किया। जांच के दौरान सामने आया कि 2019-20 से 2022-23 की अवधि में, देहरादून हवाई अड्डे पर तैनाती के दौरान आरोपी ने फर्जी संपत्तियां बनाकर और कुछ संपत्तियों के मूल्यों को बढ़ाकर इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड में हेरफेर किया, जिसमें प्रविष्टियों में शून्य जोड़ना भी शामिल था ताकि रुटीन जांच से बचा जा सके।

बैंक लेनदेन के प्रारंभिक विश्लेषण में केंद्रीय जांच एजेंसी ने पाया कि इस तरह से जमा की गई धनराशि को आरोपी ने ट्रेडिंग खातों में स्थानांतरित कर दिया, जिससे सार्वजनिक धन की हेराफेरी हुई। कहा गया है कि वित्त एवं लेखा विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक विजय की हेराफेरी का पता एक आंतरिक ऑडिट में चला।

इजराइल के हवाई हमले में मारे गए हुती प्रधानमंत्री, कई मंत्री

काहिरा। ईरान समर्थित हुती विद्रोहियों ने शनिवार का पुष्टि की कि यमन की राजधानी सना में इजराइली हवाई हमले में विद्रोही नियंत्रित सरकार के प्रधानमंत्री की मौत हो गई।

विद्रोहियों ने कहा कि अहमद अल-रहावी बृहस्पतिवार को सना में हुए हमले में मारे गए। कई मंत्री भी हताहत हुए हैं। इजराइली सेना ने कहा कि उसने सना क्षेत्र में हुती आतंकवादी शासन के सैन्य ठिकाने पर सटीक हमला किया। विद्रोहियों ने कहा है कि अल-रहावी अगस्त 2024 से हुती नेतृत्व वाली सरकार के प्रधानमंत्री थे। इजराइल ने तब हमला किया कि जब रहावी पिछले वर्ष की गतिविधियों और प्रदर्शन के मूल्यांकन के लिए एक कार्यशाला में शामिल हुए थे।

साल दर साल बढ़ती ही जा रही है

भारत में ड्रग्स की खपत

एनडीपीएस एक्ट की शुरुआत के बाद पिछले तीन दशकों में सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की ओर से दो राष्ट्रव्यापी ड्रग सर्वेक्षण 2004 और 2019 में प्रकाशित किए गए हैं। इन सर्वेक्षणों के परिणाम बताते हैं कि भारत में नशीली दवाओं का उपयोग लगातार बढ़ रहा है। पिछली रिपोर्ट के मुताबिक ओपिओइड यानी नशीली दवाओं का उपयोग 0.7 प्रतिशत से बढ़कर 2 प्रतिशत से भी अधिक हो गया है। ज्यादा परेशान करने वाली बात यह है कि हेरोइन ने प्राकृतिक ओपिओइड यानी अफीम और पोस्त की भूसी को सर्वाधिक दुरुपयोग किए जाने वाले ओपिओइड के रूप में बदल दिया है। पंजाब के एक बड़े पैमाने पर हुए अध्ययन ने भी पुष्टि की है कि सिंथेटिक दवाओं और कोकीन के उपयोग में काफी वृद्धि हुई है। भारत में ड्रग्स की वजह से हर दिन सैकड़ों मौतें होती हैं।

देश में ड्रग्स की कितनी खपत

- आंकड़ों के अनुसार देश में लगभग 100 मिलियन पदार्थ व्यसनी हैं और नार्कोटिक उपभोग में 70% की वृद्धि हुई है।
- लगभग 2.1% भारतीय आबादी ओपियोइड्स का उपयोग करती है, जिसमें हेरोइन और फार्मास्यूटिकल ओपियोइड्स शामिल हैं।
- लगभग 2.8 प्रतिशत भारतीय आबादी कैनाबिस का उपयोग करती है जिसमें भांग, गांजा और चरस जैसा नशा शामिल हैं।
- इसके अलावा 1.08 प्रतिशत आबादी सेडेटिव्स का उपयोग करती है जो गैर चिकित्सकीय और गैर निर्धारित नशे की श्रेणी है।

ड्रग्स की वजह से कितनी मौतें

- सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के मुताबिक वर्ष 2003 से 2013 के बीच ड्रग्स के कारण देश में 25,000 से अधिक मौतें हुईं।
- वर्ष 2014 में ड्रग्स की वजह से आत्महत्या के 3,647 मामले सामने आए, सर्वाधिक 1,372 महाराष्ट्र से थे।
- केरल में ड्रग्स से जुड़ी मौतों की दर राष्ट्रीय औसत से अधिक रही है, जबकि पंजाब में 2014 में ड्रग्स से मौत के 38 मामले सामने आए थे।

तस्करी नेटवर्क

- भारत में ड्रग्स की तस्करी मुख्य रूप से अफगानिस्तान, पाकिस्तान और म्यांमार से होती है।
- बड़े पैमाने पर तस्करी के लिहाज से थाईलैंड, लाओस, म्यांमार गोल्डन ट्रायंगल कहलाते हैं।
- अफगानिस्तान, ईरान और पाकिस्तान को ड्रग्स तस्करी में गोल्डन क्रेसेंट कहते हैं।

राज्यों में नशे का रुझान

- पंजाब, सिक्किम और छत्तीसगढ़ में लोग नशे के लिए ज्यादातर कैनाबिस का उपयोग करते हैं।
- उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, मणिपुर, बिहार में हेरोइन और स्मैक की खपत ज्यादा है।
- सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम में ओपियोइड्स की खपत अधिक है।

भारत में कानून और सख्ती

- एनडीपीएस एक्ट भारत का मुख्य कानून है जो प्रतिबंधित पदार्थों की तस्करी, उत्पादन, बिक्री और उपयोग पर कड़े नियंत्रण के लिए बना है।
- इसके तहत व्यावसायिक मात्रा में ड्रग्स तस्करी पर लंबी जेल, भारी जुर्माना और कुछ मामलों में आजीवन कारावास तक की सजा होती है।
- एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक 2023 में भारत में 74,000 ड्रग्स संबंधी मामलों में 98,000 लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

कई देशों में मृत्युदंड

- सिंगापुर, इंडोनेशिया, सऊदी अरब जैसे कई देशों में ड्रग्स तस्करी पर मृत्यु दंड जैसी कड़ी सजा है।

राज्य-प्रांत संबंध मजबूत करेंगे भारत-जापान

मोदी ने जापान के 16 गवर्नरों के साथ मुलाकात में किया दोनों देशों के बीच अपार संभावनाओं का जिक्र

टोक्यो, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को तोक्यो में जापान के 16 प्रांतों के गवर्नर से मुलाकात की और भारत-जापान विशेष रणनीतिक एवं वैश्विक साझेदारी के तहत 'राज्य-प्रांत सहयोग' को मजबूत किए जाने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने कहा, भारत और जापान की साझेदारी अपार संभावनाओं के द्वार खोल सकती है।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने मोदी और जापानी प्रांतों के गवर्नर के बीच बातचीत की विस्तृत जानकारी देते हुए 'एक्स' पर लिखा, भारत-जापान के मजबूत संबंधों को और सुदृढ़ करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टोक्यो में 16 प्रांतों के गवर्नर से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने भारत के राज्यों और जापान के प्रांतों के बीच सहयोग की संभावनाओं पर प्रकाश डाला और साझा प्रगति के लिए 15वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन के दौरान इस संबंध में शुरू की गई राज्य-प्रांत साझेदारी पहल के तहत कदम उठाने का आग्रह किया।

मंत्रालय ने बताया कि चर्चा में प्रौद्योगिकी, नवोन्मेष, निवेश, कौशल, 'स्टार्ट-अप' और लघु एवं मध्यम उद्यमों के क्षेत्र में भारतीय राज्यों एवं जापानी प्रांतों के बीच बढ़ती साझेदारी को और गहरा करने के तरीकों पर ध्यान केंद्रित किया गया। विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार मोदी ने अपने संबोधन में इस बात पर जोर दिया कि सदियों पुराने सभ्यतागत संबंधों पर आधारित भारत-जापान संबंध नि रंतर मजबूत हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि टोक्यो और नई दिल्ली पर परंपरागत रूप से ध्यान केंद्रित करने से आगे बढ़कर राज्य-प्रांत संबंधों को नए सिरे से बढ़ावा दिया जाए। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि राज्य-प्रांत साझेदारी पहल व्यापार, प्रौद्योगिकी, पर्यटन, कौशल, सुरक्षा और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देगी। प्रधानमंत्री ने जापान के विभिन्न प्रांतों के गवर्नर और भारतीय राज्य सरकारों से विनिर्माण, गतिशीलता, अगली पीढ़ी के बुनियादी ढांचे, नवोन्मेष, 'स्टार्ट-अप' और लघु व्यवसायों में सहयोग को मजबूत करने का आह्वान किया।

जापान के प्रधानमंत्री के साथ बुलेट ट्रेन में यात्रा करते प्रधानमंत्री मोदी।

मोदी ने इशिबा के साथ की बुलेट ट्रेन में यात्रा

टोक्यो। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जापान यात्रा के दूसरे दिन शनिवार को प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा के साथ बुलेट ट्रेन में यात्रा की। मोदी ने जापान में बुलेट ट्रेन की सवारी की तस्वीर भी सोशल मीडिया पर पोस्ट की है। जापान के प्रधानमंत्री इशिबा ने मोदी के साथ तस्वीर साझा करते हुए लिखा, प्रधानमंत्री मोदी के साथ सेंडई की ओर जा रहा हूं। कल रात से ही सिलसिला जारी है और मैं आपके साथ कार में रहूंगा। प्रधानमंत्री मोदी और जापानी प्रधानमंत्री दोनों ने बुलेट ट्रेन से जापान के सेंडाई शहर तक की सवारी की। इस दौरान उन्होंने पूर्वी जापान रेलवे कंपनी में प्रशिक्षण ले रहे भारतीय ट्रेन ड्राइवरों से मुलाकात की। बुलेट ट्रेन की यात्रा के बाद प्रधानमंत्री ने सेंडई में एक सेमीकंडक्टर फैक्ट्री का दौरा किया।

सेंडाई के सेमीकंडक्टर प्लांट का दौरा, सहयोग की उम्मीद जताई

चीन रवाना होने से प्रधानमंत्री मोदीपहले शनिवार को जापान में मियागी प्रांत के सेंडाई स्थित सेमीकंडक्टर प्लांट 'टोक्यो इलेक्ट्रॉन मियागी लिमिटेड' में पहुंचे, जापान की यह अग्रणी कंपनी भारत के साथ सहयोग की योजनाओं पर काम कर रही है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इस यात्रा से दोनों देशों के नेताओं को सेमीकंडक्टर आपूर्ति शृंखला, निर्माण और परीक्षण के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए दोनों देशों के बीच मौजूद अवसरों की व्यावहारिक समझ मिली। दोनों पक्षों ने इस क्षेत्र में सहयोग को गहरा करने, जापान-भारत सेमीकंडक्टर आपूर्ति शृंखला साझेदारी पर सहयोग ज्ञापन के साथ भारत-जापान औद्योगिक प्रतिस्पर्धात्मकता साझेदारी एवं आर्थिक सुरक्षा संवाद के अंतर्गत साझेदारियों को आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

तबाही के निशां

देश के पर्वतीय इलाके लगातार बारिश और भूस्खलन की आपदा से जूझ रहे हैं। शनिवार को भारी बारिश के कारण जम्मू जिले में तवी नदी के तटीय क्षेत्रों में आई बाढ़ ने कई मकानों को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। एजेंसी

ट्रंप चाहते थे अपने नोबेल के लिए प्रचार, इसलिए लगा 50% टैरिफ

मोदी को किया था पाकिस्तान की तरह समर्थन करने का इशारा

न्यूयॉर्क, एजेंसी

● **द न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपनी एक खबर में किए कई खुलासे**

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ संबंधों में खटास पैदा होने के पीछे उनकी नोबेल पुरस्कार की महत्वाकांक्षा की सबसे ज्यादा भूमिका रही। द न्यूयॉर्क टाइम्स ने शनिवार को एकखबर में यह दावा करते हुए क्रमबद्ध बताया है कि किस तरह पिछले कुछ महीनों में ट्रंप और मोदी के बीच संबंध बिगड़े हैं। ट्रंप का बार-बार भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष रुकवाने का दावा भी संबंध बिगड़ने का बड़ा कारण रहा।

अखबार के मुताबिक ट्रंप की ओर से रूसी तेल की खरीद के लिए भारत पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क व्यापार घाटे को कम करने या पुतिन के युद्ध के लिए धन में कटौती करने के किसी समेकित प्रयास के बजाय विमर्श में शामिल नहीं होने की सजा प्रतीत होता है। लेख में सामरिक एवं अंतरराष्ट्रीय अध्ययन केंद्र में 'इंडिया चेयर' अध्यक्ष रिचर्ड रोसो के हवाले से कहा कि यह केवल रूस के बारे में नहीं है। अगर यह रूस पर दबाव बनाने की कोशिश में नीति में कोई वास्तविक बदलाव होता तो ट्रंप उस कानून का समर्थन कर सकते थे जो रूसी हाइड्रोकार्बन खरीदने वाले देशों पर अतिरिक्त प्रतिबंध लगाता। यह तथ्य कि उन्होंने विशेष रूप से भारत को निशाना बनाया है, यह दर्शाता है कि यह सिर्फ रूस से कहीं आगे की बात है।

"व्हाइट हाउस ने 17 जून की बातचीत को स्वीकार नहीं किया। ट्रंप 10 मई के बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रोकने के अपने दावे को 40 से ज्यादा बार दोहरा चुके हैं, और यह एक अमेरिकी राष्ट्रपति का विमर्श है जिसकी नजर नोबेल पुरस्कार पर है, और वह भारतीय राजनीति के तीसरे अविचल मुद्दे, यानी पाकिस्तान के साथ संघर्ष से टकरा रहा है। – **द न्यूयॉर्क टाइम्स**

17 जून की वो फोन कॉल, जब मोदी ने ट्रंप के साथ नोबेल पर बातचीत करने से कर दिया इन्कार

अखबार के मुताबिक ट्रंप और मोदी ने 17 जून को 35 मिनट फोन पर बात की थी जो ट्रंप के कनाडा में जी7 शिखर सम्मेलन से वाशिंगटन लौटने के बाद हुई थी। सम्मेलन में मोदी भी शामिल हुए थे। मोदी और ट्रंप का कनानास्किस में जी7 नेताओं के सम्मेलन के दौरान मिलने का कार्यक्रम था, लेकिन ट्रंप वाशिंगटन लौट आए। इससे पहले मोदी ने वाशिंगटन में ट्रंप से फोन पर बात की। कहा गया है कि 17 जून को फोन पर ट्रंप ने फिर से कहा कि सैन्य संघर्ष को समाप्त करने पर उन्हें कितना गर्व है और उन्होंने उल्लेख किया कि पाकिस्तान उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित करने जा रहा है। अखबार ने घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले लोगों के हवाले से लिखा है, ट्रंप की मोदी से फोन पर हुई वार्ता का स्पष्ट निहितार्थ था कि पाकिस्तान की तरह मोदी भी नोबेल के लिए उनका समर्थन करें लेकिन इससे भारतीय नेता भड़क गए। उन्होंने ट्रंप से कहा कि संघर्ष विराम में अमेरिका की कोई संलिप्तता नहीं है। यह भारत-पाकिस्तान के बीच सीधे तौर पर तय हुआ था। न्यूयॉर्क टाइम्स ने कहा, ट्रंप ने मोदी की टिप्पणियों को काफी हद तक नजरअंदाज कर दिया, लेकिन असहमति और मोदी के नोबेल पुरस्कार पर बातचीत से इन्कार से दोनों नेताओं के बीच संबंधों में खटास पैदा करने में बड़ी भूमिका निभाई है।

क्वाड सम्मेलन में भारत आने की योजना भी रद्द

अखबार ने 'नोबेल पुरस्कार और एक कठिन फोन कॉल : ट्रंप-मोदी संबंध कैसे बिगड़े' शीर्षक से प्रकाशित खबर में ट्रंप के कार्यक्रम से परिचित लोगों का हवाला देते हुए कहा, मोदी को यह बताने के बाद कि वह इस वर्ष के अंत में क्वाड शिखर सम्मेलन के लिए भारत की यात्रा करेंगे, ट्रंप ने इस योजना को रद्द कर दिया है। न्यूयॉर्क टाइम्स के दावे पर अमेरिका या भारत की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। भारत इस वर्ष के अंत में क्वाड शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने वाला है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने लेख में बताया गया है कि किस प्रकार ट्रंप और मोदी के संबंध मई में भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिवसीय सैन्य झड़प में मध्यस्थता के ट्रंप के बार-बार दावों के बाद बिगड़ गए।

यूक्रेन युद्ध के लिए भारत पर निशाना अनुचित: जयशंकर

● **फिनलैंड की अपनी समकक्ष से बात करने के बाद विदेशमंत्री की टिप्पणी**

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को फिनलैंड की अपनी समकक्ष एलिना वाल्टोनन के साथ फोन पर बातचीत के बाद कहा कि यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में भारत को अनुचित निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए।

विदेश मंत्री की इस टिप्पणी को अमेरिका के उन आरोपों के संदर्भ में देखा जा रहा है कि भारत सस्ता रूसी कच्चा तेल खरीदकर युद्ध में मॉस्को की सहायता कर रहा है। जयशंकर ने 'एक्स' पर कहा, हमारी चर्चा यूक्रेन संघर्ष पर केंद्रित रही। हमने हमेशा बातचीत और कूटनीति का समर्थन किया है। व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने इस सप्ताह कहा था कि ट्रंप का 50 प्रतिशत शुल्क केवल भारत के अनुचित व्यापार पर नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य मॉस्को की युद्ध मशीन को नई दिल्ली द्वारा दी गई वित्तीय जीवन रेखा को काटना भी है।

ओली ने चीन में उठाया लिपुलेख का मुद्दा

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने शनिवार को तियानजिन में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक के दौरान लिपुलेख को व्यापार मार्ग के रूप में इस्तेमाल करने के लिए भारत और चीन के बीच हुए समझौते पर आपत्ति जताई। नेपाल लिपुलेख को अपना क्षेत्र बताता है, हालांकि भारत इसे सिरे से खारिज करता है। उसका कहना है कि यह न तो उचित है और न ही ऐतिहासिक तथ्यों और साक्ष्यों पर आधारित है। नेपाल के सचिवालय ने एक बयान में प्रधानमंत्री ओली के हवाले से कहा गया, नेपाल का मानना है कि चीन इस संबंध में नेपाल के साथ सहयोग करेगा। हालांकि चीन ने नेपाली प्रधानमंत्री की इन आपत्तियों पर फिलहाल कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की है।

इजराइल उत्तरी गाजा में मानवीय सहायता की आपूर्ति रोकेगा

यरूशलम। इजराइल हमास के खिलाफ अपने सैन्य अभियान का विस्तार करते हुए उत्तरी गाजा के कुछ हिस्सों में मानवीय सहायता की आपूर्ति जल्द ही रोक देगा या धीमी कर देगा।

इजराइल के एक अधिकारी ने गाजा को युद्ध क्षेत्र घोषित किए जाने के बाद शनिवार को यह बात कही। अधिकारी ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर बताया कि इजराइल जल्द गाजा सिटी में हवाई मार्ग से मानवीय सहायता रोक लगा देगा और उत्तरी हिस्से में मदद सामग्री पहुंचाने वाले ट्रकों की संख्या में कटौती करेगा, जबकि वह क्षेत्र के दक्षिणी भाग से लाखों लोगों को हटाने की तैयारी कर रहा है।

सांसदों को ज्यादा भत्ता, संसद भवन आग के हवाले

इंडोनेशिया में फूटा लोगों का गुस्सा, तीन लोगों की मौत, पांच से ज्यादा घायल

जकार्ता, एजेंसी

इंडोनेशिया में सांसदों को न्यूनतम वेतन से 10 गुना ज्यादा आवास भत्ता देने से गुस्साए लोगों की भीड़ ने एक प्रांतीय राजधानी में संसद भवन में आग लगा दी। इस घटना कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य झुलस गए।

दक्षिण सुलावेसी प्रांत की राजधानी मकास्सर में शुक्रवार देर रात आग लगा दी गई। टेलीविजन पर खबरों में दिखाया गया कि प्रांतीय परिषद की इमारत रात भर जलती रही। स्थानीय आपदा अधिकारी फदली ताहर ने बताया कि बचावकर्मियों ने शनिवार सुबह तक तीन शव बरामद किए, जबकि इमारत से कूदने के बाद पांच लोगों को जलने या हड्डियां टूटने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पश्चिमी जावा के बांडुंग शहर में प्रदर्शनकारियों ने शुक्रवार को एक क्षेत्रीय संसद को भी आग के हवाले कर दिया, लेकिन किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। इंडोनेशिया के दूसरे सबसे बड़े शहर सुरबाया में प्रदर्शनकारियों ने बाड़बंदी को नष्ट करने और वाहनों में आग लगाने के बाद क्षेत्रीय पुलिस मुख्यालय पर धावा बोल दिया।

जकार्ता में शनिवार को अधिकारियों ने जली हुई कारों और पुलिस कार्यालयों और बस स्थलों से मलबे को हटाया। जकार्ता में सोमवार को पांच दिन का विरोध उन खबरों के बाद शुरू हुआ जिनमें कहा गया कि सभी 580 सांसदों को उनके वेतन के साथ पांच करोड़ रुपिया (3,075 अमेरिकी डॉलर) मासिक आवास भत्ता मिलता है। पिछले साल शुरू हुआ यह भत्ता जकार्ता के न्यूनतम वेतन से लगभग 10 गुना ज्यादा है।

रात भर जलता रहा इंडोनेशिया की प्रांतीय राजधानी में संसद भवन।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 31 अगस्त, रविवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-भाद्रपद, पक्ष-शुक्ल पक्ष, अष्टमी 1 सितंबर 12.57 तक तत्पश्चात नवमी।

मेष – आज घर में कुछ रिश्तेदार आ सकते हैं। जीवनसाथी के साथ पूजा-पाठ में रुचि लेंगे। अपनी इच्छाशक्ति से कठिनाइयों को दूर कर लेंगे। आज आप ललित कलाओं में रुचि ले सकते हैं। व्यापार में कुछ नुकसान की आशंका है।

वृष – आज अपने व्यवहार को लेकर आत्मनिरीक्षण अवश्य करें। किसी छोटी बात को लेकर परिजनों से झगड़ा न करें। विद्यार्थी पढ़ाई को लेकर लापरवाह हो सकते हैं। सामाजिक विषयों को लेकर आप परेशान हो सकते हैं।

मिथुन – आज परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहेगा। व्यापार में धन लाभ हो सकता है। घर में बैठकर किसी रोचक वेबसीरीज का आनंद उठा सकते हैं। जीवन में अनुशासन लाने का प्रयास करें। स्थान परिवर्तन की योजना को लेकर जल्दबाजी न करें।

कर्क – आज किसी बड़े धनवान व्यक्ति से भेंट हो सकती है। अपच हो जाए तो परेशानी होगी। आपकी कोई मनोकामना पूर्ण होने के योग बन रहे हैं। विद्यार्थियों के लिए समय बहुत ही अच्छा है। अपने प्रेमी को कुछ उपहार दे सकते हैं।

सिंह – आज महिलाओं को अपनी सेहत का ध्यान रखना चाहिए। छाती में कफ जम सकता है। रोजगार में कुछ बदलाव कर सकते हैं। दूसरों की सहायता करने में संकोच न करें। अपने व्यापार को लेकर त्वरित निर्णयों से आपको लाभ मिलेगा।

कन्या – आज अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखें। रियल एस्टेट से जुड़े प्रोजेक्ट्स काफी तेजी से आगे बढ़ेंगे। रिश्तों में मिठास बढ़ेगी। आयुर्वेदिक दवाइयों से स्वास्थ्य लाभ होगा। इनका नित्य सेवन अवश्य करते रहें। अपनी गुप्त बातों को किसी से शेयर न करें।

तुला – आज आपको अच्छी नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। पर्यटन से जुड़े लोगों के लिए दिन अपेक्षाकृत शुभ रहेगा। सोशल मीडिया में अत्यन्त सक्रियता दिखायेंगे। अपनी क्षमता से लोगों को प्रभावित करेंगे। दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें।

वृश्चिक – आज शारीरिक थकान के कारण थोड़ा क्रोधित हो सकते हैं। आज आपको व्यायाम अवश्य करना चाहिए, इससे आप में ऊर्जा बनी रहेगी। आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार आयेगा। जिस काम को अधूरा छोड़ दिये थे उसे पूरा कर लेंगे।

धनु – आज जीवनसाथी से आपको काफी सहायता मिलेगी। करियर में बदलाव करना चाहते हैं तो थोड़ा धैर्य रखें। सम्मानित व्यक्तियों से महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श कर सकते हैं। आपको प्रत्येक स्थिति में सभी के साथ सामंजस्य बनाकर रखना होगा।

मकर – आज नए संबंधों में अधिक विश्वास न करें। संतान को लेकर कुछ निर्णय ले सकते हैं। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें। विदेश यात्रा बाधित हो सकती है। वैवाहिक अड़चनें दूर करने के लिए आपको थोड़ा समय देना होगा। बड़ों की राय लेने से आपको सफलता मिलेगी।

कुंभ – आज अपनी योजनाओं से संतुष्ट रहेंगे। आपसी रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी। परिजनों के साथ एकमत रहेंगे। गायन और अभिनय से जुड़े लोगों को उत्तम अवसर मिल सकते हैं। वैवाहिक जीवन सुखद व्यतीत होगा।

मीन – आज नए घर की योजना बना सकते हैं। आत्मविश्वास में वृद्धि होने के योग बन रहे हैं। करियर में बदलाव कर सकते हैं। जीवन में स्थिरता आयेगी। आकस्मिक यात्रा की योजना बना सकते हैं। बुजुर्गों के प्रति मन में श्रद्धा भाव रखें।

आज का पंचांग

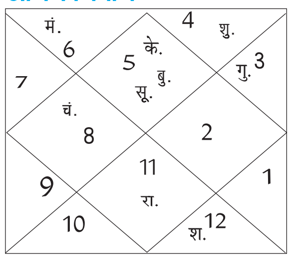

दिशाशूल- पश्चिम, ऋतु- वर्षा। चन्द्रबल-वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुम्भ। ताराबल-अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती। नक्षत्र-अनुराधा 05.27 तक तत्पश्चात ज्येष्ठा।

सुडोकू-85

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	5		3		4			6
		8		6			3	
			2		1		9	
7		3		9		5		
	9							
		6		2		9		8
	4		5		8			
	7			3		2		
9			7		2		8	

सुडोकू - 84 का हल

3	9	1	7	4	5	6	2	8
6	8	4	2	3	1	9	5	7
2	5	7	8	6	9	4	3	1
1	7	3	6	8	2	5	4	9
8	4	5	3	9	7	2	1	6
9	2	6	1	5	4	8	7	3
5	3	9	4	7	6	1	8	2
4	1	8	9	2	3	7	6	5
7	6	2	5	1	8	3	9	4

दलीप ट्रॉफी में मुझे जितने ओवर मिले, उससे मुझे बहुत अच्छा लगा। 15-17 ओवर के बाद मेरा शरीर ठीक महसूस करता है और गेंद भी अच्छी तरह से आ रही है। आज ज्यादा विकेट नहीं मिले, लेकिन भविष्य में जरूर मिलेंगे।
-अर्शदीप सिंह

स्टेडियम

बरेली, रविवार, 31 अगस्त 2025

अमृत विचार
www.amritvichar.com

हाईलाइट

द्रविड़ ने मुख्य कोच का पद छोड़ा

नई दिल्ली : पूर्व दिग्गज बल्लेबाज राहुल द्रविड़ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अगले सत्र से पहले राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच का पद छोड़ देंगे। फ्रेंचाइजी ने शनिवार को यह घोषणा की। द्रविड़ को आईपीएल 2025 सत्र से पहले रॉयल्स का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था। दिलचस्प बात यह है कि रॉयल्स ने यह घोषणा ऐसे समय में की है जबकि अटकलें लगाई जा रही हैं कि कप्तान संजू सैमसन भी फ्रेंचाइजी छोड़ना चाहते हैं। रॉयल्स ने एक्स पर एक बयान में कहा राहुल कई वर्षों से रॉयल्स के सफर के अहम अंग रहे हैं। उनके नेतृत्व में खिलाड़ियों की एक पीढ़ी तैयार हुई है। उन्होंने फ्रैंचाइज़ी की संस्कृति पर एक अमिट छाप छोड़ी है।यान के अनुसार राहुल को फ्रैंचाइज़ी में एक बड़े पद की पेशकश की गई थी, लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया।

हमारा ध्यान विश्व कप पर : सलीमा टेटे

बेंगलुरु : भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने एशिया कप के लिए चीन के हांगझोउ रवाना होने से पहले शनिवार को यहां कहा कि टीम अगले साल होने वाले विश्व कप में जगह पक्की करने के लिए प्रतिबद्ध है। टीम महिला एशिया कप में भाग लेने के लिए शनिवार को रवाना हुई। अगले वर्ष होने वाले विश्व कप में अपना स्थान पक्का करने के लिए भारत की 20 सदस्यीय टीम को यह टूर्नामेंट जीतना होगा। सलीमा ने एक विज्ञप्ति में कहा यह टूर्नामेंट हमारे लिए अगले वर्ष होने वाले एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप में अपना स्थान सुरक्षित करने का अच्छा अवसर है और हम इस पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

चोपड़ा करेंगे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन : सुमारिवाला

नई दिल्ली : विश्व एथलेटिक्स के उपाध्यक्ष आदिल सुमारिवाला ने स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में डायमंड लीग फाइनल में औसत प्रदर्शन करने के बावजूद तोक्यो में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के दौरान स्टार भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की उम्मीद जताई। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता 27 साल के चोपड़ा डायमंड लीग फाइनल में अपने सर्वश्रेष्ठ लय में नहीं दिखे। उन्होंने 85.01 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ दूसरा स्थान हासिल किया।

पाकिस्तान की जूनियर हॉकी टीम भारत आएगी

राजगीर (बिहार) : हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ने शनिवार को पुष्टि की कि पाकिस्तान इस साल के अंत में एफआईएच जूनियर विश्व कप में भाग लेने के लिए भारत आएगा। दोनों देशों के बीच सैन्य संघर्ष के बाद सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए पाकिस्तान ने बिहार में चल रहे एशिया कप से हटने का फैसला किया। इससे यह संदेह पैदा हो गया था कि पाकिस्तान नवंबर-दिसंबर में चेन्नई और मदुरै में होने वाले जूनियर विश्व कप में भाग लेगा या नहीं।

गिल का सीओई में फिटनेस टेस्ट होगा

एशिया कप की तैयारी : बुमराह, जायसवाल और सुंदर के साथ रोहित शर्मा भी पहुंचे

बेंगलुरु, एजेंसी

भारतीय टेस्ट कप्तान और टी20 उपकप्तान शुभमन गिल आगामी एशिया कप के लिए दुबई जाने से पहले फिटनेस आकलन और तैयारियों के लिए यहां बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) पहुंच गए हैं। एशिया कप के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने वाले खिलाड़ियों को नौ सितंबर को मेजबान संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच से पहले चार सितंबर को दुबई में इकट्ठा होना है।

सीनियर बल्लेबाज रोहित शर्मा और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज भी फिटनेस आकलन के लिए सीओई पहुंच गए हैं। फिटनेस की जांच रविवार से शुरू हो सकती है और सभी की निगाह एक दिवसीय टीम के कप्तान रोहित पर टिकी रहेगी जो टी20 और टेस्ट क्रिकेट से पहले ही संन्यास ले चुके हैं।

यह 38 वर्षीय खिलाड़ी अक्टूबर में होने वाली वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा कर सकता है, लेकिन यह देखना बाकी है कि वह कानपुर में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ 30 सितंबर, तीन अक्टूबर और पांच अक्टूबर को होने वाले एकदिवसीय मैचों में खेलते हैं या नहीं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के मैच 19, 23 और 25 अक्टूबर को खेले जाएंगे। फ्लू के कारण गिल पूर्वी क्षेत्र के खिलाफ चल रहे दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में नहीं खेल पाए जहां उन्हें उत्तर क्षेत्र की कप्तानी करनी थी। गिल बेंगलुरु आने से पहले चंडीगढ़ स्थित अपने घर पर बीमारी से उबर रहे थे। यह संभव है कि गिल बेंगलुरु से दुबई के लिए उड़ान भरें, क्योंकि इस बार खिलाड़ी अपने-अपने स्थानों से सीधे दुबई पहुंचेंगे, जबकि पहले टीम यात्रा करने से पहले मुंबई में एकत्र होती थी। गिल के अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा भी टूर्नामेंट से पूर्व तैयारियों के लिए सीओई पहुंच चुके हैं। पीटीआई को पता चला है कि मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, वाशिंगटन सुंदर, यशस्वी जायसवाल और शार्दुल ठाकुर भी सीओई पहुंचने वाले हैं। ठाकुर दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में पश्चिम क्षेत्र की कप्तानी करने के लिए तैयार हैं, जबकि एशिया कप के लिए स्टैंडबाय में रखे गए जायसवाल और सुंदर भी इस घरेलू टूर्नामेंट में खेलेंगे। एशिया कप के लिए भारतीय टीम में चुने गए कुछ अन्य खिलाड़ी जैसे अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा (उत्तरी क्षेत्र) और कुलदीप यादव (मध्य क्षेत्र) पहले से ही दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल खेल रहे हैं।

बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड में रोहित शर्मा, शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह और शार्दुल ठाकुर। एजेंसी

बोरिंग टाइम का भी लुत्फ उठाना सीख लिया

बेंगलुरु : टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण के लंबे होते इंतजार के बीच तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने कहा कि साथी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज के साथ बातचीत ने उन्हें इस उबाऊ दौर से उबरना और एशिया कप के लिए मानसिक रूप से तैयार होना सिखाया है। इंग्लैंड दौरे पर शुरुआती तीन टेस्ट में एकादश से बाहर रहने के बाद अर्शदीप के पास चौथे और पांचवें टेस्ट में पदार्पण का मौका था लेकिन बाएं अंगूठे की दुर्भाग्यपूर्ण चोट के कारण ऐसा नहीं हो सका। अर्शदीप ने यहां दलीप ट्रॉफी के इतर कहा मैंने पिछले दो महीनों में मानसिक रूप से उबाऊ समय का लुत्फ उठाना सीख लिया है। टेस्ट क्रिकेट या लाल गेंद के मैचों में एक समय ऐसा आता है जब आपका काम थोड़ा उबाऊ हो जाता है। जैसे लंच के बाद का सत्र जब गेंद से ज्यादा मदद नहीं मिलती है। तब आप उसका लुत्फ कैसे ले सकते हैं?

गर्मी के कारण मैचों का समय आधा घंटा पीछे खिसकाया गया

दुबई : अमीरात क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने शनिवार को घोषणा की कि संयुक्त अरब अमीरात में भीषण गर्मी के कारण आगामी एशिया कप के 19 में से 18 मैचों का शुरू होने का समय मूल कार्यक्रम से आधे घंटे पीछे कर दिया गया है। संशोधित समय के अनुसार अब मैच स्थानीय समयानुसार शाम 6.30 बजे (भारतीय समयानुसार रात 8 बजे) शुरू होंगे। इस बार टी-20 प्रारूप में आयोजित होने वाला यह महाद्वीपीय टूर्नामेंट नौ से 28 सितंबर तक दुबई और अबू धाबी में खेला जाएगा। ईसीबी ने अपनी वेबसाइट पर एक बयान में कहा एशिया कप 2025 के 19 मैचों में से 18 के शुरू होने का समय अपडेट कर दिया गया है। ये मैच अब स्थानीय समयानुसार शाम 6:30 बजे शुरू होंगे। बयान के अनुसार सोमवार, 15 सितंबर को यूएई और ओमान के बीच मैच स्थानीय समयानुसार दोपहर बाद चार बजे शुरू होगा। यह टूर्नामेंट का दिन में खेले जाने वाला एकमात्र मैच होगा। एशियाई क्रिकेट परिषद ने इससे पहले जो कार्यक्रम जारी किया था उसके अनुसार मैच स्थानीय समयानुसार शाम छह बजे शुरू होने थे।

विश्व चैंपियनशिप में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी। एजेंसी

सात्विक-चिराग की जोड़ी सेमीफाइनल में, पदक पक्का

- पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूई यिक को हराया

पेरिस, एजेंसी

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार भारतीय जोड़ी ने यहां पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के दो बार के ओलंपिक पदक विजेता आरोन चिया और सोह वूई यिक को हराकर विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारत के लिए पदक सुनिश्चित किया।

भारतीय जोड़ी पिछले साल पेरिस ओलंपिक में मलेशिया की इस जोड़ी से हार गई थी, लेकिन शुक्रवार देर रात खेले गए मैच में वह इसका बदला लेने में सफल रही। सात्विक और चिराग की विश्व की तीसरे नंबर की जोड़ी ने 43 मिनट में 21-12, 21-19 से शानदार जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। चिराग ने मैच के बाद कहा बहुत अच्छा लग रहा है। यह ओलंपिक जैसा ही मैच था। और मुझे लगता है कि आखिरकार हम कुछ हद तक बदला लेने में सफल रहे। यह वही कोर्ट था जिस पर ठीक एक साल पहले हम हार गए थे। मैं आज जीत हासिल करके वास्तव में बहुत खुश हूं। सात्विक और चिराग ने 2022 में इस टूर्नामेंट में कांस्य पदक जीता था और इस तरह से उनका विश्व चैंपियनशिप में यह दूसरा पदक होगा। इससे 2011 में ज्वाला गुट्टा और अश्विनी पोनप्पा के कांस्य पदक जीतने के बाद से भारत का प्रत्येक विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतना भी सुनिश्चित हो गया। एशियाई खेलों के चैंपियन का अगला मुकाबला चीन की 11वीं वरीयता प्राप्त जोड़ी चेन बो यांग और लियू यी से होगा।

यह पूछे जाने पर कि क्या चीनी टीम अंडरडॉग होगी, सात्विक ने कहा बिल्कुल नहीं। सेमीफाइनल खेल रहे हैं, कोई अंडरडॉग नहीं है। कुछ ही घंटे पहले पीवी सिंधू के क्वार्टर फ़ाइनल में बाहर होने से भारत महिला एकल में पदक से वंचित रह गया था। जब सात्विक और चिराग कोर्ट पर उतरे तो उन पर उम्मीदों का बोझ साफ दिख रहा था।

भारत को सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाना होगा

- हॉकी एशिया कप में जापान से मुकाबला आज
- भारत इस टूर्नामेंट में सर्वोच्च रैंकिंग वाली है टीम

समय : दोपहर 3:00 बजे

राजगीर (बिहार), एजेंसी

भारत पहले मैच के अपेक्षाकृत लचर प्रदर्शन को पीछे छोड़कर रविवार को यहां पुरुष एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में खतरनाक दिख रही जापान के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगा।

विश्व में सातवें स्थान पर काबिज भारतीय टीम ने शुक्रवार को पूल ए के अपने पहले मैच में विश्व में 23वें नंबर की टीम चीन पर 4-3 से करीबी जीत हासिल की लेकिन उसका यह प्रदर्शन प्रभावशाली नहीं था। भारत इस टूर्नामेंट में सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीम है और एशिया कप जीतने का प्रबल दावेदार है। इस टूर्नामेंट की विजेता टीम अगले साल बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले विश्व कप के बीच सीधे क्वालीफाई करेगी।

भारत ने चीन के खिलाफ शानदार शुरुआत की, लेकिन खेल आगे बढ़ने के साथ उसकी लय गड़बड़ा गई। भारतीय रक्षा पंक्ति को तेज तर्रार जापानी टीम के खिलाफ सतर्क रहना होगा, जिसने अपने पहले मैच में कजाकिस्तान के खिलाफ सात गोल दागे थे। चीन के खिलाफ भारत के सभी चार गोल पेनल्टी कॉर्नर से आए, जिसमें कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने हैट्रिक बनाई, लेकिन वह एक पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलने से चूक गए थे। जुगराज सिंह, हरमनप्रीत, संजय और अमित रोहिदास जैसे चार ड्रैगफ्लिकर के साथ भारत को पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने की दर में भी सुधार करना होगा।

भारतीय मध्य पंक्ति ने हालांकि अच्छा प्रदर्शन किया और कई मौके बनाए, लेकिन उसे इन अवसरों को गोल में बदलना होगा। भारत के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन भी अपने फॉरवर्ड खिलाड़ियों की गोल करने में असमर्थता को लेकर चिंतित होंगे। हालांकि मनदीप सिंह, संजय, दिलप्रीत सिंह और सुखजीत सिंह जैसे खिलाड़ी विपक्षी सर्कल के अंदर चुस्त दिखे, लेकिन वे स्कोरशीट में अपना नाम दर्ज कराने में असफल रहे।

फुल्टन ने कहा, हमने (चीन के खिलाफ) मैच जीता लेकिन हम अपनी उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। हमने कुछ मौके गंवाए और कुछ आसान गोल भी खाए। हम सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीम हैं और यहां प्रबल दावेदार हैं, इसलिए हर टीम हमसे खेलने के लिए खुद को अच्छी तरह से तैयार करेगी और हमें उस चुनौती का सामना करना होगा।

भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह युवा खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए।

इस टूर्नामेंट में भाग ले रही अधिकतर टीम जवाबी हमला करने के लिए इंतजार करती हैं। चीन के खिलाफ मैच हमारे लिए अच्छा सबक है। हमारी रक्षा पंक्ति को दमदार प्रदर्शन करना होगा।
- हरमनप्रीत सिंह, कप्तान

टीम

- **भारत :** कृष्ण बी पाठक (गोलकीपर), सूरज करकेरा (गोलकीपर), सुमित, जरमनप्रीत सिंह, संजय, हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, राजिंदर सिंह, राज कुमार पाल, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, मनदीप सिंह, शिलानंद लाकड़ा, अभिषेक, सुखजीत सिंह, दिलप्रीत सिंह।
- **जापान :** शोटा यामादा, युतो हिगुची, यामातो कावाहारा, सेरेन तनाका, नारू किमुरा, काजुमासा मात्सुमोतो, मनाबू यामाशिता, रायकी फुजीशिमा (कप्तान), केन नागायोशी, युसुके कावामुरा, कोसी कावाबे, ताकाशी योशिकावा (गोलकीपर), किशो कुरोदा (गोलकीपर), कीता वतनबे, रयोसुके शिनोहारा, ह्योटा यामादा।

मलेशिया ने कोरिया को 4-1 से हराया बांग्लादेश ने चीनी ताइपे को 8-3 से रौंदा

हॉकी एशिया कप

राजगीर (बिहार), एजेंसी

कोरिया की हॉकी एशिया कप खिताब बचाने की मुहिम को शनिवार को मलेशिया से मिली 1-4 की करारी हार से करारा झटका लगा जबकि बांग्लादेश ने हॉकी टूर्नामेंट के पूल बी के अपने दूसरे मैच में चीनी ताइपे को 8-3 से रौंद दिया।

दिन के दूसरे मैच में पांच बार की चैंपियन कोरिया ने दूसरे मिनट में ही जियोन्ह्यो जिन के मैदानी गोल से बढ़त बना ली। लेकिन मलेशिया ने अखिमुल्लाह अनवार (29वें, 34वें, 58वें) की हैट्रिक और अशरान हमसानी के मैदानी गोल दागकर शानदार वापसी कर कोरिया को हरा दिया। हालांकि विश्व रैंकिंग में मलेशिया (12वें) और कोरिया (13वें) के बीच सिर्फ एक पायदान का अंतर है। फिर भी कोरिया इस मुकाबले में प्रबल दावेदार मानी जा रही थी। दिन के पहले मैच में बांग्लादेश ने पूरी तरह से दबदबा बनाया और आखिरी दो क्वार्टर में पांच गोल दागे। मोहम्मद अब्दुल्ला (चौथे और 26वें मिनट), रकीबुल हसन (42वें और 43वें मिनट) और अशरफुल इस्लाम (45वें और 58वें मिनट) ने बांग्लादेश के लिए दो-दो गोल किए जबकि सोहनुर सोबुज (36वें मिनट) और रेजाउल बाबू (56वें मिनट) ने भी गोल दागे। चीनी ताइपे के लिए त्सुंग-यू हसीह (10वें और 18वें मिनट) ने दो गोल किए जबकि त्सुंग-जेन शिह (60वें मिनट) ने अंतिम हूटर बजने से पहले गोल कर दिया।

कोरिया के खिलाफ जीत दर्ज करने के बाद जश्न मनाते मलेशियाई खिलाड़ी। एजेंसी

चीनी ताइपे के खिलाफ गोल करने के बाद जश्न मनाते हुए बांग्लादेश के खिलाड़ी।

अंकित और धुल के शतक से उत्तर क्षेत्र सेमीफाइनल के करीब

दलीप ट्रॉफी

बेंगलुरु : पूर्वी क्षेत्र के खिलाफ कप्तान अंकित कुमार और उभरते हुए बल्लेबाज यश धुल के शानदार शतकों ने उत्तर क्षेत्र को शनिवार को यहां दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल की दहलीज पर पहुंचा दिया।

उत्तर क्षेत्र ने 183 रन की बढ़त के बावजूद फिर से बल्लेबाजी करने का फैसला किया। अंकित (नाबाद 168 रन) और धुल (133 रन, 157 गेंद) ने शानदार बल्लेबाजी की जिससे उनकी टीम ने क्वार्टर फाइनल के तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक दो विकेट पर 388 रन बनाकर कुल 563 रन की बढ़त बना ली। अंकित और धुल ने दूसरे विकेट के लिए 290 गेंद पर 240 रन जोड़े। धुल पूरी तरह आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे थे जबकि अंकित ने संयम से खेलते हुए शतक जड़ा।

उत्तर क्षेत्र के कप्तान अंकित कुमार और यश धुल रन लेते हुए। एजेंसी

पूर्वोत्तर के खिलाफ मध्य क्षेत्र की 678 रनों की बढ़त

बेंगलुरु : मध्य क्षेत्र ने पहली पारी में 347 रनों की बड़ी बढ़त के साथ दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली थी, लेकिन शनिवार को तीसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद पूर्वोत्तर क्षेत्र के खिलाफ उसकी बढ़त 678 रनों तक पहुंच गई। इससे मैच में महज औपचारिकता रह गयी है। पूर्वोत्तर क्षेत्र की पहली पारी को 185 रनों पर समेटने के बाद मध्य क्षेत्र ने अपनी दूसरी पारी में स्टंप्स तक सात विकेट पर 331 रनों पर घोषित कर दी। शुभम शर्मा (122 रन) की धैर्यपूर्ण बल्लेबाजी और कप्तान रजत पाटीदार (66 रन) तथा यश राठौड़ (78 रन) के तेज अर्धशतकों ने मुकाबले को महज औपचारिकता बना दिया है।

यूपी योद्धाज ने तेलुगू टाइटंस को 5 अंक से हराया

विशाखापट्टनम : गगन गौड़ा (14 अंक, 2 सुपर रेड), गुमान सिंह (7 अंक) और सुमित सांगवान (8 अंक, हाई-5) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत यूपी योद्धाज ने प्रो कबड्डी लीग सीजन-12 के अपने पहले मैच में मेजबान तेलुगू टाइटंस को 40-35 से हरा दिया। टाइटंस की यह लगातार दूसरी हार है।

आज यहां विश्वनाथ स्पोर्ट्स क्लब स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टाइटंस ने दूसरे हाफ में शानदार वापसी करते हुए एक समय फासला 3 का कर दिया था लेकिन अंतिम मिनट में गगन के सुपर रेड ने मैच का पासा पलट दिया। टाइटंस के लिए कप्तान विजय मलिक ने शानदार 14 अंक जुटाए। इनके अलावा कोई और खिलाड़ी प्रभावित नहीं कर सका। अपना पहला मैच हार चुकी टाइटंस और सीजन का पहला मैच खेल रही यूपी ने सावधान शुरुआत की।

यूएस ओपन

मैच की शुरुआत में पीठ की समस्या से उबरते हुए दिखाया दम

जोकोविच 38 साल की उम्र में चौथे दौर में पहुंचे

न्यूयॉर्क, एजेंसी

नोवाक जोकोविच मैच की शुरुआत में पीठ की समस्या से उबरते हुए शुक्रवार रात कैम नोरी को हराकर 1991 में जिमी कोनर्स के बाद अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के चौथे दौर में पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए।

जोकोविच ने 38 साल की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की। कोनर्स जब 1991 में इस टूर्नामेंट के चौथे दौर में पहुंचे थे तब उनकी उम्र भी 38 साल थी। जोकोविच ने 6-4, 6-7 (4), 6-2, 6-3 से जीत हासिल की, जिसमें उन्होंने 18 ऐस लगाए, जो उनके अनुसार टूर्नामेंट में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। रिकॉर्ड 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन फ्लशिंग मीडोज़ में मैच के शुरू में चिकित्सा सहायता लेनी पड़ी लेकिन उन्होंने शानदार खेल दिखाया।

पीठ की समस्या के बावजूद शानदार प्रदर्शन करते हुए नोवाक जोकोविच। एजेंसी

इस बीच महिला वर्ग में 2021 की चैंपियन एम्मा राडुकानू का सफर एलेना रयबाकिना से 6-1, 6-2 से हार के साथ समाप्त हुआ। गत चैंपियन एरिना सबालेंका और 2024 की उपविजेता जेसिका पेगुला भी अगले दौर में जगह बनाने में सफल रही। पुरुष वर्ग में नंबर छह बेन शेल्टन और नंबर 17 फ्रांसेस टियाफो दोनों को हार का सामना करना पड़ा।

चंद्रशेखर व प्रशांत की भारतीय जोड़ी जीती

न्यूयॉर्क : अनिरुद्ध चंद्रशेखर और विजय प्रशांत की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने यहां अमेरिका के क्रिश्चियन हैरिसन और इवान किंग की आठवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी को तीन सेटों में हराकर अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश किया। चंद्रशेखर और प्रशांत ने एक घंटे 42 मिनट में 3-6, 6-3, 6-4 से जीत हासिल की।

चोटिल अल्काराज की आसान जीत

न्यूयॉर्क : कार्लोस अल्काराज ने शुक्रवार को आर्थर ऐश स्टेडियम में दाहिने घुटने में चोट लगने के बावजूद सीधे सेटों में जीत दर्ज करके अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के चौथे दौर में प्रवेश किया। अमेरिकी ओपन में 2022 में अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाले दूसरे नंबर के खिलाड़ी अल्काराज टूर्नामेंट में पहली बार चोटिल हुए। उन्होंने मेडिकल टाइमआउट लिया और एक ट्रेनर से अपने पैर की मालिश करवाई। इस 22 वर्षीय खिलाड़ी ने हालांकि इसका असर अपने खेल पर नहीं पड़ने दिया और 32वें नंबर के लुसियानो डार्डेरी को 6-2, 6-4, 6-0 से हरा दिया।